@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 1 अप्रैल 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 140 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

आरोपियों पर लगाएं यूएपीए, फास्ट ट्रैक कोर्ट में चले मुकदमा: वारिस पठान

मुंबई, 31 मार्च। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान ने महाराष्ट्र सरकार से बीड़ की मस्जिद में विस्फोट के आरोपियों पर गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) लगाने और कड़ी सजा देने की मांग की। पठान ने कहा, उन्हें कौन बढ़ावा देता है? वे हर दिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं के भड़काऊ बयानों से प्रेरित होते हैं। सरकार को इस मामले में आरोपियों पर यूएपीए लगाना

चाहिए। मामला फास्ट-ट्रैक कोर्ट में चलना चाहिए और सख्त सजा मिलनी चाहिए। भाजपा के जो नेता हर दिन ऐसे बयान देते हैं, उन पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। तभी इस तरह की घटनाओं को रोका जा सकेगा। बीड़ जिले की एक मस्जिद में रविवार को विस्फोट हुआ, जिससे उसके अंदरूनी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा। पुलिस ने बताया कि इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि उसे जानकारी मिली है कि मस्जिद में जिलेटिन की मदद से विस्फोट किया गया। पुलिस अधीक्षक (एसपी) नवीन कंवत ने एक वीडियो बयान में कहा कि गांव के सरपंच ने सुबह चार बजे पुलिस को घटना की सूचना दी। एसपी कंवत ने बताया, हमारे सभी वरिष्ठ अधिकारी और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचे। जांच में पता चला कि आरोपी मस्जिद गए और जिलेटिन से विस्फोट किया। हमारी टीम ने कार्रवाई की और सुबह छह बजे से पहले दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले की गहन जांच की जाएगी। उन्होंने कहा, गांव स्तर पर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई है।

नई शिक्षा नीति को लेकर सोनिया गांधी का केंद्र पर हमला

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 31 मार्च। तमिलनाडु और केंद्र सरकार के बीच नई शिक्षा नीति में हिंदी थोपने के लेकर छिड़े विवाद के बीच कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने केंद्र सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली का नरसंहार समाप्त होना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि नई शिक्षा नीति का मुख्य एजेंडा सत्ता का केंद्रीकरण व्यावसायीकरण, निवेश को निजी क्षेत्र को सौंपना तथा पाठ्यपुस्तकों का सांप्रदायिकरण करना है। सोनिया गांधी ने कहा कि ये तीन सी आज भारतीय शिक्षा को बिगाड़ रहे हैं। एक अखबार में प्रकाशित लेख द 3सी दैट हॉन्ट इंडियन एजुकेशन टुडे में सोनिया गांधी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की शुरुआत ने एक ऐसी सरकार की वास्तविकता को छिपा दिया है जो भारत के बच्चों और युवाओं की शिक्षा के प्रति बेहद उदासीन है। पिछले दशक में केंद्र सरकार के ट्रैक रिकॉर्ड से स्पष्ट है कि शिक्षा के क्षेत्र में वह केवल तीन मुख्य एजेंडों के कार्यान्वयन को लेकर चिंतित है। इसमें पहला केंद्र सरकार के पास सत्ता का केंद्रीकरण; शिक्षा में निवेश का व्यावसायीकरण और निजी क्षेत्र को आउटसोर्सिंग तथा पाठ्यपुस्तकों, पाठ्यक्रम और संस्थानों का सांप्रदायिकरण। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि पिछले 11 साल में केंद्र सरकार की कार्यप्रणाली की पहचान अनियंत्रित केंद्रीकरण रही है, लेकिन इसके सबसे हानिकारक परिणाम शिक्षा के क्षेत्र में हुए हैं। केंद्र और राज्य के शिक्षा मंत्रियों वाले केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड की सितंबर 2019 से कोई बैठक नहीं हुई है। एनईपी 2020 से शिक्षा में आमूलचूल परिवर्तन को अपनाने और लागू करने के बावजूद सरकार ने एक बार भी नीतियों के कार्यान्वयन को लेकर राज्य सरकारों से परामर्श करना उचित नहीं समझा। सोनिया गांधी ने लेख में दावा किया कि सरकार अपनी आवाज के अलावा किसी अन्य की आवाज पर ध्यान नहीं देती। यहां तक कि उस विषय पर भी नहीं जो भारतीय संविधान की समवर्ती सूची में है। संवाद की कमी के साथ-साथ धमकाने की प्रवृत्ति भी देखने को मिलती है। समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) के तहत मिलने वाले अनुदान को रोककर राज्य सरकारों को मॉडल स्कूलों की पीएम-एसएचआरआई (या पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया) योजना को लागू करने

के लिए मजबूर करना, यह सरकार द्वारा किए गए सबसे शर्मनाक कामों में से एक है। सोनिया गांधी ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के 2025 के दिशानिर्देशों के मसौदे को भी कठिन बताया। उन्होंने दावा किया कि इसमें राज्य सरकारों को उनके द्वारा स्थापित, वित्तपोषित और संचालित विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति से पूरी तरह बाहर रखा गया है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने स्वयं को राज्यपालों के माध्यम से राज्य विश्वविद्यालयों में कुलपतियों के चयन में लगभग एकाधिकार शक्ति दे दी है। यह समवर्ती सूची के विषय को केंद्र सरकार के एकमात्र अधिकार में बदलने का प्रयास है और आज के समय में संघवाद के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में शिक्षा प्रणाली का व्यावसायीकरण खुलेआम हो रहा है। देश के गरीबों को सार्वजनिक शिक्षा से बाहर कर दिया गया है। उन्हें अत्यधिक महंगी तथा अनियमित निजी स्कूल प्रणाली के हाथों में धकेल दिया गया है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सरकार ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की पूर्ववर्ती ब्लॉक अनुदान प्रणाली के स्थान पर उच्च शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी (एचईएफए) की शुरुआत की है।

इन्वेस्टर इंटरफेस का मोबाइल एप लॉन्च: मुख्यमंत्री शर्मा

नरेश मल्होत्रा

जयपुर, 31 मार्च। राजधानी जयपुर में सोमवार को एक पांच सितारा होटल में निवेश उत्सव कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा- राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान हस्ताक्षरित हुए निवेश प्रस्तावों में से 3 लाख करो? रूपये के एमओयू की आज ग्राउण्ड ब्रेकिंग की गई है। आज का निवेश उत्सव एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन इम्पैक्ट 1.0 (इम्पैक्ट वन प्वाइंट ओ) पर केंद्रित है, जो राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत किए गए एमओयू को धरातल पर उतारने के हमारे प्रयासों को दर्शाता है। राज्य सरकार ने इन निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए त्रिस्तरीय रिव्यू मेकैनिज्म बनाया है। हर विभाग और जिले में डेडिकेटेड टीम बनाई जो इन एमओयू की सक्रिय रूप से निगरानी कर रही है, ताकि निवेश का हर प्रस्ताव समय पर कार्यान्वित हो सके। इस सतत पर्यवेक्षण का ही परिणाम है कि राइजिंग राजस्थान के तहत हुए एमओयू में से 3 लाख करो? रुपये की परियोजनाओं की ग्राउंड ब्रेकिंग हो रही है। कार्यक्रम में इस संबंध में एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने रीको औद्योगिक क्षेत्रों के लिए डायरेक्ट लैंड एलॉटमेंट पॉलिसी लॉन्च की जिसमें उन सभी एमओयू धारकों को शामिल किया गया जिन्होंने राइजिंग राजस्थान के तहत सरकार के साथ 15 मार्च तक एमओयू निष्पादित किए। निवेशकों के उत्साह को देखते हुए मुख्यमंत्री ने प्रत्यक्ष आवंटन नीति 16 मार्च से 30 अप्रैल तक निष्पादित होने वाले सभी नए एमओयू पर भी लागू किए जाने की घोषणा की। ये एमओयू धारक अगले आवेदन प्रक्रिया के दौर में इस नीति का लाभ उठा सकेंगे, जो ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा और 15 मई से सभी के लिए पुनः खोला जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट ने विश्वभर के निवेशकों का ध्यान आकर्षित किया और 35 लाख करो? रुपये से अधिक के एमओयू साइन किए गए। यह निवेशकों का हमारे राज्य के प्रति अपार विश्वास होने के साथ-साथ हमारे प्रयासों की सफलता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश में अनुकूल औद्योगिक वातावरण सुनिश्चित करने के लिए कृतसंकल्पित है। हमने उद्योगों की मांग को देखते हुए डे? लाख से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा है। हम 5 वर्षों में सरकारी क्षेत्र में 4 लाख और निजी क्षेत्र में 6 लाख रोजगार के अवसर भी सृजित करेंगे। शर्मा ने कहा कि सरकार 18 नए औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने जा रही है। इन नए औद्योगिक क्षेत्रों को अलग-

अलग सेक्टर्स की जरूरतों के हिसाब से डिजाइन किया गया है, ताकि हमारा प्रदेश मैन्यूफैक्चरिंग का पावरहाउस बन सके। साथ ही, यहां सौर एवं पवन ऊर्जा की प्रचुरता ने भी पूरी दुनिया के निवेशकों का ध्यान आकर्षित किया है। इस अवसर पर उन्होंने राजस्थान फाउंडेशन के गुवाहाटी, भुवनेश्वर, रांची, पुणे, दिल्ली, दुबई, म्यूनिख, रियाद, टोक्यो, सिंगापुर, मेलबर्न, नैरोबी, कम्पाला और दोहा में 14 नए चैप्टर्स खोलने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान की प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए हमारी सरकार इस साल 11 और 12 दिसंबर को दो दिवसीय राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव का आयोजन भी करेगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने ऑनलाइन इन्वेस्टर इंटरफेस का मोबाइल ऐप भी लॉन्च किया है, जिससे संबंधित निवेशक मोबाइल पर ही अपने-अपने प्रस्तावों के क्रियान्वयन की प्रगति को ट्रैक कर सकेंगे, अपने सवालों का जवाब पा सकेंगे और अधिकारियों से और भी आसानी से जु? सकेंगे। साथ ही, उन्होंने राजस्थान लॉजिस्टिक नीति-2025, राजस्थान डाटा सेंटर नीति-2025 और राजस्थान वस्त्र एवं परिधान नीति-2025 का भी विमोचन किया। ये नीतियां उद्योगों के लिए एक अनुकूल माहौल तैयार करेंगी और राजस्थान को निवेश का सबसे पसंदीदा स्थान बनाएंगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव 2025 का बटन दबाकर लोगो अनावरण किया और कॉन्क्लेव की आधिकारिक घोषणा की।

मुझे ईदगाह जाने से रोका गया: अखिलेश यादव

लखनऊ, 31 मार्च। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मीडिया से बातचीत में पुलिस पर उन्हें ऐशबाग ईदगाह जाने से रोकने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने मुझे जानबूझकर आधे घंटे रोका, आज तक इतनी बैरीकेडिंग नहीं की गई। मैं हमेशा यहां आता रहा हूं।

लोकतंत्र और संविधान को सबसे बड़ा खतरा भाजपा से है। देश को संविधान से नहीं, भाजपा से चलाया जा रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि आज जब मैं यहां (ईदगाह समारोह में शामिल होने) आ रहा था तो जानबूझकर मुझे पुलिस ने रोका। एक घंटे तक बातचीत करने के बाद मुझे आगे जाने दिया गया। जब मैंने जानना चाहा कि आखिरकार ऐसा क्यों किया जा रहा है तो किसी अधिकारी के पास कोई जवाब नहीं था। मैं इसे क्या समझूं? क्या ऐसा दबाव इसलिए बनाया जा रहा है कि हम दूसरे लोगों के समारोह में शामिल ना हों? उन्होंने कहा कि भाजपा संविधान से देश को नहीं चला रही है। उन्होंने अस्पतालों में इलाज और दवाओं की कमी का भी जिक्र किया और आईएएस अधिकारियों के घोटाले के बाद फरार होने की बात कही। अखिलेश यादव सोमवार को लखनऊ स्थित ऐशबाग ईदगाह पहुंचे थे। जहां उन्होंने सभी को ईद की बधाई दी। उन्होंने कहा कि ईद भाईचारे और सौहार्द का त्योहार है। कोई देश तभी तरक्की कर सकता है जब सब लोग साथ मिलकर रहते हैं।

पीएम मोदी के संघ मुख्यालय दौरे को बताया रिटायरमेंट प्लान: संजय राउत

कौमी संवाददाता

मुंबई, 31 मार्च। पीएम नरेंद्र मोदी के नागपुर में आरएसएस मुख्यालय के दौरे को शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने रिटायरमेंट प्लान बताया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी सितंबर में रिटायरमेंट लेने की योजना बना रहे हैं। वे पिछले 10-11 साल में आरएसएस मुख्यालय नहीं गए लेकिन अब वह यहां संघ प्रमुख मोहन भागवत को टाटा, बाय बाय बोलने गए थे। वहीं महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने इसका जवाब दिया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को उत्तराधिकारी की जरूरत नहीं है। वे कई वर्षों तक देश का नेतृत्व करते रहेंगे। शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने कहा कि आरएसएस देश के राजनीतिक नेतृत्व में बदलाव चाहता है। मोदी संभवत- सितंबर में अपना सेवानिवृत्ति आवेदन लिखने के लिए आरएसएस मुख्यालय गए होंगे। पीएम मोदी का समय समाप्त हो गया

है। अब वह बदलाव चाहते हैं। इसके अलावा वह नए भाजपा अध्यक्ष को भी चुनना चाहते हैं। संजय राउत का इशारा भाजपा के कुछ नेताओं के 75 साल की उम्र में सेवानिवृत्त होने की ओर था। पीएम मोदी इस साल सितंबर में 75 साल के हो जाएंगे। संजय राउत के बयान पर सीएम फडणवीस ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि 2029 में हम मोदी को फिर से प्रधानमंत्री के रूप में देखेंगे। उनके उत्तराधिकारी की तलाश करने की कोई जरूरत नहीं है। वह हमारे नेता हैं और पद पर बने रहेंगे। सीएम ने कहा कि नेता के सक्रिय रहते हुए उत्तराधिकारी को लेकर चर्चा करना भारतीय संस्कृति में अनुचित है। यह मुगल संस्कृति है। इस पर चर्चा करने का समय अभी नहीं आया है।

राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री ने देशवासियों को दी ईद की बधाई

नई दिल्ली, 31 मार्च। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत तमाम दिग्गज नेताओं ने देशवासियों को ईद का बधाई दी। सभी ने सोमवार को लोगों को ईद-उल-फितर की शुभकामनाएं दीं और कामना की कि यह त्योहार समाज में आशा, सद्भाव और दयालुता की भावना को बढ़ाए। ईद-उल-फितर रमजान के पाक महीने के समापन का प्रतीक है। राष्ट्रपति मुर्मू ने एक्स पर लिखा, ईद-उल-फितर के मुबारक मौके पर सभी देशवासियों, विशेष रूप से मुस्लिम भाइयों और बहनों को बधाई। यह त्योहार भाईचारे की भावना को मजबूत बनाता है तथा करुणा-भाव और दान की प्रवृत्ति को अपनाने का संदेश देता है। मैं कामना करती हूं कि यह पर्व सभी के जीवन में शांति, समृद्धि और खुशियां लेकर आए तथा सबके दिलों में नेकी के रास्ते पर आगे बढ़ने के जज्बे को मजबूत बनाए। उपराष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर लिखा, ईद-उल-फितर पर मैं देश के सभी नागरिकों को हार्दिक बधाई देता हूं।

औरंगजेब विवाद को आरएसएस नेता जोशी ने बताया अनावश्यक

नागपुर, 31 मार्च। महाराष्ट्र के औरंगजेब की कब्र को लेकर छिड़े विवाद को आरएसएस के वरिष्ठ नेता ने अनावश्यक बताया है। उन्होंने कहा कि जो भी अनुयायी है वह महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में स्थित कब्र का दौरा करेगा। इससे पहले मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने औरंगजेब की कब्र को लेकर सांप्रदायिक तनाव भड़काने के प्रयासों की निंदा की। मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने कहा कि इतिहास को जाति और धर्म के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए।उन्होंने लोगों से ऐतिहासिक जानकारी के लिए व्हाट्सएप फॉरवर्ड पर भरोसा नहीं करने को भी कहा। ठाकरे ने यह भी कहा कि मुगल शासक शिवाजी नामक एक विचार को मारना चाहता था, लेकिन असफल रहा और महाराष्ट्र में उसकी मृत्यु हो गई। मनसे प्रमुख ने कहा कि बीजापुर के सेनापति अफजल खान को प्रतापगढ़ किले के पास दफनाया गया था और छत्रपति शिवाजी महाराज की अनुमति के बिना ऐसा नहीं किया जा सकता था। राज ठाकरे के बयान और औरंगजेब की कब्र को लेकर भैयाजी जोशी ने कहा कि औरंगजेब की कब्र का विषय अनावश्यक रूप से उठाया गया है। उनकी मृत्यु भारत में हुई थी, इसलिए उनकी कब्र यहीं बनाई गई है। हमारे पास छत्रपति शिवाजी महाराज का आदर्श (रोल मॉडल) है, उन्होंने अफजल खान की कब्र बनवाई थी। यह भारत की उदारता और समावेशिता का प्रतीक है। कब्र बनी रहेगी, जो भी जाना चाहेगा, जाएगा। इससे पहले आरएसएस के मुख्य प्रवक्ता सुनील आंबेकर ने मुगल बादशाह औरंगजेब को अप्रासंगिक बताया था। जब उनसे पूछा गया कि क्या औरंगजेब की कब्र को दूसरी जगह ले जाना चाहिए और क्या मुगल शासक आज भी प्रासंगिक है

संसद में वक्फ बिल पेश करने की प्रक्रिया शुरू: किरेन रिजिजू

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 31 मार्च। केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि संसद में वक्फ बिल पेश करने की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। उन्होंने सोमवार शाम एक प्रेस वार्ता में कहा कि सरकार विधेयक के प्रावधानों से जुड़े हर सवाल का जवाब देने को तैयार है। इस विधेयक में अल्पसंख्यकों के साथ नाइंसाफी है, ऐसा कोई प्रावधान शामिल नहीं किया गया है। बकौल रिजिजू, जो वक्फ विधेयक का विरोध कर रहे हैं, वे शक्तिशाली लोग हैं। उन्होंने वक्फ की संपत्तियों पर कब्जा कर लिया है। वे लोगों को गुमराह कर रहे हैं। वे कह रहे हैं कि विधेयक असांविधानिक है। उन्होंने साफ किया कि आलोचना करना सबका अधिकार है, लेकिन उसका कुछ आधार भी होना चाहिए। बकौर रिजिजू, धार्मिक प्रतिबद्धताओं और मान्यताओं से परे जाकर कई संगठन विधेयक का समर्थन कर रहे हैं। विधेयक गरीब मुसलमानों, बच्चों और महिलाओं के हित में है। इससे वक्फ बोर्ड के तहत संपत्तियों के प्रबंधन में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। प्रेस वार्ता के दौरान रिजिजू ने कहा, सरकार संसद में वक्फ संशोधन विधेयक पेश करने की तैयारी कर रही है, सभी से अपील है कि सदन में बहस और चर्चा में भाग लें। उन्होंने कहा कि संसद के बाहर, रिकॉर्ड संख्या में परामर्श और विचार-

विमर्श हुए हैं। संयुक्त संसदीय समिति ने लोकतांत्रिक भारत के इतिहास में अब तक की सबसे व्यापक परामर्श प्रक्रिया और सर्वोच्च प्रतिनिधित्व का रिकॉर्ड बनाया है। रिजिजू ने कहा कि विधेयक तैयार है, वे सभी राजनीतिक दलों से अनुरोध करना चाहेंगे कि वे चर्चा में भाग लें और संसद के पटल पर अपने विचार रखें। उन्होंने विपक्ष से गुमराह न करने की अपील की। इससे पहले आज ही केरल के कैथोलिक बिशप्स काउंसिल (केसीबीसी) ने राज्य के सांसदों से केंद्र सरकार के इस विधेयक का समर्थन करने की अपील की। इस पत्र को अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा करते हुए रिजिजू ने कहा, खुद अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य होने के नाते वे इस अपील का स्वागत करते हैं। बता दें कि केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्यमंत्री रिजिजू बौद्ध धर्म के मानने वाले हैं। खुद राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने भी उनकी इस पहचान को रेखांकित कर इसे भारत के लिए गौरवशाली तथ्य बताया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि अगस्त 2024 में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजा गया वक्फ संशोधन विधेयक संसद के वर्तमान बजट सत्र में फिर से पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा, हम इसी सत्र में वक्फ विधेयक पेश करेंगे। बता दें कि बजट सत्र 4 अप्रैल को समाप्त हो जाएगा। शाह ने कहा कि प्रस्तावित कानून से किसी को भी डरने की जरूरत नहीं है।

सीएम ममता बनर्जी ने भाजपा पर साधा निशाना

तेजिन्दर कौर बब्बर

कोलकाता, 31 मार्च। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को लोगों से सांप्रदायिक दंगों को बढ़ावा देने वाले उकसावे में नहीं आने की अपील की। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार राज्य के निवासियों के साथ खड़ी है और कोई भी राज्य में तनाव नहीं पैदा कर सकता। कोलकाता के रेड रोड पर ईद के कार्यक्रम में ममता बनर्जी ने कहा कि कुछ लोग दंगों को बढ़ावा देने के लिए लोगों को उकसाने का काम कर रहे हैं, लेकिन कृपया इन जाल में न फंसें। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार हमेशा अल्पसंख्यकों के साथ खड़ी रहेगी। कोई भी राज्य में तनाव नहीं फैला सकता। साथ ही सीएम ममता बनर्जी ने मोथाबारी इलाके में हुई हिंसा के बाद तनाव के बीच सोमवार को ईद-उल-फितर के अवसर पर कोलकाता में ईदगाह का दौरा किया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार दंगों को रोकने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। ममता बनर्जी ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि लाल और गेरुआ दलों ने एक-दूसरे के साथ हाथ मिला लिया है। मुख्यमंत्री ने ये भी कहा कि हम सभी धर्मों के लिए अपने प्राणों की आहुति देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि बहुसंख्यकों का कर्तव्य है कि वे अल्पसंख्यकों की रक्षा करें और अल्पसंख्यकों का कर्तव्य है कि वे बहुसंख्यकों के साथ शांतिपूर्वक रहें। हम किसी को दंगा नहीं करने देंगे। हमारी एक ही आवाज है, दंगे रोकना। साथ ही

सीएम ममता बनर्जी ने भाजपा और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) पर आरोप लगाया कि ये दोनों दल आपस में मिलकर अराजकता फैलाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आम लोग अराजकता नहीं फैलाते, बल्कि यह राजनीतिक दलों द्वारा किया जाता है। आज लाल और गेरुआ एक हो गए हैं, यह शर्म की बात है। इसके साथ ही अपने बयान में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ये भी कहा कि अगर भाजपा को अल्पसंख्यकों से समस्या है, तो क्या वे देश के संविधान को बदल देंगे? उन्होंने भाजपा की राजनीति को विभाजनकारी राजनीति बताते हुए इसकी आलोचना की। साथ ही इसे लोगों को बांटने के उद्देश्य से जुमला की राजनीति बताया। बता दें कि इस मौके पर तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भी भाजपा का विरोध किया। उन्होंने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए पार्टी एकजुट रही थी। उन्होंने कहा कि भाजपा कहती है कि हिंदू खतरे में हैं, और उनके दोस्त कहते हैं मुसलमान खतरे में हैं। अभिषेक बनर्जी ने आगे कहा कि मैं भाजपा से कहता हूं कि सांप्रदायिक राजनीति का चश्मा उतारें। उनकी राजनीति के कारण पूरा देश खतरे में है। अगर वे बंगाल में विभाजन पैदा करने की कोशिश करेंगे, तो हम इसका विरोध करेंगे। दोनों नेताओं ने यह स्पष्ट किया कि तृणमूल कांग्रेस राज्य में विभाजन और सांप्रदायिक राजनीति के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेगी।

पंचकूला के पंचकमल से चलेगी भाजपा की सियासत

चंडीगढ़, 31 मार्च। हरियाणा में भाजपा की राजनीति अब पंचकूला के पंचकमल से चलेगी। पार्टी के स्थापना दिवस के मौके पर भाजपा का मुख्यालय रोहतक से पंचकूला में शिफ्ट होगा। शीर्ष नेतृत्व ने हरियाणा भाजपा को इसकी मंजूरी भी दे दी है। यह बदलाव छह अप्रैल से होगा। पार्टी का मानना है कि पंचकूला दफ्तर को मुख्यालय के तौर पर ही डिजाइन किया गया था। चंडीगढ़ के नजदीक होने के कारण पार्टी कार्यालय की उपयोगिता ज्यादा होगी। मुख्यमंत्री व अन्य मंत्रियों के लिए भी पंचकूला आना ज्यादा आसान होता है। क्योंकि वे चंडीगढ़ में ही मौजूद रहते हैं। भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने इसकी पुष्टि भी कर दी है। भाजपा का दफ्तर रोहतक में भी मौजूद रहेगा। पार्टी इसका इस्तेमाल ट्रेनिंग स्कूल में करेगी यहां पर पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षिण शिविर लगाए जाएंगे। पार्टी के बड़े नेताओं के दफ्तर वहां भी मौजूद रहेंगे। हालांकि पार्टी इस दफ्तर की उपयोगिता से इंकार नहीं कर रही है। भाजपा का कहना है कि रोहतक दफ्तर मंगल कमल से पार्टी ने लगातार तीन विधानसभा चुनाव जीते हैं। इस लिए भाजपा के बड़े नेताओं का रोहतक दफ्तर में आना लगा रहेगा।

म्यांमार में विनाशकारी भूकंप, मरने वालों की संख्या 1,644 हुई

बैंकॉक। म्यांमार में आए 7.7 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,644 हो गई है। म्यांमार की सैन्य सरकार ने राज्य टेलीविजन पर इसकी पुष्टि की। राहत एवं बचाव दल लगातार मलबे से शव बरामद कर रहे हैं, जिससे मृतकों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। इससे पहले दिन में मृतकों की संख्या 1,002 बताई गई थी, लेकिन राहत अभियान तेज होने के साथ यह संख्या तेजी से बढ़ी। अब तक 3,408 लोग घायल हो चुके हैं और 139 लोग लापता बताए जा रहे हैं। अधिकारियों को आशंका है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है, क्योंकि कई इमारतें पूरी तरह से जमींदोज हो गई हैं। भूकंप का केंद्र म्यांमार के दूसरे सबसे बड़े शहर मंडाले के पास था, जहां सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। राजधानी नेपीतॉ में भी कई सरकारी इमारतें ढह गईं। राहत और बचाव कार्य तेजी से जारी है, लेकिन भूकंप के कारण एयरपोर्ट को नुकसान पहुंचने से सहायता पहुंचाने में मुश्किलें आ रही हैं। राहत दल मलबे में फंसे लोगों को बचाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, देश में चल रहे गृहयुद्ध और राजनीतिक अस्थिरता के कारण राहत कार्यों में बाधा उत्पन्न हो रही है। म्यांमार पहले से ही मानवीय संकट से जूझ रहा है, जिससे आपदा प्रबंधन और भी कठिन हो गया है। भूकंप के बाद राजधानी नेपीतॉ में बिजली, टेलीफोन और इंटरनेट सेवाएं ठप हो गई हैं।

इक्वाडोर में बस पलटने से सात लोगों की मौत

क्विटो। दक्षिण-पश्चिमी इक्वाडोर के तटीय प्रांत गुआयास में एक अंतरप्रांतीय बस के पलटने से कम से कम सात लोगों की मौत हो गई जबकि 11 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी स्थानीय अधिकारियों ने दी। गुआयाकिल अग्निशमन विभाग ने सड़क के किनारे पलटी हुई बस की तस्वीरें पोस्ट करते हुए कहा कि यह दुर्घटना स्थानीय समयानुसार सुबह चार बजे (0900 जीएमटी) एल कॉसुएलो जिले के पास गुआयाकिल-प्लायास राजमार्ग पर हुई। विभाग ने आपातकालीन स्थिति से निपटने तथा घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए छह एम्बुलेंस, दो बचाव इकाइयां तथा दो लड़ाकू इकाइयां भेजीं। अधिकारियों ने अभी तक यह नहीं बताया है कि दुर्घटना का कारण क्या हो सकता है। अधिकारियों के अनुसार, इक्वाडोर में यातायात दुर्घटनाएं मृत्यु का एक प्रमुख कारण हैं, मुख्य रूप से तेज़ गति और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण।

बंगलादेश भूकंप प्रभावित म्यांमार में बचाव दल भेजेगा

ढाका। बंगलादेश सशस्त्र बलों की बचाव टीम भूकंप राहत और बचाव प्रयासों में सहायता के लिए एक विशेष उड़ान से म्यांमार के लिए रवाना होगी। बंगलादेश सशस्त्र बलों के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने यहां एक मीडिया बयान में यह घोषणा की, जिसमें उल्लेख किया गया कि टीम म्यांमार के लिए रवाना होगी। इसमें कहा गया है कि बंगलादेश सशस्त्र बल देश को आपातकालीन दवा, राहत आपूर्ति, बचाव अभियान और चिकित्सा सहायता प्रदान करेंगे। उस दिन पहले अग्निशमन सेवा और नागरिक सुरक्षा निदेशालय द्वारा जारी एक आधिकारिक अलर्ट में कहा गया था कि बंगलादेश में हाल ही में म्यांमार और थाईलैंड में आए समान तीव्रता के भूकंप आ सकते हैं, विशेष रूप से चटगांव, सिलहट, मैमनसिंह और ढाका सहित उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में। अग्निशमन सेवा ने संबंधित अधिकारियों और जनता से भूकंप के जोखिम को कम करने के लिए सक्रिय कदम उठाने का आग्रह किया। म्यांमार में 7.7 तीव्रता का भूकंप आया। शनिवार रात को राज्य प्रशासन परिषद की सूचना टीम के अनुसार, कुल 1,644 लोग मारे गए, 3,408 घायल हुए और 139 लापता हैं।

ब्राज़ील में कार-ट्रक की टक्कर में पांच लोगों की मौत

साओ पाउलो। दक्षिणी ब्राजील के पराना राज्य में एक कार और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई जबकि एक शिशु घायल हो गया। यह जानकारी स्थानीय अग्निशमन विभाग ने दी। ट्रक चालक

के अनुसार, चोपिनज़िन्हो नगरपालिका में बीआर-373 राजमार्ग के एक मोड़ पर कार विपरीत लेन में आ गई और उसके वाहन से टकरा गई।घटनास्थल पर पहुंचने पर, दमकलकर्मियों ने एक वर्षीय शिशु को अपनी मां की गोद में रोते हुए पाया, जिसकी घटनास्थल पर ही मौत हो चुकी थी। बच्ची को मामूली चोटें आईं, जिसे पड़ोसी शहर पाटो ब्रैंको के एक अस्पताल में भर्ती किया गया।

ट्रंप के दो अप्रैल के मुक्ति दिवस पर दुनिया की नजर, चीन ने नहीं बेचा टिक टॉक तो लगाएंगे 60 प्रतिशत टैरिफ

एजेंसी

हांगकांग। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दो अप्रैल के 'मुक्ति दिवस' पर सारी दुनिया की नजर है। वह दो अप्रैल को अपनी मुक्ति दिवस (योजना) घोषणा के अंतर्गत नए टैरिफ की शुरुआत करेंगे। इस योजना में सेमीकंडक्टर, माइक्रो चिप्स, फार्मास्यूटिकल्स और विदेशी वाहनों पर 25 प्रतिशत टैरिफ शामिल हैं। वह चीन के खिलाफ सबसे अधिक टैरिफ 60 प्रतिशत तक की घोषणा कर सकते हैं। इस बात की प्रबल संभावना है कि इससे बीजिंग के साथ वाशिंगटन के बीचा व्यापार युद्ध तेज हो जाएगा।

सीएनएन न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, ट्रंप के मुक्त दिवस ने चीन को उलझन में डाल दिया है। ट्रंप ने अपने इस अभियान के दौरान चीन को अमेरिका में आने वाले सभी चीनी सामानों पर 60 प्रतिशत से अधिक शुल्क (टैरिफ) लगाने की धमकी दी है। संभावना है वह इसकी

घोषणा बुधवार को कर सकते हैं। ट्रंप ने एयर फोर्स वन में बातचीत के दौरान सुझाव दिया कि वह चीन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिक टॉक की बिक्री पर व्यापक सौदेबाजी के हिस्से के रूप में टैरिफ को कम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर यह सौदेबाजी पूरी नहीं होती तो वह टैरिफ की घोषणा करेंगे। हालांकि उन्होंने चीन के नेता शी जिनपिंग के साथ बेहतरीन रिश्ते का दावा किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'शायद मैं इसे पूरा करने के लिए टैरिफ में थोड़ी कमी कर दूं या कुछ और करूं।' इसका मतलब है कि ट्रंप टिक टॉप डील को फाइनल करने के लिए चीन को कुछ फायदा दे सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर यह समय पर नहीं हुआ तो वह समय सीमा को पांच अप्रैल से आगे बढ़ा देंगे। ट्रंप ने कहा, चीन को इसमें एक भूमिका निभानी होगी, संभवतः मंजूरी के रूप में और मुझे लगता है कि वे ऐसा करेंगे। उल्लेखनीय है कि टिक टॉक की मुश्किलें अमेरिका में तब शुरू हुई, जब एक अमेरिकी कानून में कहा गया कि इस ऐप को अपनी चीनी पैरेंट कंपनी बाइटडांस से अलग होना होगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि अमेरिका को डर है कि चीन इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल अमेरिकियों पर नजर रखने या उन्हें प्रभावित करने के लिए कर सकता है। यह कानून 19 जनवरी को लागू हुआ था। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में टिक टॉक के अमेरिकी कामकाज पर रोक लगाने की कोशिश की थी।

ईरान को ट्रंप की चेतावनी, परमाणु समझौता नहीं तो बमबारी संभव

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है कि यदि वह वॉशिंगटन के साथ परमाणु समझौता नहीं करता, तो उसे बमबारी या कड़े प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है।

एनबीसी न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत चल रही है, लेकिन उन्होंने इसके बारे में अधिक जानकारी नहीं दी। ट्रंप ने साफ शब्दों में कहा, अगर वे समझौता नहीं करते हैं, तो बमबारी होगी। लेकिन हो सकता है कि मैं उस पर फिर से कठोर आर्थिक प्रतिबंध लगा दूं, जैसा मैंने चार साल पहले किया था।हालांकि ईरान ने अब तक ट्रंप की धमकी को अनसुना किया है और वार्ता को लेकर कोई सकारात्मक संकेत नहीं दिया है। ईरान के विदेश उपमंत्री अब्बास अराकची ने बताया कि ओमान के माध्यम से ट्रंप के पत्र का जवाब भेजा गया है, लेकिन तेहरान नए परमाणु समझौते के लिए तैयार नहीं दिख रहा। उल्लेखनीय है कि है कि अपने पहले कार्यकाल (2017-21) में ट्रंप ने ईरान के साथ 2015 के परमाणु समझौते से अमेरिका को बाहर कर लिया था और ईरान पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए थे।

इसके बाद से तेहरान ने अपनी परमाणु गतिविधियों को तेज कर दिया और उच्च स्तर पर यूरेनियम संवर्धन करने लगा। पश्चिमी देशों का आरोप है कि ईरान गुप्त रूप से परमाणु हथियार विकसित करने की कोशिश कर रहा है, जबकि तेहरान का दावा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है।

प्रधानमंत्री ओली ने नेपाल के पूर्व राजा के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने की दी चेतावनी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने आज काठमांडू में शुक्रवार को हुई हिंसक झड़प, आगजनी और दो लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह ने संविधान और कानून की धज्जियां उड़ाई हैं। ओली ने कहा कि पूर्व राजा अपने आपको संविधान और देश की कानून से ऊपर मानते हैं, जिसका उनको खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

संसद की प्रतिनिधि सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ओली ने सोमवार को कहा कि पहले वीडियो संदेश जारी करके शासन व्यवस्था बदलने के लिए आम लोगों को अपना समर्थन करने की बात करना और उसके बाद हजारों लोगों को सड़कों पर उतारकर अपने स्वागत में इकट्ठा करना कानूनन गलत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस संविधान के तहत उन्हें अभी भी पूर्व राष्ट्र

प्रमुख की हैसियत से सभी सरकारी सुविधा और सुरक्षा दी जा रही है, उसी संविधान के खिलाफ वो लोगों को भड़का रहे हैं।

प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि शुक्रवार को काठमांडू में हुए हिंसा, आगजनी, लूटपाट, पत्रकार के जिंदा जलाने की घटना के लिए सिर्फ पूर्वराज ज्ञानेन्द्र ही जिम्मेदार हैं और उनको इसकी कीमत चुकानी होगी। ओली ने कहा कि इन सब घटनाओं के लिए एक आम नागरिक की तरह ही पूर्व राजा के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई करनी होगी।

बांग्लादेश के चटगांव में हादसा, दो बसों में टक्कर, पांच की मौत, 12 घायल

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में चटगांव के लोहागरा उप जिला में आज सुबह दो बसों के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई और कम से कम 12 अन्य घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, दोहाजारी हाइवे पुलिस के एसआई मोनजूर हुसैन ने बताया कि यह दुर्घटना चटगांव-कॉक्स बाजार हाइवे पर जंगलाई मजार गेट इलाके में सुबह करीब 7:30 बजे हुई। मृतकों में 21 वर्षीय अराफात, 18 वर्षीय रिफात, 28 वर्षीय निजाम, 14 वर्षीय सिद्दीकी और 30 वर्षीय नाजिम शामिल हैं।

लोहागरा फायर स्टेशन के अधिकारी राखल चंद्र रुद्र ने बताया कि चटगांव से कॉक्स बाजार की ओर जा रही सौदिया परिवाहन की बस विपरीत दिशा से आ रही एक मिनी बस से टकरा गई। मिनी बस

कॉक्स बाजार के उखिया उपजिला से चटगांव के सतकानिया जा रही थी। रुद्र के अनुसार,घटनास्थल पर ही पांच लोगों की मौत हो गई और 10-12 अन्य घायल हो गए। घायलों को विभिन्न अस्पतालों में भेजा गया। एसआई मोनजूर ने कहा कि दोनों बसों को जब्त कर लिया गया है।

इस्लामाबाद और रावलपिंडी से निर्वासित किए जाएंगे अफगान शरणार्थी, आज समय सीमा का आखिरी दिन

एजेंसी

इस्लामाबाद/रावलपिंडी। पाकिस्तान के इस्लामाबाद और रावलपिंडी में रह रहे अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी) धारकों के लिए देश छोड़ने की संघीय सरकार की समय सीमा आज समाप्त हो रही है। इसलिए दोनों शहरों में कानून प्रवर्तन अधिकारियों को आदेश दिया गया है कि वे आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले अफगान नागरिकों को उसके परिवारों सहित पकड़कर निर्वासित करें। रावलपिंडी के पुलिस प्रमुख ने रावल, पोटोहर और सदर डिवीजनों के अधीक्षकों को जिले में रहने या काम करने वाले अवैध अफगान नागरिकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। डॉन अखबार की खबर के अनुसार, पुलिस को निर्देश दिया गया है कि वह किसी भी ऐसे अफगान नागरिक को हिरासत में ले जो आपराधिक गतिविधि में शामिल पाया जाता है। आदेश में सामूहिक दंड का एक रूप सुझाया गया है, जिसमें कहा

गया है कि अगर परिवार का कोई भी सदस्य किसी अपराध में शामिल पाया जाता है, तो पूरा परिवार निर्वासन के लिए उत्तरदायी होगा। रावलपिंडी शहर के पुलिस अधिकारी के आदेश के बाद, सभी पुलिस स्टेशन के एसएचओ को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में रहने वाले अफगान नागरिकों के साथ-साथ उनके परिवारों को भी हिरासत में लेने का निर्देश दिया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि निर्देशों में कहा गया है कि पंजीकरण प्रमाण (पीओआर) कार्ड रखने वाले अफगान नागरिक जो जुड़वां शहरों में रह रहे हैं, उन्हें सावधान किया जाना चाहिए कि उन्हें और उनके परिवारों को सरकार की नीति के अनुसार पाकिस्तान छोड़ना होगा। पीओआर कार्डधारकों के लिए देश छोड़ने की समय सीमा 30 जून, 2025 है। हालांकि, पुलिस के आदेश में इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं है कि क्या दस्तावेज वाले शरणार्थियों को अधिकारियों द्वारा निकाला जाएगा। पुलिस का रावलपिंडी जिले के विभिन्न हिस्सों में निवासियों की पुष्टि करने के लिए तलाशी अभियान जारी है। खासकर वे लोग जो किराए के घरों में रह रहे हैं। इस साल जनवरी में अवैध विदेशियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू होने के बाद से, 923 अफगान नागरिकों को पकड़ा गया और गोलरा मोड़ के पास शरणार्थी केंद्र में स्थानांतरित कर दिया गया।

चीन, दक्षिण कोरिया और जापान ने मुक्त व्यापार को बढ़ावा देने पर किया समझौता

एजेंसी

सियोल। चीन, दक्षिण कोरिया और जापान ने मुक्त व्यापार को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त रूप से कदम उठाने का निर्णय लिया है। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नए टैरिफ लगाने की घोषणा की है, जिससे वैश्विक व्यापार पर असर पड़ने की संभावना है। पांच वर्षों में पहली बार हुई इस उच्च स्तरीय बैठक में दक्षिण कोरिया के उद्योग मंत्री आहन डुक-ग्यून, जापान के उनके समकक्ष योजी मुतो और चीन के वांग वेंताओ ने भाग लिया। बैठक के दौरान तीनों देशों ने त्रिपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता तेज करने और व्यापार एवं निवेश के लिए स्थिर माहौल बनाने पर सहमति जताई।दक्षिण कोरियाई मंत्री आहन डुक-ग्यून ने कहा कि बदलते वैश्विक आर्थिक हालात और बढ़ती अनिश्चितताओं के बीच इन तीनों देशों को मिलकर जवाब देना होगा। जापानी अधिकारी यासुजी कोमियामा ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था खंडित हो रही है, जिससे व्यापार को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। वहीं, चीनी अधिकारी वांग लिपिंग ने एकतरफा नीतियों और संरक्षणवाद को रोकने के लिए बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। गौरतलब है कि चीन, जापान और दक्षिण कोरिया दुनिया की कुल जनसंख्या का 20 प्रतिशत और वैश्विक अर्थव्यवस्था का 24 प्रतिशत योगदान देते हैं। इनका वैश्विक व्यापार में 19 प्रतिशत हिस्सा है। ऐसे में तीनों देशों का यह कदम वैश्विक व्यापारिक संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभा सकता है।

इस्तांबुल के मेयर की गिरफ्तारी : पुलिस पर गिरफ्तार प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग के गंभीर आरोप

एजेंसी

अंकारा । तुर्की पुलिस ने इस्तांबुल के मेयर एक्रेम इमामोग्लू की गिरफ्तारी के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों में शामिल कई प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें बड़े पैमाने पर शारीरिक दुर्व्यवहार, यौन उत्पीड़न और अपमानजनक व्यवहार का सामना करना पड़ा। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोआन के कट्टर प्रतिद्वंद्वी और राष्ट्रपति चुनाव के संभावित दावेदार इमामोग्लू की गिरफ्तारी के बाद बड़े पैमाने पर देशभर में प्रदर्शन हुए। तुर्की सुरक्षा बलों ने अब तक कई पत्रकारों सहित 1800 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है।बंदियों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों ने जेलों में उनके साथ हो रहे कथित भयानक दुर्व्यवहार का खुलासा किया। विस्तृत साक्ष्यों और कानूनी दस्तावेजों की एक श्रृंखला से इस्तांबुल के साराचाने में हिरासत में

ली गई एक युवती की ओर से लगाए गए सबसे गंभीर आरोप का खुलासा हुआ। एक आधिकारिक बयान में युवती ने कहा कि एक पुरुष अधिकारी ने उसके बाल खींचे, उसे जमीन पर घसीटा, उसके साथ छेड़छाड़ की और डर के मारे उसने पेशाब कर दिया। रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी (सीएचपी) के सांसद सेजगिन तानरिकुलु ने पुष्टि की कि पूछताछ के रिकॉर्ड में विवरण दर्ज किया गया और शांति दंड न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। तानरिकुलु ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, ÷मेरे पास पुलिस का बयान और पूछताछ का रिकॉर्ड है। एक युवा छात्रा ने स्पष्ट रूप से बताया कि कैसे उसके साथ दुर्व्यवहार किया गया और न्यायपालिका चुप रही। इस्तांबुल बार एसोसिएशन की ओर से इक्ट्ठा किए गए अतिरिक्त विवरण एक व्यापक पैटर्न को प्रकट करते हैं। अटॉर्नी हलील एनेस कावाक ने तुर्की पुलिस की क्रूरता का विस्तृत विवरण दिया। तुर्की के अखबार सोज्कू से बात करते हुए कावाक ने कहा, सरचैन में हिरासत में लिए गए कोई भी युवक ऐसा नहीं जिसके शरीर पर हिंसा के निशाना न हो। कई लोगों को घसीटा गया, लात मारी गई, मुक्का मारा गया और हेलमेट से मारा गया। कुछ तो विरोध प्रदर्शन का हिस्सा भी नहीं थे - वे भाग नहीं रहे थे, न ही विरोध कर रहे थे। ये मनमाने ढंग से किए गए हमले थे।

मॉस्को में विस्फोट के बाद राष्ट्रपति पुतिन की बंकरनुमा कार लिमोजिन में आग लगी

एजेंसी

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ऑरस सीनेट लिमोजिन कार में संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) मुख्यालय के पास विस्फोट के बाद आग लग गई। 275,000 पाउंड की यह गाड़ी आग की लपटों में घिर गई। आसपास के लोगों ने आपातकालीन सेवाओं के पहुंचने से पहले आग बुझाने का प्रयास किया। ब्रिटेन के न्यूज चैनल जीबीएन ने 29 मार्च को प्रसारित खबर में यह जानकारी दी गई है। माना जा रहा है कि आग कार के इंजन में लगी। इसके तुरंत बाद उसके इंटीरियर में आग फैल गई। सड़क पर धुआं फैला तब आसपास के रेस्तरां के कर्मचारी मदद के लिए पहुंचे। सामने आए एक वीडियो फुटेज में कार का पिछला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। यह पता नहीं चल पाया है कि विस्फोट किस वजह से हुआ। बताया जा रहा है कि यह कार क्रेमलिन के प्रेसिडेंशियल प्रॉपर्टी

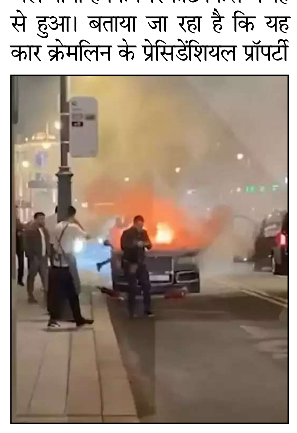

मैनेजमेंट डिपार्टमेंट की है।उल्लेखनीय है कि ऑरस लिमोजिन कार को खासतौर से पुतिन के लिए बनाया गया है। इसका डिजाइन रूस की कंपनी एनएएमआई ने तैयार किया है। इस मॉडल को रूस की सेंट्रल साइंटिफिक रिसर्च ऑटोमोबाइल और ऑटोमोटिव इंजन इंस?टीट्यूट ने मिलकर विकसित किया है। यह कार 6,700 मि.मी. (6.70 मीटर) लंबी है और इसका वजन 2,700 किलोग्राम है। कार पूरी तरह बुलेट प्रूफ है और इस पर गोलियों या बम का जरा भी असर नहीं पड़ता। चाहे गाड़ी पर बम फेंके या जमीन में रखकर विस्फोट किया जाए, यह कार नीचे से ऊपर तक पूरी तरह सेफ है। कार में सेल्फ कंटेन ऑक्सीजन सप्लाई सिस्टम है। टायर फ्लैट रबर से बने हैं। कार के अंदर ही सिक्योर लाइन कम्युनिकेशन सिस्टम है, जो दुनिया में कहीं भी बात करने की सुविधा देता है। यह कार कई तरह के घातक हथियारों से लैस है। इसके फीचर इस कार को एक बंकर में तबदील कर देते हैं।

बलूचिस्तान में आत्मघाती हमला, बाल-बाल बचे बलूच नेता और कार्यकर्ता

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एक आत्मघाती हमलावर ने धरना स्थल पर खुद को उड़ा लिया। इस दौरान बलूचिस्तान नेशनल पार्टी-मेंगल (बीएनपी-एम) के प्रमुख सरदार अख्तर मेंगल और उनकी पार्टी के कार्यकर्ता बाल-बाल बच गए। हालांकि, विस्फोट में चार कार्यकर्ताओं के घायल होने की खबर है। बीएनपी-एम प्रमुख सरदार मेंगल बलूच यकजेहती समिति (बीवाईसी) के नेता डॉ महरंग बलूच की गिरफ्तारी के खिलाफ वाध से क्वेटा तक मार्च का नेतृत्व कर रहे थे।

म्यांमार में भूकंप के बाद का बाद का मंजर खौफनाक, मांडले में मलबे में दबे लोगों के जीवत होने की उम्मीद क्षीण

एजेंसी

नाएप्यीडॉ (म्यांमार)। म्यांमार के मांडले शहर में भूकंप के बाद तबाही का मंजर खौफनाक है। समय गुजरने के साथ मलबे में दबे लोगों के जीवित होने की उम्मीदें कम होती जा रही हैं। म्यांमार और पड़ोसी थाईलैंड में आए शक्तिशाली भूकंप में कम से कम 1,700 लोगों की मौत हो चुकी है। भूकंप के बाद की तीसरी रात लोगों ने खुले में सोकर बिताई। मांडले में सोमवार सुबह राहत और बचाव कार्य बेहद धीमी गति से शुरू हुआ है। यहां बहुत सूरज आसमान से आग बरसा रहा है। सवेरे का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। बैंकॉक पोस्ट अखबार की खबर के अनुसार, मांडले में चिपचिपी गर्मी ने बचाव कर्मियों को थका दिया है। शवों के सड़ने से उनकी पहचान करना मुश्किल हो सकता है। राहत और बचाव कर्मचारियों ने रविवार शाम मांडले में 55 घंटे से ज्यादा समय से मलबे में फंसी एक जीवित गर्भवती महिला को निकालने की कोशिश

की। उन्होंने उसे निकालने के लिए उसका पैर काटा, लेकिन बाहर निकालने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया गया। इस बीच, आज सुबह ईद-उल-फितर की नमाज के लिए लोग शहर की एक नष्ट हो चुकी मस्जिद के पास इकट्ठा हुए। आज यहां सैकड़ों लोगों का सामूहिक अंतिम संस्कार होने की उम्मीद है। शुक्रवार दोपहर को मांडले के पास 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था। इसके कुछ मिनट बाद 6.7 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के झटकों से इमारतें ढह गईं। पुल गिर गए और सड़कें उखड़ गईं। भूकंप से मध्य म्यांमार में सबसे अधिक तबाही हुई है। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेडक्रॉस और रेड क्रिसेंट सोसाइटीज ने पीड़ितों की मदद के लिए 100 मिलियन से अधिक लोगों के लिए आपातकालीन सेवा शुरू की। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक मांडले से लगभग 1,000 किलोमीटर दूर है। बैंकॉके में शुक्रवार को भूकंप के समय निर्माणाधीन इमारत ढह गई थी। इसके मलबे करीब 78 लोगों के दबे होने की आशंका है। आज यहां हुई बारिश की वजह से राहत और बचाव कार्य को बंद कर दिया गया है। ढही हुई इमारतों के मलबे में जीवन के संकेतों की तलाश के लिए खोजी कुत्तों और थर्मल इमेजिंग ड्रोन को तैनात किया गया है। उल्लेखनीय है कि मांडले म्यांमार का दूसरा सबसे बड़ा शहर है। इरावदी नदी के पूर्वी तट पर स्थित इस शहर की जनसंख्या 1,225,553 (2014 की जनगणना) है।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने चैत्र नवरात्रे के दूसरे दिन परिवार सहित माता के दरबार में पूजा अर्चना कर महामायी का लिया आशीर्वाद

चंडीगढ़, 31 मार्च। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने चैत्र नवरात्रे के दूसरे दिन परिवार सहित माता मनसा देवी पहुचंकर माता के दरबार में माथा टेका व पूजा अर्चना कर महामायी का आशीर्वाद लिया। इसके उपरांत मुख्यमंत्री ने यज्ञशाला पहुंचकर हवन किया व हवन में आहुति डाली। अवसर पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुमन सैनी व बेटे विनय सैनी ने भी माता का आर्शीवाद लिया। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेशवासियों को चैत्र नवरात्र की बधाई व शुभकामनाएं दी। उन्होने कहा कि उन्होने महामायी से हरियाणावासियों के सुख और समृद्धि की प्रार्थना की है। इस अवसर पर विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद गुप्ता, श्रीमती बंतो कटारिया सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

हत्या के मामले में पकड़े गए तीन आरोपित

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर इलाके में ईद की खरीदारी करने निकले युवक की चाकू घोपकर हत्या के मामले में पुलिस ने दो नाबालिग समेत तीन लोगों को पकड़ा है। पकड़े गए बालिग आरोपित की पहचान शेख प्यारे (18) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से अपराध में इस्तेमाल एक चाकू और मृतक का मोबाइल फोन बरामद किया है। पूछताछ में आरोपितों ने अपना अपराध स्वीकार किया। जांच के दौरान खुलासा हुआ है कि आरोपित और मृतक एक-दूसरे को पहले से जानते थे और उनका मृतक के साथ कुछ पैसों का विवाद था।उत्तर-पूर्वी जिले के डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि बजे पुलिस को सूचना मिली कि न्यू उस्मानपुर में दुर्गा मंदिर पार्क में एक युवक को चाकू मार दिया गया है। पुलिस मौके पर पहुंची। घायल को जग प्रवेश चंद अस्पताल भेजा गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस घटना स्थल पर पहुंची। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि दिलशाद परिवार के साथ गली नंबर-13, शास्त्री पार्क में रहता था। परिवार में माता-पिता के अलावा तीन बहनें व दो भाई हैं। दिलशाद बाजार में बच्चों के खिलौने बेचने का काम करता था। पिछले कुछ दिनों से इसके पिता अजमेर गए हुए हैं। के समय दिलशाद बड़ी बहन से कपड़े खरीदने के लिए दो हजार रुपये लेकर निकला था। इस बीच रास्ते में अज्ञात बदमाशों ने चाकू से वारकर उसकी हत्या कर दी।

डकैती के मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने वर्ष 2015 में मानसरोवर पार्क इलाके में हुई डकैती के मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान आकाश उर्फ प्रेम (28) के रूप में हुई है। 24 फरवरी 2025 को कड़कड़डूमा कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित किया था। पुलिस काफी समय से इसकी तलाश कर रही थी। क्राइम ब्रांच के डीसीपी विक्रम सिंह ने बताया कि आकाश के खिलाफ 9 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वर्ष 2015 में इसने अपने साथियों के साथ मिलकर एक कारोबारी के यहां 30 लाख रुपये की डकैती डाली थी। तभी से पुलिस को इसकी तलाश थी। जांच में पता चला है कि इसका भाई विकास भी बदमाश है। उसके खिलाफ 10 मामले दर्ज हैं। डीसीपी के अनुसार उनकी टीम भगोड़ों की तलाश कर रही थी। इस बीच क्राइम ब्रांच की टीम को आरोपित आकाश उर्फ प्रेम के भगोड़े होने का पता चला। फौरन उसकी जानकारी जुटाना शुरू कर दिया गया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपित बार-बार अपना ठिकाना बदल रहा है। जानकारी जुटाने के बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने बीती देर रात आरोपित को गिरफ्तार किया। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराई, दो की मौत

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के नारायणा इलाके में एक तेज रफ्तार कार पेड़ से टकरा गई। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचान लक्षित नेगी और यश वर्मा के रूप में हुई है। जबकि घायल यश गुप्ता और हिमांशु का अस्पताल में उपचार चल रहा है। नारायणा पुलिस मामला दर्ज कर घटना की जांच कर रही है। पश्चिमी जिले के डीसीपी विचित्र वीर के अनुसार बीती देर रात 2:45 बजे पुलिस को सूचना मिली कि नारायणा इलाके में तेज रफ्तार सियाज कार एक पेड़ से टकरा गई है। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कार में चार लोग घायल हालत में पड़े हुए है। पुलिस ने सभी को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने लक्षित नेगी और यश वर्मा को मृत घोषित कर दिया। लक्षित का निजी कारोबार है पुलिस के अनुसार सभी लोग हरि नगर इलाके के रहने वाले हैं। फिलहाल पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर मामले की जांच कर रही है।

नवरात्रि के दौरान सीएम रेखा गुप्ता से मीट दुकानें बन्द कराने की अपील कीः चरणजीव मल्होत्रा

नई दिल्ली। गौ माता को राष्ट्रमाता की मांग करने वाले प्रख्यात सामाजसेवी और कोरोना योद्धा चरणजीव मल्होत्रा ने कहा कि ईश्वर के द्वारा संचालित इस सृष्टि में प्रकृति की बड़ी भूमिका है और प्रकृति के परिवर्तन के साथ ही जो नयापन प्रकट होता है इसी से हम नवीनता की शुरुआत करते हैं। सेवा के संकल्प के साथ सदा तैयार रहना चाहिये। हमारा नव वर्ष बहुत ही वैज्ञानिक है ऋतुओं का सीधा-सीधा प्रभाव हमारे स्वास्थ्य और मन पर पड़ता है। चैत का महीना नव वर्ष की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म प्रकृति आधारित और वैज्ञानिक है। हम एक दूसरे से उत्साह के साथ मिलते हैं प्रकृति हमें प्रेरित करती है, वही हमें ताजा बनाए रखती है। हमारा नव वर्ष आध्यात्मिकता से भरा हुआ है। चैत्र के शुभ नवरात्रों के अवसर पर आप सभी को कोटि- कोटि बधाई दी। इसी दिन विक्रमी सम्वत् 2082 यानी हिन्दू वर्ष नव सम्वत्सर 2025 आरम्भ हो गया है। नवरात्रों और हिन्दू नववर्ष की शुरूआत एक साथ हो गया है। यह एक बहुत शुभ आगाज है। सनातन धर्म यह हमारे देश की संस्कृति ही है कि हम हर किसी के लिए सब कुछ शुभ होने के दुआएं करते हैं। सही मायनों में यही हमारा सनातन धर्म है जो हमें दुनिया में सबके कल्याण की भावना से जो ?ती है। नवरात्रों के मौके पर मल्होत्रा ने कहा कि पवित्र और भक्तिमय रहने की एक संस्कृति हमारे सनातन का ही हिस्सा है। यह सनातन पूरे भारत वर्ष की संस्कृति की पहचान है और पूरी दुनिया ने इसे स्वीकार किया है। इसलिए जात-पात-मजहब से भी ऊपर उठ कर देखना चाहिए। नवरात्रों जहां हर क्षेत्र में उन्नति अर्थात वृद्धि का शुभ संदेश लाते हैं वहीं लोग नवरात्रों को आर्थिक दृष्टिकोण से भी लाभकारी मानते हैं। फिर भी नवरात्रे साम्प्रदायिक सद्भाव में वृद्धि लाते हैं और इसकी आज के समय में सबसे ज्यादा जरूरत भी है। हिंदू धर्म में नवरात्रि के पर्व का विशेष महत्व होता है। सालभर में कुल 4 नवरात्रि होते हैं, जिसमें चैत्र और शारदीय नवरात्रि का विशेष महत्व होता है। नवरात्रि पर देवी दुर्गा के नौ अलग-अलग स्वरूपों की पूजा आराधना करने का विधान होता है। मां दुर्गा के भक्त मां को प्रसन्न करने के लिए नौ दिनों तक उपवास रखते हैं और सुबह-शाम मां की आराधना करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मां दुर्गा नवरात्रि के नौ दिनों तक पृथ्वीलोक पर निवास करती हैं और अपने भक्तों की पूजा-आराधना से प्रसन्न होकर कष्टों को दूर करती हैं। वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार देवी दुर्गा कुछ राशियों पर हमेशा अपनी विशेष कृपा दृष्टि रखती हैं। सभी 12 राशियों में कुछ राशियां देवी दुर्गा को बहुत ही प्रिय होती हैं। मल्होत्रा ने बताया कि इस बार दिल्ली सरकार ने दिल्ली विधानसभा में लावारिस गायों की स्थिति को लेकर चर्चा हुई। सरकार की ओर से इस विषय पर एक सशक्त कानून लाएगी। उन्होने आगे कहा कि गौमाता को क्रूरता और प्रताड़ना से बचाने के लिए सरकार एक कठोर कानून बनाएगी। यह प्रस्ताव सिर्फ गायों की सुरक्षा से ही नहीं, बल्कि पूरा देश और दिल्ली की जनता की भावनाओं से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने बताया कि गायों को लावारिस छोड़ने वालों पर कानूनी कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि सरकार गौमाता की उचित देखभाल और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली में नई गौशालाओं का निर्माण करेगी। और उन्होने ने कहा कि मंदिरों के पास-पास रास्ते या गलियारों में मीट की दुकाने खुले रहने से सनातन धर्म के भक्तों को आस्था पर ठेस पहुँचता है क्योंकि सनातन धर्म में सभी जीव-जन्तु एवं प्रकृति को एक ही परिवार माना गया है। इसलिए नवरात्रि के दौरान सीएम रेखा गुप्ता से मंदिरों के आसपास मीट की दुकानें बन्द कराने अपील की है।

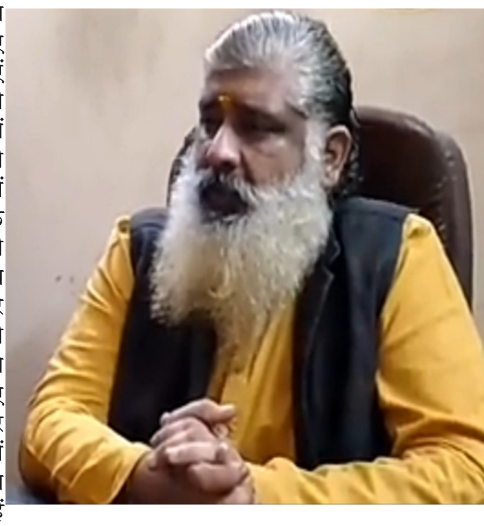

पर्यावरण संरक्षण पर अन्य देशों को साथ लेकर काम करें विकसित देश : उपराष्ट्रपति

एजेंसी
नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में पर्यावरण पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण के मुद्दे पर विकसित देश खुद को अलग नहीं कर सकते। उन्हें ऐसे मॉडल को अपनाना चाहिए जिससे धरती का स्वास्थ्य, मानव समृद्धि और कल्याण होउन्होंने कहा, पर्यावरण के मुद्दे पर विकसित देश खुद को यह मानते हुए अलग नहीं कर सकते कि उनके पास एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र उत्पन्न करने के लिए तकनीकी साधन हैं। यह कुछ वर्षों तक रह सकता है लेकिन हमेशा के लिए नहीं। यदि वे वैश्विक समुदाय के साथ शामिल नहीं होते हैं तो उनके लिए खतरा सामने खड़ा है।उपराष्ट्रपति ने कहा

कि पर्यावरण न्याय अक्सर देरी, अस्वीकार करने, निपटान करने और उलझा देने के कुचक्र का शिकार है, जिसे तोड़ा जाना चाहिए। उन्हें खुशी है कि एनजीटी सभी मोर्चों पर संवेदनशीलता से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञ राय की उपलब्धता में विशेषज्ञ संस्था के काम करने से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में होने वाली देरी कम होती है। भोपाल गैस लीक मामले का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि अब भी इससे जुड़े पाठ हम सीख रहे हैं। यह पर्यावरण से जुड़ी बड़ी लापरवाही थी। 2015 में 30 साल के अंतराल के बाद मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्रीवास्तव ने पीड़ितों को मुआवजे का निपटारा किया। हमारे पास तब एनजीटी या एक नियामक संस्था नहीं थी।

मैथिली मृणालिनी की जीत छात्र राजनीति में महिला सशक्तीकरण की मिसाल बनेगीः अभाविप

एजेंसी
नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की उम्मीदवार मैथिली मृणालिनी ने पटना विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में अध्यक्ष पद जीतकर इतिहास रचा है। पटना विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार किसी छात्रा ने अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की है। मैथिली ने 603 मतों के अंतर से भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के उम्मीदवार मनोरंजन कुमार राजा को हराया। मैथिली को कुल 3,524 मत मिले।अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि परिषद ने सदैव छात्र हितों की रक्षा और नेतृत्व के विकास को प्राथमिकता दी है। मैथिली मृणालिनी की यह जीत केवल पटना विश्वविद्यालय तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे देश में छात्र राजनीति में महिला

सशक्तीकरण की एक प्रेरणादायक मिसाल बनेगी। अभाविप का उद्देश्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि छात्र राजनीति को सकारात्मक दिशा में ले जाना है। यह विजय छात्रों के विश्वास, परिश्रम और संकल्प की जीत है। उल्लेखनीय है कि पटना विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव को लेकर शनिवार को मतदान कराए गए। मतदान सुबह आठ से दोपहर दो बजे तक चला और देर रात नतीजों की घोषणा की गई। 1974 में जब पहली बार पटना विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव आयोजित हुआ था, तब से लेकर अब तक किसी भी छात्रा को इस पद पर चुने जाने का अवसर नहीं मिला था।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम मोदी समेत तमाम नेताओं ने देशवासियों को दी ईद की मुबारकबाद

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पीएम मोदी सहित कई प्रमुख नेताओं ने देशवासियों को ईद-उल-फितर की मुबारकबाद दी। कामना की कि ईद सबके जीवन में सुख, समृद्धि और खुशियां लेकर आए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर लिखा, ईद-उल-फितर के मुबारक मौके पर सभी देशवासियों, विशेष रूप से मुस्लिम भाइयों और बहनों को बधाई। यह त्योहार भाईचारे की भावना को मजबूत बनाता है तथा करुणा-भाव और दान की प्रवृत्ति को अपनाने का संदेश देता है। मैं कामना करती हूं कि यह पर्व सभी के जीवन में शांति, समृद्धि और खुशियां लेकर आए तथा सबके दिलों में नेकी के रास्ते पर आगे बढ़ने के जज़्बे को मजबूत बनाए।पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर लिखा, ईद-उल-फितर की बधाई। यह त्योहार हमारे समाज में आशा, सद्भाव और दयालुता की भावना को बढ़ाए। आपके सभी प्रयासों में खुशी और

सफलता मिले। ईद मुबारक! वहीं उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने एक्स पर बधाई देते हुए लिखा, ईद-उल-फितर के शुभ अवसर पर मैं अपने देश के सभी नागरिकों को हार्दिक बधाई देता हूं। ईद हमें अपनी सांस्कृतिक विविधता और हमें एकजुट करने वाले साझा बंधनों से मिलने वाली शक्ति की याद दिलाती है। इस पवित्र दिन का सार केवल उत्सव मनाने से कहीं बढ़कर है; यह एकता, करुणा और आपसी सम्मान के संवैधानिक आदर्शों को दर्शाता है जो हमारे लोकतंत्र की आधारशिला हैं। ईद की भावना हमें उन मूल्यों के प्रति खुद को फिर से प्रतिबद्ध करने के लिए प्रेरित करे जो हमारे आगे के मार्ग को रोशन करते हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पोस्ट पर लिखा, ईद-उल-फितर की हार्दिक शुभकामनाएं। यह त्योहार सभी के लिए सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए। आशा है कि यह दिन पूरे समाज में सद्भाव और भाईचारे के बंधन को और मजबूत करेगा। ईद मुबारक! वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पोस्ट पर लिखा, ईद-उल-फितर के इस खुशी भरे अवसर पर मैं अपने साथी नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। ईद हम सभी के बीच भाईचारे, करुणा और साझा करने की भावना को गहराई से जगाती है और हमारे लोगों को एकजुट करने वाले बहुलवादी बंधन को मजबूत करती है। आइए हम इन उत्सवों से सभी के लिए समृद्धि और सौहार्द का युग शुरू करें। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट पर लिखा, ईद मुबारक! यह खुशी का अवसर आपके और आपके प्रियजनों के लिए शांति, खुशी, समृद्धि और अच्छा स्वास्थ्य लेकर आए।

दीयों की दूधिया रोशनी से नहायेगा दिल्ली विधानसभा, कैलाशा बैंड की धून पर झूमेंगे लोग

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा हिंदू नववर्ष के मौके पर 30 मार्च को दीयों की दूधिया रोशनी से जगमग होगा और प्रसिद्ध गायक एवं गीतकार कैलाश खेर और कैलासा बैंड शानदार प्रस्तुतियों से लोगों को झूमने के लिए मजबूर करेगा। गौरतलब है कि 30 जनवरी को चैत्र मास के शुक्ल पक्ष का प्रतिपदा है और इस दिन ने हिंदू नववर्ष की शुरुआत होती है। इस साल दिल्ली सरकार के कला एवं संस्कृति विभाग ने चैत्र मास के शुक्ल के प्रतिपदा नव संवत्सर 'हिंदू नव वर्ष' को भव्य तरीके से मनाने का निर्णय लिया है।

NAME CHANGE
I hitherto known as Gyan chand alias Sonu Gola S/O Om Prakash, R/O HNO-105-106, F-2-Block, Mangol Puri, North West Delhi, Delhi - 110083,have changed my name and shall hereafter be known as Gyan chand.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sarasvati W/O Ramesh Chander,R/O House No-43, Sunar Wali Gali, Darya Pur Kalan, North West Delhi, Delhi - 110039,have changed my name and shall hereafter be known as Saraswati Devi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I PURAN CHAND JOSHI S/O HARIDUT JOSHI R/O K-165B, SECTOR 09 VIJAY NAGAR BAJARIYA GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201001 declare that name of mine and my father have been wrongly written as PURAN CHAND and HARI DUTT in my service record. The actual name of mine and my father are PURAN CHAND JOSHI and HARIDUT JOSHI respectively which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, GAURAV GARG S/O PRABHAT CHAND GARG R/O Geeta Enclave, Muzaffarnagar, Muzaffarnagar Uttar Pradesh-251001 declare that the name of my wife has been wrongly written as PURNIMA GARG in my minor daughter TAMANNA GARG aged 14 years in her school Records. The actual name of my wife is POOJA GARG respectively which may be amended accordingly.s

DATE OF BIRTH CHANGE
I, No-15815198P, Rank-HAV/CLK (IM) Name-SUMESH KUMAR R/o VPO-PATHARWA, TEHSIL & DIST-MAHENDRAGARH, HARYANA-123024, in my service records my wife's (SHASHIKALA) date of birth wrongly mentioned as 05/12/1992 instead of her correct date of birth as 05/10/1992 vide Affidavit dated 31/03/2025 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Shabnam purchasing Freehold Residential Double Storey Built-up Property Bearing No. A-3//110 area measuring 50 Sq. Yds. out of Khasra No.76/1 Situated in the area of Village Hastsal Delhi State Delhi Colony Known as Dal Mill Road Uttam Nagar New Delhi. from Mrs. Tripat Kaur, Mrs. Guneet Kaur & Mr. Manpreet Singh., initially Mrs. Tripat Kaur W/o Mr. Randip Singh & Mr. Randip Singh are the jointly owned by virtue of Notarized GPA, ATS and Regd. WILL dated 28.11.2008, thereafter Mr. Randip Singh died on 23.01.2025, and same property sold to be Mrs. Shabnam our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, which is to be financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Laxmi Nagar, Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I hitherto known as SUDHAKAR S/o VISHVESHWAR DAYAL R/o 216D, Pocket-B, Mayur Vihar Phase-II, Delhi-110091, have changed my name and shall hereafter be known as SUDHAKAR BHARDWAJ, for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, BIMLA DEVI W/o JAI PRAKASH, R/o H.No. 1068, Gali No.9, Merrut Road, Sewa Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201001, declare that name of mine and my Husband have been wrongly written as VIMALA DEVI and JAY PRKASH in my Aadhar Card No. 2590 2463 6183. The actual name of mine and my Husband are BIMLA DEVI and JAI PRAKASH, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, P SHANMUGAM is legally father of No. 14648371N Rank- HAV Name- S KOLLAYIRAM, R/o VILLAGE-ALATHURANPATTY, POST – KANNIVADI, DISTT-DINDIGUL, STATE- TAMIL NADU, PIN – 624705 have changed my name from P SHANMUGAM to SHANMUGAM PALANIVEL for all future purposes. Vide Affidavit Dated 24/03/2025 Before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I, No. JC-858597A Rank- NB SUB (DS) Name- RATHAN DAN, S/O MAHA DAN, 325 LT AD REGT (COMP) R/o VILLAGE-KAJOI, POST-SWAMIJI KI DHANI, TEH-POKRAN, DIST-JAISALMER, STATE-RAJASTHAN, PIN-345025 have changed my minor daughter name from KHUSHBU to KHUSHBU CHARAN for all future purposes. Vide Affidavit Dated 31/03/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, AKSHANSH SINGH RAWAT S/o DARSHAN SINGH RAWAT Residing at House No. 1889, Janta Flat, GTB Enclave, Dilshad Garden, Nand Nagri, PO Nand Nagri, Dist: Shahdara, Delhi - 110093, declare that the name of my Mother have been wrongly written as SHASHI SINGH RAWAT in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my Mother is SHASHI RAWAT respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I TAJIT KAUR W/O GURDEEP SINGH SAHNI R/O 2507 PUNJABI BASTI SABZI MANDI MALKA GANJ NORTH DELHI 110007 HAVE CHANGED MY NAME TO TAJEET KAUR SAHNI FOR ALL FUTURE PURPOSE

PUBLIC NOTICE
It is general information that I Jagdish S/O: Roopan, R/O House No-91, Rani Khera, Rani Khera, PO: Rani Khera, DIST: North West Delhi, Delhi-11008, declare that name of my wife has been wrongly written as Sheela Devi in my PPO NO RZ/2014/JULY/Hart/SAP/145.The actual name of my wife is SHUSHILA DEVI,which may be amended by

NAME CHANGE
I, Subhash Chand, S/O Chater Singh R/O 439, village-khera dharam pura,VTC: Chhapraula,PO: Chhaprola, Sub District: Dadri, District: Gautam Buddha Nagar,State: Uttar Pradesh, -201009,have changed the name of my minor son namely Kavya Mavi aged 16 years and he shall hereafter be known as Kabir Mavi.

NAME CHANGE
I, PARIMALA SELVI Spouse of No 14648157L Rank HAV Name C GNANA JEHAN R/o 5/143, SOUTH KARUMPUTTUR, VTC: THAMARAI KULAM, PO- THAMARAI KULAM, TAMILNADU-629704, have changed my name from PARIMALA SELVI to C PARIMALA SELVI for all future purposes. Vide Affidavit Dated 29/03/2025 before Notary Public Bangalore.

NAME CHANGE
I DIPTESHWAR KAUR ARORA W/O MANPREET SINGH R/O J7/18 RAJOURI GARDEN WEST DELHI 110027 HAVE CHANGED MY NAME TO DIPTESHWAR KAUR FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I MANPREET SINGH TALWAR S/O IQBAL SINGH R/O J7/18 RAJOURI GARDEN WEST DELHI 110027 HAVE CHANGED MY NAME TO MANPREET SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I hitherto known as RAMA KANT alias RADHA SWAMI S/O GIRRAJ SINGH R/O Aundh Karkaouli, Karkoli, PO: Karkoli, DIST: Agra, Uttar Pradesh - 283123 have changed my name and shall hereafter be known as RADHA SWAMI

NAME CHANGE
I, ADITI W/O CHANDAN KUMAR THAKUR R/O FLAT NO-F3-21,SECOND FLOOR,BLOCK-F CLUSTER-1, SECTOR-E POCKET-1 VASANT KUNJ, South West Delhi, 110070 have changed my name to JHA ADITI ARUNKUMAR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, PARVATHI is legally mother of No. 14648371N Rank- HAV Name- S KOLLAYIRAM, R/o VILLAGE-ALATHURANPATTY, POST – KANNIVADI, DISTT- DINDIGUL, STATE- TAMIL NADU, PIN – 624705 have changed my name from PARVATHI to PARVATHI SANMUGAM for all future purposes. Vide Affidavit Dated 24/03/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I, RASHMITA DASH Wife of JC-733063P Rank-SUB Name-PRATAP KUMAR DASH Presently residing at VILL-KUJAHALA, PO- KUJAHALA, TEH-JAJPUR, DIST-JAJPUR, ODISHA-755017, have changed my name from RASHMITA DASH to RASMITA DASH for all future purposes and in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 17/08/1975 instead of my correct date of birth as 17/06/1975 vide Affidavit dated 17/03/2025 before Sub Divisional Magistrate, JODHPUR.

NAME CHANGE
I hitherto known as AMBIKA DEVI P alias AMBIKA DEVI POTTEKKAT, D/o VINOD KUMAR, R/o C-28/S-4, Keshav Kunj Apartment, Near Shiv Chowk, Shalimar Garden Extn.-2, Sahibabad, District: Ghaziabad, State: Uttar Pradesh-201005, have changed my name and shall hereafter be known as AMBIKA MENON.

NAME CHANGE
I, Isha Bhairma D/O Sudesh Dutta W/O Satyakam Bhairma R/O House no 11, Block - E Sec 51 Noida Gautam Budha Nagar Uttar Pradesh 201301 Have changed my name to Isha Dutta Bhairma for all future purposes.

NAME CHANGE
I, RASHMI MITTAL W/o VIKAS MITTAL Residing at B-32, Ground Floor, Gagan Enclave, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh – 201001 have changed the name of my minor Son MANIT MITTAL aged 16 years and he shall hereafter be known as YUV MITTAL.

NAME CHANGE
I,Kundan s/o. swaroop singh R/o gali no 2 jeetpur rawali road muradnagar.ghaziabad 201206 Have changed my name Kundan to Kundan singh for all future purposes.

NAME CHANGE
I, HEERA KALRA W/O CHAMAN LAL KALRA residence of A - 56 FIRST FLOOR DOUBLE STOREY KALKAJI DELHI-110019 have changed my name to HIRA KALRA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, No. 15707626Y Rank-L/HAV Name-PRANAY SINHA RAY Presently residing at UTTAR SONAPUR, ALIPURDUAR, VTC-PANCHKOL GURI, PO-PANCHKOLGURI, SUB DIST-ALIPURDUAR-I, DIST-JALPAIGURI, WEST BENGAL-736121, have changed my wife's name from JUHI SINHA RAY to JUHI BARMAN for all future purposes vide Affidavit dated 31/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-313511F Rank-SUB Name-A BALASUBRAMANIAN residing at DOOR NO-2/99, AVUR, VILL-MALVARPATTI, TEHSIL-VEDASANDUR, DIST-DINDIGUL, TAMIL NADU-624709, have changed my name from A BALASUBRAMANIAN to P BALASUBRAMANIAN for all future purposes vide Affidavit dated 31/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANTHONY Father of JC-313511F Rank-SUB Name-A BALASUBRAMANIAN residing at DOOR NO-2/99, AVUR, VILL-MALVARPATTI, TEHSIL-VEDASANDUR, DIST-DINDIGUL, TAMIL NADU-624709, have changed my name from ANTHONY to PALANIYAPPAN VAIYAPURI for all future purposes vide Affidavit dated 31/03/2025 before Notary Public, Delhi.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 सीआरपीसी देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **तसलीम, पुत्र शकील निवासी डी-333, शहीद नगर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, यूपी** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 193/2019 दिनांक 25.11.2019 भा.द.सं. की धारा 356/379/411/34 के तहत, थाना पटपरगंज इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **तसलीम** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **तसलीम** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 193/2019 दिनांक 25.11.2019 भा.द.सं. की धारा 356/379/411/34 के तहत, थाना पटपरगंज इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **तसलीम** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **26.07.2025** को या उससे पूर्व हाजिर हो।
आदेशानुसार
श्री पी. भार्गव राव
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-05, पूर्वी जिला
कमरा नं.03, कड़कड़डूमा कोर्ट्स, दिल्ली-110032
DP/3956/ED/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 Cr.P.C. देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **इमरान, पुत्रः समीउल्लाह, पताः म. नं. 969, शालीमार गार्डन, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 682/20, U/s 379/411 IPC, पुलिस थाना वेलकम, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **इमरान** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **इमरान** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 682/20, U/s 379/411 IPC, पुलिस थाना वेलकम, दिल्ली** के अभियुक्त **इमरान** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **03.05.2025** या इससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार
सुश्री दीपाक्षी राणा
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-03
शाहदरा, कमरा नं. 19
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली
DP/4007/NE/2025

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Smt. Shashi Devi & Sh. Deepchand in respect to Plot No. 30/2 New No. B354 area measuring 35 sq. yds. out of Khasra No. 401/1 in Gali No. 10 situated in Gagan Vihar village Brahmpur alias Bhopura Pargana Loni Tehsil & Distt. Ghaziabad U.P stating that Sh. Deepachand has undisputed ownership vide Gift deed dated 11.03.2025 , executed by Sh. Sunder Pal, Doc No. 2933 . If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan and Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Phone No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Anupam Verma & Deepak Verma in respect to L.I.G. Flat No. D-4, Third Floor with roof rights, covered area 400 sq. ft. i.e. 37.16 sq. mtrs, or 44.44 sq. yds. built on Plot No. S-52, in Block-C, Situated at Residential Colony Shalimar Garden Extension 2, in the Abadi of Village Pasonda, Pragana Loni, Tehsil and Distt. Ghaziabad, U.P. stating that Anupam Verma, Deepak Verma has undisputed ownership in property after the death of Smt. Veena verma who was owner vide sale deed dated 09.05.2017, Doc No. 2552. Now my client intends to sell the property in which Piramal Capital & Housing Finance Limited will provide the financial assistance. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan and Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Phone No: 011-49774545

टोल प्लाजा पर कार में 15 लाख की अफीम पकड़ी

सोनीपत। सोनीपत के खरखौदा में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नशा तस्करी का भंडाफोड़ किया है। केएमपी टोल प्लाजा के पास से पुलिस ने एक तस्कर को पकड़ा है। आरोपी के पास से शनिवार को तीन किलो चार ग्राम अफीम बरामद हुई है। इसकी कीमत करीब 15 लाख रुपए आंकी गई है। नारकोटिक्स सेल रोहतक के एएसआई संदीप के नेतृत्व में टीम ने मुखबिर की सूचना पर केएमपी टोल प्लाजा पर नाकाबंदी की थी। पुलिस ने एक सफेद वैगनआर कार को रोका। तलाशी में कार के डैशबोर्ड से 6 पारदर्शी मोमी थैलियों में अफीम बरामद हुई। पकड़े गए आरोपी की पहचान सोनीपत के गढ़ी ब्राह्मणान निवासी सचिन के रूप में हुई है। पूरी कार्रवाई एईटीओ संदीप पुनिया की मौजूदगी में की गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। अफीम के साथ कार भी जब्त कर ली गई है। खरखौदा थाना प्रभारी के अनुसार आरोपी से पूछताछ की जा रही है। अफीम की सप्लाई चेन और अन्य साथियों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने बरामद माल और वाहन को अपने कब्जे में ले लिया है। जल्द ही गिरोह के अन्य सदस्यों को भी गिरफ्तार किया जाएगा।

रोहतक में सतगामा खाप का फरमान,नहीं बजेगा डीजे

रोहतक। गांव बालंद में सतगामा खाप की अहम पंचायत हुई, जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। साथ सही सर्वसम्मति से राजकुमार नंबरदार फौजी को सतगामा का प्रधान भी बनाया गया। उन्होंने कहा कि जो जिम्मेदारी खाप ने उन्हें दी है, वह पूरी ईमानदारी से उसे निभाएंगे। साथ ही सामाजिक कुरीतियों व नशे के खिलाफ भी अभियान शुरू किया जाएगा। इस अवसर पर कादयान खाप के प्रधान देवेन्द्र सिंह कादयान ने बताया कि हुई सतगामा पंचायत में सर्वसम्मति से गांव में डीजे बजाने से परहेज करने और गांव व गुंहाड एव समग्रोत्र में प्रेम विवाह पर रोक और लिव इन रिलेशनशिप पर अंकुश लगाने का भी निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि खापो का अपना अलग इतिहास रहा है और खापों ने हमेशा सामाजिक भाईचारा बनाए रखने में सदा अहम भूमिका निभाई है, लेकिन आज जिस तरह से बदलते परिवेश में सामाजिक तानेबाने को तोडने् का काम किया जा रहा है, वह सरासर गलत है और इसी को लेकर अब सतगामा खाप ने हरियाणा की संस्कृति को बचाने के लिए एक विशेष अभियान की शुरूआत कर दी है। देवेन्द्र कादयान ने बताया कि हरियाणा की संस्कृति की पूरे विश्व में अलग पहचान है और इसी को कायम रखना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी भी है। अठगामा तपा वाल्मीकि समाज की महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें सर्वसम्मति से समाजसेवी राजबीर वाल्मीकि को प्रधान व पिंकी पहलवान भालौठ को उपप्रधान चुना गया।

जन-जन में साक्षरता की अलख जलाती 'उल्लास योजना'

नारनौल। समाज के सभी लोगों को आजीवन सीखने के उद्देश्य से 15 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए विभिन्न स्कूलों में उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम की परीक्षा का आयोजन किया गया। उल्लास कार्यक्रम भारत सरकार की एक योजना है जिसका मकसद देश को साक्षर बनाना है। इसे नव भारत साक्षरता कार्यक्रम भी कहा जाता है। इस योजना के जरिए 15 साल से अधिक उम्र के उन लोगों को पढ़ना-लिखना सिखाया जा रहा है, जो किसी वजह से स्कूल नहीं जा पाए। खंड शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा ने बताया कि नारनौल खंड में 62 परीक्षा केंद्र बनाए गए। उल्लास कार्यक्रम में देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 15 साल से अधिक उम्र के निरक्षरों को शामिल किया जा रहा है। इस योजना का मकसद समाज के सभी लोगों को आजीवन सीखने का मौका देना है। यह योजना केंद्र सरकार के 'कर्तव्य बोध' की भावना पर आधारित है। इसे स्वैच्छिक सेवा के जरिए लागू किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उल्लास कार्यक्रम के जरिए, बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान, जरूरी जीवन कौशल, व्यावसायिक कौशल, बुनियादी शिक्षा और सतत शिक्षा का विकास किया जा रहा है।

ईद-उल-फितर~ हरियाणा में ईद की नमाज अदा कर अमन-शांति की दुआ

चंडीगढ़। देश सहित हरियाणा में सोमवार को ईद-उल-फितर का पर्व धूमधाम से मनाया गया। हरियाणा के हर जिले और शहरों में मुस्लिम भाइयों ने ईद की नमाज अदा की। रोहतक में ईद पर्व धूमधाम से मनाया गया। सोमवार सुबह 7~15 बजे लाल मस्जिद समेत विभिन्न मस्जिदों में नमाज अदा की गई। इसके बाद एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की बधाई गई। साथ ही देश में अमन चैन व सुख शांति की कामना की। नमाज के समय मस्जिदों में अल्लाह की बारगाह में सैकड़ों सिर सजदे में झुके। नमाज अदा करने के लिए सुबह से ही मुस्लिम समाज के लोग मस्जिद पहुंचना शुरू हो गए। मस्जिद के इमाम ने कहा कि जरूरत पड़े तो अपनी खूबसूरत चीज अल्लाह के लिए कुर्बान करने में पीछे न रहें। किला रोड स्थित लाल मस्जिद में सुबह दो बार नमाज अदा की गई। चमेली मार्केट स्थित शीशे वाली मस्जिद व खोखराकोट स्थित नूरानी मस्जिद में भी बड़ी संख्या में समाज के लोग नमाज अदा करने पहुंचे। मौलाना इलियास इमाम ने बताया कि सोमवार को लाल मस्जिद में दो बार में नमाज अदा की गई। इसके बाद अमन चैन की दुआ कर एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी गई।

विश्व में धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र धाम के रूप में बनाएगा पहचानः सैनी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नव वर्ष नव सम्वत पर ब्रह्मसरोवर पर की महाआरती

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विश्व में धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र धाम के रूप में अपनी पहचान बनाएंगा। इस गीता स्थली पर बड़े स्तर पर धार्मिक, सामाजिक कार्यक्रमों के साथ-साथ देश व प्रदेश की संस्कृति से जुड़ी पौराणिक संस्कृति व विरासत को जोडक़र कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी देर सायं ब्रह्मसरोवर व जियो गीता व धार्मिक संस्थाओं के सहयोग से नव वर्ष व नव सम्वत पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार व गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद ने नव वर्ष नव सम्वत के आगमन पर ब्रह्मसरोवर पुरुषोत्तमपुरा बाग में महाआरती कर प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि के लिए कामना की है।इस महाआरती में स्वामी ज्ञानेश्वर महाराज, महेश मुनि महाराज, विधायक अशोक अरोड़ा, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने भाग लिया

और पूजा अर्चना की है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी गीता ज्ञानम संस्थानम में पहुंचे और यहां पर संस्थानम की तरफ से नव वर्ष पर ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेशवासियों को नवरात्रों व नव सम्वत की बधाई और शुभकामनाएं दी।

सरकार मैं खुद हूं, कोई शिकायत नहीं, कांग्रेस में संगठन नहीं, सिर्फ राहुल गांधी हैं - अनिल विज

एजेंसी

करनाल। हरियाणा सरकार में मंत्री अनिल विज अपनी बेबाक बयानबाजी और समय-समय पर सरकार के साथ नाराजगी को लेकर हमेशा सुर्खियों में बने रहते हैं। लेकिन, अब उन्होंने खुद साफ कर दिया है कि उनका किसी से कोई गिला-शिकवा नहीं है। उन्होंने कहा कि वह खुद सरकार हैं और मंत्री होते हुए उनकी कोई भी शिकायत का सवाल ही नहीं उठता। कर्ण लेक पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए अनिल विज ने कई अहम मुद्दों पर अपनी राय दी। गन कल्चर पर बात करते हुए उन्होंने इसे गलत बताया और कहा कि समाज में विकार आ रहे हैं। विज ने कहा कि हथियारों का प्रदर्शन समाज में हिंसा और डर का माहौल बनाता है, जिसे खत्म किया जाना चाहिए। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने को लेकर लगाए जा रहे कयासों पर अनिल विज ने कहा कि यह केंद्रीय नेतृत्व का मामला है और इस पर उनका कुछ कहने का अधिकार नहीं है। यह फैसला पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा लिया जाएगा और वह इस पर टिप्पणी करने के लिए अधिकृत नहीं हैं। ईडी की कार्रवाई को लेकर अनिल विज ने रॉबर्ड वाड्रा के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कुछ गलत

हुआ होगा तभी ईडी की जांच हो रही है। ईडी उन्हीं लोगों की जांच करती है, जिन्होंने गलत काम किया हो। यह जांच होने से निश्चित रूप से तकलीफ होती है, लेकिन यह व्यवस्था का हिस्सा है। राहुल गांधी द्वारा कुंभ मेले में भाग न लेने पर वाड्रा के बयान पर उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अपने आप को क्या समझते हैं? उन्होंने कहा कि जहां अन्य सभी मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री भी गए, वहां राहुल गांधी का न जाना समझ से परे है। उनका रवैया यह दर्शाता है कि वह स्वयं को दूसरों से कहीं ऊपर मानते हैं।कांग्रेस के प्रदेश स्तर पर संगठन नहीं बनने को लेकर अनिल विज ने कहा कि संगठन बनाने के लिए एक से अधिक व्यक्ति का होना जरूरी होता है। कांग्रेस में ऊपर से नीचे तक एक ही नेता है और वह नेता राहुल गांधी हैं। इसी वजह से कांग्रेस में प्रदेश स्तर पर कोई संगठन नहीं बन पा रहा है। हरियाणा में नेता प्रतिपक्ष का चुनाव न होने पर भी अनिल विज ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उनका कहना था कि कांग्रेस पार्टी निर्णय सही तरीके से लेने की स्थिति में नहीं है, और इस कारण वे नेता प्रतिपक्ष का चुनाव नहीं कर सके हैं। बजट सत्र पर अनिल विज ने कहा कि सभी को विधानसभा में अपना पक्ष रखने का अवसर मिला है और यह स्वस्थ प्रजातंत्र का प्रतीक है। उन्होंने यमुनानगर में 800 मेगावाट का थर्मल पावर प्लांट स्थापित करने की योजना का भी जिक्र किया। इसके अलावा, खेदड में भी एक और प्लांट लगाने की तैयारी चल रही है। विज ने कहा कि बिजली की खपत बढ़ने के कारण बिजली उत्पादन को बढ़ाया जा रहा है, ताकि लोगों को कोई दिक्कत न हो।

हरियाणा सहित पलवल में नॉन स्टॉप विकास का सिलसिला लगातार जारी : गौरव गौतम

युवा अधिकारिता मंत्री ने गांव लालपुर में 62 लाख रुपए की लागत से किया विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन

एजेंसी

पलवल। हरियाणा के युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता, खेल और कानून राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि भारत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह के कुशल नेतृत्व में केंद्र और प्रदेश सरकार युवाओं को खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के खिलाडिय़ों को सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाएं मिले, ताकि वे खेलों में और अधिक बेहतर प्रदर्शन करते हुए देश-प्रदेश का नाम रोशन कर सके। खेल मंत्री गौरव गौतम ने गांव लालपुर कदीम में आयोजित उद्घाटन समारोह में 62 लाख रुपए की लागत से बारात घर, टीन शेड, सामुदायिक भवन सहित अन्य विकास कार्यों का उद्घाटन करने उपरांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इन विकास कार्यों से गांव के लोगों को लाभ मिलेगा। उन्होंने युवा पीढ़ी से आह्वान किया कि वे खेलों में आगे आए। उन्होंने बुजुर्गों से आह्वान किया कि वे बच्चों को खेलों में आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करें और उन पर समय लगाए। उन्होंने कहा कि खेलने से बच्चों को अच्छा स्वास्थ्य मिलेगा और साथ ही वे नशे जैसी कुरीतियों से भी दूर रहेंगे ।

उन्होंने कहा कि बच्चों को खेलों में आगे लाने के लिए चंडीगढ़ से दिल्ली तक की पैरवी मैं आपके लिए करूंगा। उन्होंने गांव की फिरनी, शमशान घाट की चारदीवारी और 2 रास्तों को पक्का करने की घोषणा भी की। उन्होंने सरपंच द्वारा रखी गई मांगों को पूरा करवाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर खेल मंत्री का बुक्का भेंट कर, माला पहनाकर और 51 फुट लंबी पगड़ी बांध कर परंपरागत तरीके से भव्य स्वागत किया गया।

हरियाणा बना खेलों का पावर हाऊस : खेल मंत्री

खेल मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी भी खेल प्रतियोगिता की बात हो, ओलंपिक्स, कॉमनवेल्थ या एशियन गेम्स इन सभी खेलों में भारत देश को सर्वाधिक मेडल दिलाने में देश के करीब दो फीसदी आबादी वाले हरियाणा राज्य का अहम योगदान रहता है। वर्तमान में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा खेलों का पावर हाऊस बन चुका है। प्रदेश के खिलाड़ी ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप, एशियन व कामनवेल्थ खेलों में और अधिक पदक जीते इसलिए खिलाडिय़ों को और ज्यादा खेल सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। ग्रामीण आंचल में खिलाडिय़ों के हुनर को निखारने के लिए प्रदेश में खेल नर्सरी बनाई गईं। इतना ही नहीं गांव के लोगों की खेलों में रूचि बढ़े, इसके लिए खेल व्यायामशालाएं बनाई गई। खेल स्टेडियमों का सुधारीकरण किया जा रहा है। खेल मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश सहित पलवल जिला में नॉन स्टॉप विकास का सिलसिला लगातार जारी है। आने वाले पांच वर्षों में मानचित्र पर पलवल जिला अलग दिखाई देगा और इसकी अपनी अलग पहचान होगी। उन्होंने कहा कि सौंदर्यीकरण और स्वच्छता के मामले में पलवल को नंबर वन बनाएंगे, जिसके लिए उन्होंने आमजन सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने इस अवसर पर सभी को चैत्र नवरात्रि सहित हिंदू नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए खुशहाल जीवन की कामना की।

देश की सेवा में फौजियों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकताः किरण चौधरी

राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने प्रेक्षा विहार में आयोजित वीर नारी एवं पूर्व सैनिक सम्मान समारोह को किया संबोधित

एजेंसी

भिवानी। स्थानीय प्रेक्षा विहार में हरियाणा पूर्व सैनिक संघ जिला भिवानी व जिला चरखी दादरी के तत्वावधान में वीर नारी एवं पूर्व सैनिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। राज्यसभा सांसद किरण चौधरी सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। उन्होंने कहा कि देश की सेवा में फौजियों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। अमर शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों और देश की रक्षा करने वाले सैनिकों की बदोलत के चलते ही आज हम सुरक्षित हैं। राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने कहा कि वे भी एक फौजी की बेटी हैं और उनका खून मेरे रग-रग में भरा है। देश के निर्माण में और देश की सेवा में फौजियों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। सांसद किरण चौधरी ने कहा कि जिला भिवानी और चरखी दादरी के हर तीसरे घर में एक फौजी है। जब-जब देश को शहादत

की जरूरत हुई है तो हमारे जांबाज सैनिक सबसे आगे खड़े मिले हैं। सांसद किरण चौधरी ने संबोधन के दौरान उनके पिता ब्रिगेडियर आत्मा सिंह द्वारा बताई गई 1971 भारत पाक की लड़ाई में बदुरिया बटालियन के योगदान के बारे में भी उपस्थित सैनिक योद्धाओं को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि फौजियों का परिवार मेरा अपना परिवार है। वे एक फौजी की बेटी होने के नाते वीरांगनाओं की पीड़ाओं को नजदीक से समझती हैं। उन्होंने कहा कि फौजियों के परिवारों को कोई भी परेशानी नहीं होने दी जाएगी। उनकी हर समस्या का समाधान करवाया जाएगा। किरण चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित हाथों में है। श्री मोदी ने सबसे पहले वन रैंक-वन पेंशन लागू करके फौजियों को सम्मानित किया है। श्री मोदी बार्डर पर जाकर फौजी भाइयों के साथ दीपावली का त्योहार मनाते हैं। इसके अलावा फौजियों के लिए अनेक योजनाएं लागू की हैं। इसके साथ-साथ हरियाणा में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार गरीब, मजदूर, किसान सहित हर वर्ग की भलाई के लिए अनेक योजनाएं क्रियान्वित कर रही है। मुख्यमंत्री ने फौजियों को नौकरियों में विशेष छूट दी है। उनके बच्चों के लिए इस बजट में स्कॉलरशिप देने का भी प्रावधान किया है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने 106 वर्षीय शांति देवी, 103 वर्षीय कैप्टन अमी लाल सिंह, वीर चक्र अवार्डी की धर्मपत्नी गीता देवी, वीरांगना संतोष देवी, वीरांगना कृष्णा देवी, कारगिल शहीद वीरांगना सुनीता देवी, वेद कौर आर्य नगर, पूर्व सैनिकों का छोटी पंचायत के जनप्रतिनिधियों (सरपंच) और हरियाणा पूर्व सैनिक संघ के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया। हरियाणा पूर्व सैनिक संघ जिला भिवानी एवं चरखी दादरी के प्रतिनिधियों ने भी सांसद किरण चौधरी को पुष्प गुच्छ, स्मृति चिन्ह व शाल भेंट कर सम्मानित किया।

तीन दिन में 10 डिग्री गिरा तापमान

चंडीगढ़।पहाड़ क्षेत्रों में हुई बर्फबारी के बाद हरियाणा के तापमान में 10 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आई है। दिन का अधिकतम तापमान सामान्य से 4 डिग्री कम 29.4 दर्ज किया गया। वहीं, न्यूनतम तापमान सामान्य से 5.6 डिग्री कम 11.7 रहा। तीन दिन पहले अधिकतम तापमान 39 डिग्री के पार चला गया था। सुबह चली तेज हवाओं ने ठंडक का अहसास कराया। मौसम विभाग के अनुसार रविवार से तापमान में बढ़ोतरी शुरू हो जाएगी। इस बार मार्च महीने के आखिरी सप्ताह में तापमान में काफी गिरावट आई है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विभाग के अध्यक्ष डॉ. एमएल खीचड़ ने बताया कि जम्मू-कश्मीर, हिमाचल में हुई बर्फबारी का असर मैदानी क्षेत्रों में भी दिखाई दे रहा है। इस समय दिन का अधिकतम तापमान सामान्य तौर पर 33 से 34 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान सामान्य तौर पर 17 से 18 डिग्री बीच होना चाहिए।

सरकार पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए वचनबद्धः डॉ. अरविंद शर्मा

एजेंसी

रोहतक। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आमजन की सहूलियत को बढाने और उनके उत्थान की दिशा में निरन्तर बड़े कदम उठा रहे है और देश, प्रदेश और गांव के विकास के लिए भाजपा की सरकार बहुत जरूरी है। यह बात उन्होंने गांव गोरावड में सामुदायिक हाल का उद्घाटन करते हुए कही। उन्होंने कहा कि केन्द्र व प्रदेश की भाजपा सरकार पंक्ति में अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए वचनवद्ध है और इसी लिए देश और प्रदेश में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार लोगों ने बनाई है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पर लोगों को पूरा विश्वास है। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के चहुंमुखी विकास को रफ्तार देने के लिए 2 लाख 5 हजार 17 करोड रुपए का बजट पेश किया है और इस बजट में हर तबके की भलाई, हर वर्ग का उत्थान सुनिश्चित करने की सोच को मजबूत तरीके से रखा गया है। साथ ही महिलाओं के सम्मान को बढाने के लिए लाडो लक्ष्मी योजना के माध्यम से पांच हजार करोड रुपए बजट का आबंटन किया गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने चुनाव में जनता से जो वायदे किए है, वह हाल में पूरे किए जाएगे। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद रामचन्द्र जांगडा ने कहा कि भाजपा सरकार की कथनी व करनी में कोई अंतर नहीं है और सरकार निरन्तर जनहित मे काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा ऐतिहासिक फैसले लिए गए है, जिनकी आज दूसरे अन्य प्रदेश भी अनुसरण कर रहे है, जोकि अपने आप में एक मिशाल है। इस अवसर पर महंत सतीश दास, पूर्व सरपंच राजेश शर्मा, नरेन्द्र वत्स, महेश शर्मा, सन्दीप, सरपंच मुकेश, रमेश अत्री, मुकेश वशिष्ठ, धर्मबीर खत्री, मधुसूदन पहलवान, नन्दू शर्मा, आशीष बल्हारा, अंग्रेज राठी, अनिल जांगडा प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

वंचित समुदाय की न्याय तक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए तीन महत्वपूर्ण पहलों का जस्टिस संजीव बेरी ने किया शुभारम्भ

एजेंसी

गुरुग्राम। न्याय तक वंचित समुदायों की पहुंच को मजबूत करने के उद्देश्य से, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के जस्टिस संजीव बेरी ने आज जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गुरुग्राम की तीन महत्वपूर्ण कानूनी सहायता पहलों का शुभारंभ किया। इसके साथ ही जस्टिस बेरी ने भोंडसी स्थित जिला कारागार भी दौरा किया और बंदियों से बातचीत भी की। इस दौरान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुभाष मेहला भी मौजूद रहे। जस्टिस बेरी ने बंदियों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उनकी कानूनी समस्याओं और न्याय तक उनकी पहुंच में आने वाली बाधाओं को समझने का प्रयास किया। उनके द्वारा शुरू की तीन पहलों में पहली 'न्याय सेतु - बंदियों के लिए कानूनी सहायता सेतु~' था। यह दो महीने तक चलने वाला एक विशेष अभियान है, जिसका उद्देश्य बंदियों को न्यायिक प्रक्रिया से जोडने् के लिए एक व्यवस्थित और डेटा आधारित दृष्टिकोण अपनाना है। इस अनूठी पहल के तहत विशेष कानूनी सहायता दल जेल में बंदियों के साथ व्यक्तिगत बातचीत करेंगे, उनकी शुरू की गई है। यह क्लिनिक जेल के महिला वार्ड में स्थापित किया गया है, जहां एक विशेष महिला पैरा-लीगल स्वयंसेवी की नियुक्ति की गई है। यह केंद्र विशेष रूप से दिव्यांगजनों के लिए बनाया गया है, जहां उन्हें व्हीलचेयर सहायता, कानूनी परामर्श और अदालती प्रक्रियाओं में सहयोग

जमानत या अपील योग्य मामलों की पहचान करेंगे, आवश्यक दस्तावेज तैयार करेंगे और उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय की विधिक सेवा समितियों से समन्वय स्थापित कर प्रभावी कानूनी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करेंगे। दूसरी पहल 'संगिनी महिला बंदियों के लिए कानूनी सहायता क्लिनिक' के रूप में इसके अलावा, नियमित अंतराल पर महिला अधिवक्ताओं द्वारा भी वहां कानूनी सहायता प्रदान की जाएगी, ताकि महिला बंदियों को गोपनीय और संवेदनशील कानूनी सहायता मिल सके।

तीसरी पहल 'दिव्यांग न्याय सहायता केंद्र' के रूप में जिला न्यायालय परिसर में शुरू की गई है। प्रदान किया जाएगा। यह पहल न्याय प्रणाली को अधिक समावेशी और सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन तीनों पहलों का उद्देश्य संविधान के अनुच्छेद 39 की भावना को साकार करना और गुरुग्राम में कानूनी सहायता प्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं व्यापक बनाना है।

हरियाणा में 50 वर्षों से पुस्तकालयाध्यक्षों की नियुक्ति का अभाव

हरियाणा पुस्तकालय संघ ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा पुस्तकालय संघ ने प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी को एक महत्वपूर्ण ज्ञापन सौंपकर हरियाणा के सरकारी महाविद्यालयों, विद्यालयों और जन पुस्तकालयों में पुस्तकालय कर्मियों की तत्काल भर्ती की मांग की है। संघ के प्रतिनिधियों ने बताया कि हरियाणा के सरकारी महाविद्यालयों में पिछले 50 वर्षों से पुस्तकालयाध्यक्षों की सीधी भर्ती नहीं हुई है। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार द्वारा स्थापित विद्यालयों में भी पुस्तकालयाध्यक्षों की नियुक्ति प्रक्रिया वर्षों से लंबित है। उन्होंने बताया कि सरकारी संस्थानों में प्रतिवर्ष लाखों रुपयों की पुस्तकें खरीदी जाती हैं, परंतु उचित रखरखाव और योग्य पुस्तकालय कर्मियों के अभाव में इन पुस्तकालयों का लाभ विद्यार्थियों तक नहीं पहुँच पाता। संघ के सदस्यों ने चिंता व्यक्त की कि हरियाणा शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों में पुस्तकालयाध्यक्षों की नियुक्ति का कोई प्रावधान नहीं है, जबकि केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों, आरोही पब्लिक स्कूलों और सीबीएसई द्वारा मान्यता प्राप्त सभी विद्यालयों में प्रारंभिक स्तर से ही एक सुसंगठित पुस्तकालय, योग्य पुस्तकालयाध्यक्ष और अन्य पुस्तकालय कर्मचारियों की उपलब्धता अनिवार्य है। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में बढ़ते बेरोजगारी के मुद्दे पर प्रकाश डालते हुए संघ ने बताया कि बी.लिब, एम.लिब और नेट परीक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थी रोजगार के अवसरों की कमी से जूझ रहे हैं। उच्चतर शिक्षा विभाग ने इस क्षेत्र के योग्य उम्मीदवारों की अनदेखी करके उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। संघ ने यह भी उल्लेख किया कि पूर्व में पुस्तकालयाध्यक्षों की भर्ती की अधिसूचना जारी की गई थी, परंतु अभी तक परिणाम घोषित नहीं किए गए हैं। इसके अतिरिक्त ग्रामीण पुस्तकालयों को खोलने की घोषणा की गई थी, जो केवल घोषणा मात्र ही रह गई। इन पुस्तकालयों के लिए अभी तक कोई स्थान निर्धारित नहीं किया गया है, जबकि खरीदे गए कंप्यूटर और अन्य उपकरण जिला पुस्तकालयों में धूल फांक रहे हैं।

ग्राम पंचायत की जमीन के मुआवजा की मांग को लेकर पावर हाउस पर ग्रामीणों ने सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

एजेंसी

नारनौल। गांव शोभापुर के ग्रामीणों ने गांव के 33 केवी पावर हाउस पर बैठक कर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने पावर हाउस के लिए सरकार को जमीन दी थी, मगर आज तक उसकी रजिस्ट्री नहीं हुई है। जिसके कारण ग्राम पंचायत को 20 साल से मुआवजा नहीं मिला है। वहीं ग्रामीणों ने पावर हाउस पर दो लाइनमेनों की नियुक्ति की मांग भी की। ग्रामीण बिजेंद्र उर्फ बिल्लू पूर्व सरपंच, सतबीर पंच, हरिसिंह, महेंद्र सिंह, राजेश, कैप्टन वीरेंद्र सिंह, गजराज, इंद्र सिंह, राव गजराज, ब्रह्मप्रकाश, सुरेश शर्मा, मोनू, वासुदेव, पंकज, अमीलाल, सूबेदार सूबे सिंह और बाबूलाल ने बताया कि वर्ष 2005 में 2 एकड़ जमीन बिजली निगम को 33 केवी पावर हाउस के लिए अपनी उपजाऊ, चाही और कीमती जमीन दी थी। जिसकी निगम की उदासीनता के कारण आज तक रजिस्ट्री नहीं हो पाई है। आज भी राजस्व विभाग में यह जमीन पंचायत के नाम अंकित है। ग्रामीणों ने सरकार को आगाह करते हुए चेतावनी भी दी है कि यदि उन्हें उक्त जमीन का उचित मुआवजा नहीं दिया तो इसके गंभीर परिणाम होंगे, क्योंकि विभाग के कर्मचारी जानबूझ कर तंग करने के लिए आस पास के गांवों में छापामारी के नाम पर परेशान करते हैं, जबकि सब स्टेशन पर सुचारू काम करने के लिए विभाग के पास कर्मचारी नहीं है। ग्रामीणों ने कहा कि उक्त जमीन का उचित मुआवजा, छापेमारी के नाम पर नाहक परेशान करना बंद किया जाना चाहिए। निगम शोभापुर में दो लाइनमैनों की नियुक्ति नहीं करती है तो यहां पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा और इस जमीन पर विभाग के किसी कर्मचारियों को नहीं घुसने दिया जाएगा। इसे वापिस खेती की जमीन लायक बनाया जाएगा, ताकि पंचायत की आय हो सके। यदि ऐसा नहीं हुआ तो सरकार इसकी जिम्मेवार होगी, क्योंकि ग्रामीणों के अनेक बार अनुरोध पश्चात भी जमीन की रजिस्ट्री नहीं करवाई है।

राष्ट्रपति मुर्मु एक अप्रैल को आरबीआई के 90वें वर्ष के समापन समारोह में होंगी शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्टपति द्रौपदी मुर्मु एक अप्रैल को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के 90 वर्ष पूरे होने पर आयोजित समापन समारोह में शामिल होंगी। राष्टपति कार्यालय ने जारी एक बयान में कहा कि राष्टपति द्रौपदी मुर्मु 01 अप्रैल को रिजर्व बैंक के 90वें वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित समापन समारोह में सम्मिलित होंगी। बयान के मुताबिक राष्टपति द्रौपदी मुर्मु 31 मार्च से 01 अप्रैल 2025 तक महाराष्ट (मुंबई) की यात्रा पर रहेंगी। राष्टपति कार्यालय के मुताबिक राष्टपति द्रौपदी मुर्मु 31 मार्च की शाम मुंबई पहुंचेंगी। राष्टपति अगले दिन रिजर्व बैंक के 90वें वर्ष की स्मृति में आयोजित होने वाले समारोह के समापन सत्र में सम्मिलित होंगी।

12.75 लाख रुपये तक कमाई करमुक्त, एक अप्रैल से लागू होगी नई कर व्यवस्था

नई दिल्ली। नई कर व्यवस्था में नए स्लैब के तहत 12 लाख रुपये तक की सालाना आय पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। वेतनभोगी करदाताओं के लिए यह सीमा 75,000 रुपये के स्टैंडर्ड डिडक्शन के साथ 12.75 लाख रुपये तक हो जाएगी। 12 लाख रुपये की सीमा के ऊपर की आय पर टैक्स का भुगतान करना होगा। सरकार ने नई कर व्यवस्था में आयकर कानून की धारा-87ए के तहत छूट की सीमा को 25,000 रुपये से बढ़ाकर 60,000 रुपये कर दिया है। यह छूट सुनिश्चित करती है कि सालाना 12 लाख रुपये तक की कमाई पर करदाता के ऊपर कोई?टैक्स देनदारी नहीं बनेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट भाषण के मुताबिक, नई संशोधित कर व्यवस्था में सालाना 12 लाख कमाने वाले करदाताओं को टैक्स में 80,000 रुपये का फायदा होगा। सालाना 16 लाख रुपये कमाने वाले करदाता को 50,000 रुपये और 18 लाख रुपये की कमाईकरने वाले व्यक्ति को कर के मोर्चे पर 70,000 रुपये का फायदा होगा। 20 लाख रुपये की आय पर 90,000 रुपये, 25 लाख की कमाई पर 1.10 लाख रुपये और 50 लाख रुपये की सालाना आय वाले करदाता को कुल 1.10 लाख रुपये का कर लाभ होगा।

इंडिगो पर 944 करोड़ का जुर्माना; सीआईआई की रिपोर्ट- इन्फ्रा परियोजना में 15 फीसदी हरित स्थान जरूरी

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने इंडिगो पर 944.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। एयरलाइन ने इसे गलत बताया है। साथ ही इसे चुनौती देने की बात कही। इंडिगो ने कहा कि आयकर विभाग (आयकर प्राधिकरण) की मूल्यांकन इकाई ने वर्ष 2021-22 के लिए 944.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने का आदेश पारित किया है। यह आदेश इस गलत आधार पर पारित किया गया है कि आयकर आयुक्त (अपील) के मूल्यांकन आदेश के खिलाफ कंपनी द्वारा दायर अपील खारिज कर दी गई है, जबकि यह अभी भी बरकरार है और निर्णय लंबित है। कंपनी का कहना है कि आयकर प्राधिकरण द्वारा पारित आदेश कानून के अनुरूप नहीं है। वह इसका विरोध करेगी और आदेश के खिलाफ उचित कानूनी कदम उठाएगी।वोडाफोन-आइडिया की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया है कि 36,950 करोड़ रुपये के शेयरों का सरकार ने अधिग्रहण कर लिया है। इसी के साथ वोडाफोन आइडिया में सरकार की हिस्सेदारी बढ़कर 48.99 प्रतिशत हो जाएगी। भारतीय उद्योग परिसंघ के ग्रीन बिजनेस सेंटर (सीआईआई-जीबीसी) की रिपोर्ट में सभी नए आवासीय, वाणिज्यिक और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए 15-20 प्रतिशत हरित स्थान आवंटन अनिवार्य किया गया है। रिपोर्ट %इंफ्रा साउथ- क्राफ्टिंग लिवेबल एनवायरनमेंट इन इंडियन सिटीज% में चेन्नई, कोयंबटूर, मदुरै, तिरुचिरापल्ली, तिरुप्पुर और सेलम को रहने योग्य शहरों में बदलने की योजना के बारे में बताया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हरा-भरा और रहने योग्य शहर आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक आयामों को सामंजस्यपूर्ण ढंग से संतुलित करता है, जिससे उसके निवासियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है।

सरकार ने अधिग्रहित किए वोडाफोन के 36,950 करोड़ रुपये के नए शेयर

नई दिल्ली। वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) ने नियामक फाइलिंग को बताया कि सरकार ने कंपनी में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 48.99 प्रतिशत करने पर सहमति जताई है। यह कदम बकाया स्पेक्ट्रम नीलामी देनदारियों के एवज उठाया गया है। इसके तहत सरकार वोडाफोन के 36,950 करोड़ रुपये मूल्य के नए शेयर अधिग्रहण करेगी। वर्तमान में कर्ज से जूझ रही वोडाफोन आइडिया में सरकार की 22.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस नए अधिग्रहण के बाद वह कंपनी की सबसे बड़ी शेयरधारक बनी गई है। वोडाफोन आइडिया अब अगले 30 दिनों में 3,6950 करोड़ नए शेयर जारी करेगी। इनकी फेस वैल्यू 10 रुपये प्रति शेयर होगी। दूरसंचार मंत्रालय ने सितंबर 2021 में घोषित दूरसंचार क्षेत्र के सुधार और समर्थन पैकेज के तहत बकाया स्पेक्ट्रम नीलामी देनदारियों (जिसमें स्थगित भुगतान भी शामिल हैं) को इक्विटी में बदलने का निर्णय लिया है।

टॉप 10 में शामिल देश की 8 कंपनियों के मार्केट कैप में 88 हजार करोड़ की बढ़ोतरी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले सोमवार से शुक्रवार के कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 8 के मार्केट कैप में 88 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हुई। इनमें सबसे अधिक फायदा एचडीएफसी बैंक को हुआ। इसके अलावा टॉप 10 में शामिल 2 कंपनियों के मार्केट कैप में इस सप्ताह 11 हजार करोड़ रुपये की गिरावट हो गई। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), बजाज फाइनेंस, हिन्दुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी के मार्केट कैप में कुल 88,085.89 करोड़ रुपये बढ़ोतरी हो गई। दूसरी ओर इंफोसिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मार्केट कैप में 11,098.09 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। सोमवार से शुक्रवार के बीच हुए कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 44,933.62 करोड़ रुपये बढ़ कर 13,99,208.73 करोड़ रुपये के स्तर पर पर पहुंच गया। इसी तरह स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 16,599.79 करोड़ रुपये उछल कर 6,88,623.68 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 9,063.31 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 13,04,121.56 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 5,140.15 करोड़ रुपये बढ़ कर 9,52,768.61 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईटीसी का मार्केट कैप 5,032.59 करोड़ रुपये उछल कर 5,12,828.63 करोड़ रुपये के स्तर पर, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 2,796.01 करोड़ रुपये बढ़ कर 5,30,854.90 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारती एयरटेल का मार्केट कैप 2,651.48 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 9,87,005.92 करोड़ रुपये के स्तर पर और बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 1,868.94 करोड़ रुपये बढ़ कर 5,54,715.12 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर इंफोसिस का मार्केट कैप 9,135.89 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 6,52,228.49 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 1,962.2 करोड़ रुपये फिसल कर 17,25,377.54 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 17,25,377.54 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 13,99,208.73 करोड़ रुपये), टीसीएस (कुल मार्केट कैप 13,04,121.56 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 9,87,005.92 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 9,52,768.61 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 6,88,623.68 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 6,52,228.49 करोड़ रुपये), बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 5,54,715.12 करोड़ रुपये), हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,30,854.90 करोड़ रुपये) और आईटीसी (कुल मार्केट कैप 5,12,828.63 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

वित्त मंत्री 1 अप्रैल को 'राज्य आर्थिक मंच' पोर्टल का करेंगी शुरुआत

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को ''नीति एनसीएईआर राज्य आर्थिक मंच'' पोर्टल का शुभारंभ करेंगी। इस पोर्टल पर 2022-23 तक के (पिछले तीन दशकों) राज्यों के सामाजिक, आर्थिक और राजकोषीय मापदंडों से जुड़े आंकड़े उपलब्ध होंगे। नीति आयोग की राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीएईआर) के सहयोग से विकसित यह पोर्टल, राज्यों की पांच श्रेणियों- जनसांख्यिकी; आर्थिक संरचना; राजकोषीय; स्वास्थ्य और शिक्षा- से जुड़े डाटाबेस तक लोगों को सीधी पहुंच प्रदान करेगी। नीति आयोग ने एक बयान में कहा कि इसके अलावा, यह पोर्टल 28 भारतीय राज्यों के वृहद और राजकोषीय परिदृश्य की जानकारी भी उपलब्ध कराएगा। ये आंकड़े जनसांख्यिकी, आर्थिक संरचना, सामाजिक-आर्थिक और राजकोषीय संकेतकों पर आधारित होगा। पोर्टल से वृहद, राजकोषीय, जनसांख्यिकीय और सामाजिक-आर्थिक रुझानों को समझने में सुविधा होगी। इसके अलावे, 1 अप्रैल से एक नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत हो रही है। नया वित्तीय वर्ष शुरू होने के साथ ही देश के वित्तीय क्षेत्र से जुड़े कई बदलाव होने वाले हैं। नए बदलावों में आयकर नियम से जुड़े बदलाव, क्रेडिट कार्ड से जुड़े बदलाव, यूपीआई नियम में बदलाव और अन्य वित्तीय क्षेत्र के बदलाव शामिल हैं। नए वित्तीय वर्ष में जो प्रमुख बदलाव होने हैं, आइए उस बारे में जानें। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट 2025 भाषण के दौरान नए टैक्स स्लैब और दरों में बदलाव की घोषणा की।

ये संशोधित आयकर नियम भी 1 अप्रैल से लागू होंगे। नए आयकर नियमों के तहत, सालाना 12 लाख रुपये तक की आय वाले लोगों को आयकर का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होगी। वेतनभोगियों को 75,000 रुपये की मानक कटौती का भी लाभ मिलेगा।

इफको ने त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय बिल 2025 का स्वागत किया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय किसान उर्वरक सहकारी (इफको) ने लोकसभा में पारित त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय बिल 2025 का स्वागत किया। इस ऐतिहासिक कदम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी, रोजगार के नए अवसर बढ़ेंगे और सहकारी क्षेत्र को आधुनिक शिक्षा व अनुसंधान से जोड़ा जाएगा। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने घोषणा की कि भारत को 75 साल बाद पहला सहकारी विश्वविद्यालय मिल रहा है। यह विश्वविद्यालय नए नेतृत्व को प्रशिक्षित करेगा और सहकारी आंदोलन को और सशक्त बनाएगा। इफको के प्रबंध निदेशक डॉ. उदय शंकर अवस्थी ने इस पहल को भारतीय कृषि, किसानों और ग्रामीण विकास के लिए बड़ा कदम बताया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सहकारिता मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त किया। इफको के अध्यक्ष दिलीप संघानी ने कहा कि यह विश्वविद्यालय सहकारी नेतृत्व को नई दिशा देगा। यहां सहकारी क्षेत्र से जुड़े लोगों को व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण

मिलेगा, जिससे वे आधुनिक प्रबंधन और विपणन में कुशल बनेंगे।

विश्वविद्यालय की प्रमुख विशेषताएं:

- हर साल 8 लाख छात्रों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।
- सहकारी संगठनों के कर्मचारियों के लिए विशेष कोर्स।
- स्थानीय से वैश्विक स्तर तक सहकारी क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा।
- नवाचार और अनुसंधान पर जोर दिया जाएगा।

अंतरराष्टीय सहकारी संघ (आईसीए) के महानिदेशक जेरोन डगलस ने भी इस पहल की सराहना की और कहा कि यह वैश्विक सहकारी आंदोलन को मजबूती देगा।

सर्राफा बाजार में तेजी जारी, 1 सप्ताह में 1,370 रुपये महंगा हुआ सोना

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज, सोने की कीमत में लगातार मजबूती बनी हुई है। पिछले एक सप्ताह में सोने के भाव में 1,300 से 1370 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आ गई है। इस तेजी के कारण 24 कैरेट सोने का भाव 91 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को भी पार कर गया है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना रविवार (आज) को 91,200 रुपये से लेकर 91,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 83,600 रुपये से लेकर 83,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही पिछले एक सप्ताह के कारोबार में चांदी के भाव में करीब 3 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक की तेजी आई है। इस तेजी के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,03,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 91,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 83,750 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 91,200 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 83,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 91,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 83,650 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 91,200 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 83,600 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 91,200 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 83,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 91,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 83,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 91,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 83,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 91,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 83,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 91,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 83,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एफपीआईं का घरेलू शेयर बाजार में लौटा भरोसा, 6 दिन में किया 30,927 करोड़ का निवेश

एजेंसी

नई दिल्ली। रुपये की मजबूती, मैक्रोइकोनॉमिक इंडिकेटर्स में सुधार और मार्केट के आकर्षक वैल्यूएशन के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की रुचि एक बार फिर भारतीय शेयर बाजार में लौटती हुई नजर आ रही है। इस महीने के आखिरी छह कारोबारी दिनों के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने स्टॉक मार्केट में करीब 31 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया। एफपीआई द्वारा किया गया ये निवेश भारतीय बाजार में सुधार आने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।डिपॉजिटरी से मिली आंकड़ों के अनुसार मार्च के आखिरी 6 कारोबारी दिनों के दौरान एफपीआई द्वारा किए गए 30,927 करोड़ रुपये के निवेश के कारण उनके द्वारा मार्च के महीने में की गई कुल निकासी का आंकड़ा भी घटकर

3,973 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है।

उल्लेखनीय है कि अक्टूबर से ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा भारतीय बाजार में बिकवाली करके अपने पैसे की निकासी करने की वजह से स्टॉक मार्केट की स्थिति काफी कमजोर हो गई है। मार्च के पहले विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने स्टॉक मार्केट से फरवरी महीने के दौरान 34,574 करोड़ रुपये की निकासी की थी, जबकि जनवरी में निकासी का ये आंकड़ा 78,027 करोड़ रुपये का था। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि मार्च के आखिरी दिनों में बाजार में आई तेजी के बावजूद घरेलू निवेशकों को फिलहाल सतर्क रहना चाहिए, क्योंकि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की आगे की चाल 2 अप्रैल को अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रिसिप्रोकल टैरिफ को आखिरी रूप देने के बाद पता चल सकेगी।

अगर डोनाल्ड ट्रंप की ओर से टैरिफ को लेकर कड़ाई नहीं की जाती है, तो स्टॉक मार्केट की रैली जारी रह सकती है, लेकिन अगर टैरिफ पॉलिसी भारत के हितों के विपरीत रही तो विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक एक बार फिर बिकवाल की भूमिका में आ सकते हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। अंतर्राष्टीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार जारी गिरावट के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे।

तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 1.26 प्रतिशत लुढ़ककर 69.04 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट

क्रूड 0.34 प्रतिशत की गिरावट लेकर 73.38 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

प्रतिकूल वैश्विक स्थितियों से प्रभावित हुआ प्राइमरी मार्केट, अगले सप्ताह एक भी नया आईपीओ नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट में बनी प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण प्राइमरी मार्केट में नए आईपीओ की लॉन्चिंग के लिहाज से पूरी तरह से सूखा पड़ा रहने वाला है। एक अप्रैल से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान एक भी नया आईपीओ लॉन्च होने वाला नहीं है। हालांकि पिछले सप्ताह 27 और 28 मार्च को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले तीन आईपीओ में दो और तीन अप्रैल तक बोली लगाई जा सकेगी। जहां तक लिस्टिंग की बात है तो इस सप्ताह चार कंपनियों के शेयर लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में कारोबार की शुरुआत करेंगे। पिछले सप्ताह 27 मार्च को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले रेटैगियो इंडस्ट्रीज के 15.5 करोड़ रुपये के पब्लिक इश्यू में 2 अप्रैल तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 25 रुपये प्रति शेयर का भाव तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 6,000 शेयर का है। इस आईपीओ को अभी तक 0.84 गुना सब्सक्रिप्शन मिल चुका है। इश्यू क्लोज होने के बाद तीन अप्रैल को शेयरों का अलॉटमेंट होगा, जबकि सात अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इनकी लिस्टिंग होगी। इसी तरह पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबार दिन 28 मार्च को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले स्पिनैरो कॉमर्शियल लिमिटेड के आईपीओ में तीन अप्रैल तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 51 रुपये प्रति शेयर का भाव तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। इस आईपीओ को अभी तक 0.16 गुना सब्सक्रिप्शन मिल चुका है। इश्यू क्लोज होने के बाद चार अप्रैल को शेयरों का अलॉटमेंट होगा, जबकि आठ अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इनकी लिस्टिंग होगी।

इसी तरह 28 मार्च को ही सब्सक्रिप्शन के लिए खुले इनफोनेटिव सॉल्यूशंस के 24.71 करोड़ रुपये के पब्लिक इश्यू में तीनअप्रैल तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 75 रुपये से लेकर 79 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। इस आईपीओ को अभी तक 0.52 गुना सब्सक्रिप्शन मिल चुका है। इश्यू क्लोज होने के बाद चार अप्रैल को शेयरों का अलॉटमेंट होगा, जबकि आठ अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इनकी लिस्टिंग होगी। जहां तक इस सप्ताह स्टॉक मार्केट में होने वाली लिस्टिंग की बात है, तो एक अप्रैल से लेकर तीन अप्रैल के बीच चार कंपनियां के शेयर लिस्टिंग के जरिए अपने कारोबार की शुरुआत करेंगे। इनमें एक अप्रैल को डेस्को इंफ्राटेक के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग के जरिए कारोबार की शुरुआत करेंगे। इसी तरह दो अप्रैल को श्री अहिंसा नेचुरल्स और एटीसी एनर्जीज के शेयरों की एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग होगी। इसके अलावा तीन अप्रैल को आईडेंटिक्स वेब के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने त्रिपुरा से जैविक कृषि उत्पादों की खरीद की शुरू

एजेंसी

अगरतला। त्रिपुरा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री रतन लाल नाथ ने कहा कि बिग बास्केट और मदर डेयरी जैसी प्रसंस्कृत खाद्य विनिर्माण कंपनियों के लिए अग्रणी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने राज्य से जैविक कृषि उत्पादों की खरीद शुरू कर दी है। इसके अलावा, जैविक उत्पादों के एकत्रीकरण, ब्रांडिंग और विपणन को बढ़ावा देने के लिए एक राष्टीय संगठन, नेशनल कोऑपरेटिव ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (एनसीओएल) ने भी त्रिपुरा के जैविक उत्पादों को आकर्षक मूल्य पर खरीदा है।एक नए लाइसेंस प्राप्त किसान उत्पादक कंपनी (एफपीसी) के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए, श्री नाथ ने कहा, भाजपा के सत्ता में आने के बाद, राज्य के विभिन्न हिस्सों में 40 एफपीसी स्थापित किए गए। इन संस्थाओं के पास किसानों से सीधे माल का व्यापार, भंडारण और निर्यात

करने के विशेष अधिकार हैं। श्री नाथ ने कहा, हमने लगभग पांच हजार हेक्टेयर भूमि को प्राकृतिक खेती के तहत लाने का लक्ष्य रखा है और पहली बार, राज्य के सोबरी केले और सुगंधित नींबू के लिए जीआई टैग की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि यदि आप कृषि क्षेत्र में रासायनिक उर्वरकों का उपयोग करते हैं, तो यह भविष्य को बुरी तरह से नुकसान पहुंचाएगा।

कंगाल पाकिस्तान को विश्व बैंक का सहारा, वायु प्रदूषण कम करने के लिए 300 मिलियन डॉलर का कर्ज मंजूर

नयी दिल्ली। कंगाल पाकिस्तान दिन-प्रतिदन कर्ज को बोझ तले दबता ही जा रहा है। जहां एक बार फिर विश्व बैंक ने पाकिस्तान पर रहम दिखाते हुए पाकिस्तान के कर्ज के आवेदन को मंजूरी दे दी है। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो रविवार को विश्व बैंक ने पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए 300 मिलियन डॉलर के ऋण को मंजूरी दी है। बता दें कि यह ऋण पंजाब स्वच्छ वायु कार्यक्रम (पीसीएपी) के तहत अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ (आईडीए) द्वारा प्रदान किया गया है और इसे शुक्रवार को विश्व बैंक समूह के निदेशक मंडल ने मंजूर किया। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में वायु प्रदूषण लोगों के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। शहबाज सरकार भी इसका निपटारा करने में अबतक असफल रही। ऐसे में पंजाब स्वच्छ वायु कार्यक्रम (पीसीएपी) शुरू करना पंजाब के लोगों के लिए थोड़ी राहत की बात होगी, क्योंकि इस कार्यक्रम का उद्देश्य पंजाब में वायु गुणवत्ता प्रबंधन को मजबूत करना। साथ ही इलाके में बढ़ते प्रदूषण को कम करना है। यह पंजाब सरकार की 'स्मॉग मिटिगेशन एक्शन प्लान' (एसएमएपी) को सपोर्ट करेगा और पूरे प्रांत में वायु गुणवत्ता और सार्वजनिक स्वास्थ्य को सुधारने के लिए कई पहलें शुरू करेगा, जिससे परिवहन, कृषि, उद्योग, ऊर्जा और नगरपालिका सेवाओं जैसे क्षेत्रों में सुधार किए जाएंगे।

पॉलिसीधारकों को बॉम्बे हाईकोर्ट से बड़ी राहत, इलाज के लिए मिले मुआवजे से नहीं कटेगी मेडिक्लेम राशि

एजेंसी

नई दिल्ली। किसी व्यक्ति को मेडिक्लेम पॉलिसी के तहत मिलने वाली राशि को मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के तहत चिकित्सा व्यय के लिए मिले मुआवजा राशि से नहीं काटा जा सकता। बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया है। अदालत के इस फैसले से बीमाधारकों को बड़ी राहत मिल सकती है। न्यायमूर्ति एएस चांदुरकर, न्यायमूर्ति मिलिंद जाधव और न्यायमूर्ति गौरी गोडसे की पूर्ण पीठ ने 28 मार्च को अपने फैसले में कहा कि मेडिक्लेम पॉलिसी के तहत राशि दावेदार की ओर से बीमा कंपनी के साथ किए गए अनुबंध के आधार भुगतान होना चाहिए। पीठ ने कहा, ÷हमारे विचार में, मेडिक्लेम पॉलिसी के तहत दावेदार की ओर से प्राप्त किसी भी राशि की कटौती स्वीकार्य नहीं होगी। विभिन्न एकल व खंडपीठों की ओर से इस पर अलग-अलग विचार रखे जाने के बाद इस मुद्दे को पूर्ण पीठ को सौंप दिया गया था। पूर्ण पीठ ने सर्वोच्च न्यायालय की ओर से पारित निर्णयों का उल्लेख

करते हुए कहा कि मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण को न केवल उचित मुआवजा देने का अधिकार है, बल्कि यह उसका कर्तव्य भी है। इसमें कहा गया है कि बीमा के कारण प्राप्त राशि, बीमाधारक द्वारा कंपनी के साथ किए गए संविदात्मक दायित्वों के कारण है। अदालत ने कहा कि प्रीमियम का भुगतान करने के बाद यह स्पष्ट है कि लाभार्थी राशि या तो पॉलिसी की परिपक्वता पर या मृत्यु पर, चाहे मृत्यु का तरीका कुछ भी हो, दावेदार के हिस्से में आएगी। अदालत ने कहा, आरोपी मृतक की दूरदर्शिता और बुद्धिमानी से किए गए वित्तीय निवेश का लाभ नहीं उठा सकता। यह कानून की स्थापित स्थिति है। पूर्ण पीठ मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण के उस निर्णय के विरुद्ध न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा दायर अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें चिकित्सा व्यय के अतिरिक्त मौद्रिक मुआवजा देने का आदेश दिया गया था। बीमा कंपनी ने दावा किया कि मेडिक्लेम पॉलिसी के तहत प्राप्त बीमा राशि के अंतर्गत चिकित्सा व्यय भी कवर किया गया था। न्यायालय की सहायता के लिए न्यायमित्र नियुक्त किए गए अधिवक्ता गौतम अंखड ने तर्क दिया कि चिकित्सा व्यय से संबंधित मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधान को दावेदार/पीड़ित के पक्ष में समझा जाना चाहिए, क्योंकि यह एक कल्याणकारी कानून है। उन्होंने आगे कहा कि बीमाकर्ता को कोई नुकसान नहीं हुआ है क्योंकि उसे बीमाधारक से प्रीमियम प्राप्त हुआ था। उन्होंने आगे कहा कि यदि चिकित्सा व्यय में कटौती की अनुमति दी जाती है, तो इससे बीमाकर्ता को अनुचित लाभ मिलेगा।

नवरात्रि में साबूदाने से बनाएं ये स्वादिष्ट चीजें, जानें रेसिपी

नवरात्रि के व्रत के दौरान कई लोग साबूदाना खाना पसंद करते हैं. ऐसे में आप इससे अलग-अलग तरह की स्वादिष्ट और पौष्टिक चीजें बना सकते हैं. आज हम आपको साबूदाना की खिचड़ी, टिक्की, खीर और वडा बनाने की आसान रेसिपी बताएंगे, जिसे आप आसानी से घर पर बना सकती हैं.

चैत्र नवरात्रि की शुरुआत हो चुकी है. यह पर्व 9 दिनों तक चलता है, जिसमें हर दिन एक विशेष रूप से देवी के नौ रूपों की पूजा होती है. इस पावन पर्व को देश के कई हिस्सों में बहुत ही उत्साह के साथ मनाया जाता है. इस दौरान लोग व्रत रखते हैं. अपनी मान्यताओं के अनुसार कई लोग नौ दिन, तो वहीं कई लोग 2 दिन व्रत रखते हैं. इस दौरान केवल साबूदाना, आलू, फल, दूध आदि का सेवन किया जाता है.

व्रत के दौरान लोग आलू के अलावा साबूदाना भी खाना बहुत पसंद करते हैं. ऐसे में साबूदाना से कई तरह की स्वादिष्ट और पौष्टिक चीजें बनाई जा सकती है. आइए जानते हैं साबूदाना से बनने वाली उन चीजों की रेसिपी के बारे में

साबूदाना खिचड़ी

इसे बनाने के लिए सबसे पहले तो साबूदाना को अच्छे से धोकर पानी में 4-5 घंटे भिगोकर रखें. इसके बाद कढ़ाई में घी गर्म करें, उसमें जीरा और हरी मिर्च डालें. अब उबले हुए आलू और मूंगफली डालकर 2-3 मिनट तक भूनें. अब साबूदाना डालें और अच्छे से मिलाकर कुछ मिनटों तक पकाएं. शहद या चीनी, सेंधा नमक डालें और हरे धनिए से सजाकर सर्व करें.

साबूदाना टिक्की

अगर आप चटपटा खाना पसंद करते हैं तो आप इससे टिक्की बना सकते हैं. साबूदाना को धोकर पानी में भिगोकर रखें और आलू उबाल कर उसे मैश कर लें. साबूदाना, आलू, मूंगफली, हरी मिर्च और सभी मसाले जैसे की सेंधा, लाल मिर्च पाउडर मिलाकर आटा गूंथ लें. अब छोटे-छोटे गोले बनाकर टिक्की के आकार में तलें. घी में सुनहरा होने तक तल लें और गरमा गरम सर्व करें.

साबूदाना खीर

अगर आपको मीठा पसंद है तो आप साबूदाना खीर भी बना सकते हैं. इसे बनाने के लिए साबूदाना को अच्छे से धोकर 2-3 घंटे भिगोकर रखें. इसके बाद एक पैन में दूध और पानी डालकर उबालें, फिर उसमें साबूदाना डालकर पकाएं. जब साबूदाना पक जाए, उसमें चीनी और घी डालकर अच्छे से मिला लें. ड्राई फ्रूट्स से सजा कर गरम-गरम खीर सर्व करें.

साबूदाना वडा

साबूदाना वडा बनाने के लिए साबूदाना को धोकर भिगोकर रखें और आलू उबालकर मैश कर लें. मूंगफली को तावेमें सेंक कर कूट लें. साबूदाना, आलू, मूंगफली, हरी मिर्च, जीरा और मसाले जैसे की सेंधा नमक और लाल मिर्चा पाउडर मिलाकर गोल-गोल वडे बनाएं. गरम तेल में वड़े को सुनहरा लाल होने तक तल लें और चटनी के साथ सर्व करें.

सुप्रीम कोर्ट ने फैसला पलट दिखायी राह, किया उजाला

नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म की कोशिश से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगाकर न्याय की संवेदनशीलता को संबल दिया है, इससे जहां न्याय की निष्पक्षता, गहनता एवं प्रासंगिकता को जीवंत किया है, वहीं महिला अस्मिता एवं अस्तित्व को कुचलने की कोशिशों को गंभीरता से लिया गया है। शीर्ष अदालत के जजों ने इस फैसले को असंवेदनशील बताते हुए न केवल इलाहाबाद हाई कोर्ट के इस विवादित फ़ैसले पर गंभीर नाराजगी दर्शायी एवं खेद प्रकट किया है, क्योंकि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा था- नाबालिग लड़की के ब्रेस्ट पकड़ना और उसके पायजामे के नाड़े को तोड़ना रेप नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने यौन अपराधों की गंभीरता को कम करने वाली या पीड़ितों के अनुभवों को कमतर आंकने वाली भाषा एवं सोच का इस्तेमाल न करने की चेतावनी देते हुए हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को भी ऐसा फैसला देने वाले जज से ऐसे संवेदनशील मामलों की सुनवाई न कराने का भी निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के जजों ने कहा कि यह फैसला तुरंत नहीं लिया गया, बल्कि सुरक्षित रखने के 4 महीने बाद सुनाया गया यानी पूरे विचार के बाद फैसला दिया गया है। नारी अस्मिता एवं अस्तिव को कुचलने की शर्मसार करने वाली निचली अदालतों की ऐसी न्यायिक घटनाएं चिन्ताजनक है। एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट की पहल से समाज में सकारात्मक संदेश दिया गया और महिलाओं की सुरक्षा, अस्मिता एवं अस्तित्व सुनिश्चित करने का सार्थक प्रयास भी किया गया है।इलाहाबाद हाई कोर्ट में जस्टिस राममनोहर नारायण मिश्रा ने अपने 17 मार्च के इस फ़ैसले में कहा था कि 'पीड़िता के स्तन को छूना और पायजामे की डोरी तोड़ने को बलात्कार या बलात्कार की कोशिश के मामले में नहीं गिना जा सकता है।' उल्लेखनीय है कि यह घटना साल 2021 में एक नाबालिग लड़की के साथ हुई थी। जिसमें तीन युवकों ने लड़की से बदतमीजी की थी और उसके प्राइवेट पॉर्टस को छुआ तथा पुल के नीचे घसीटकर उसके पायजामे की डोरी तोड़ थी। जिसे पास से गुजरने वाले ट्रैक्टर चालकों ने बचाया था। स्थानीय पुलिस से जब किशोरी के परिजनों को मदद नहीं मिली तब उन्होंने न्याय के लिये कासगंज की विशेष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। जहां अभियुक्तों पर आईपीसी की धारा 376 व पॉक्सो एक्ट की धारा 18 लगाई गई। जिसको अभियुक्तों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। 11 साल की इस लड़की के साथ हुई इस घटना के बारे में जस्टिस मिश्रा का निष्कर्ष था कि यह महिला की गरिमा पर आघात का मामला है। इसे रेप या रेप की कोशिश नहीं कह सकते। एकल पीठ का कहना था कि मामले में तथ्यों व आरोपों के आधार पर तय करना संभव नहीं है कि बलात्कार का प्रयास हुआ था। जिसके लिये अभियोजन पक्ष को सिद्ध करना था कि अभियुक्तों का यह कदम अपराध करने की तैयारी के लिये था। इस फैसले के बाद देशभर में गहरा आक्रोश, गुस्सा एवं नाराजगी सामने आयी, महिला संगठनों व बौद्धिक वर्गों में तल्ख प्रतिक्रिया देखी गयी, सोशल मीडिया एवं मीडिया ने इसे न्याय की बड़ी विसंगति एवं अमानवीयता के रूप में प्रस्तुत किया।महिला संगठन वी द वूमेन ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट का भी रुख किया था। शीर्ष अदालत के जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने माना कि फैसला न केवल असंवेदनशील है बल्कि अमानवीय नजरिया भी दर्शाता है। जिसके चलते इस फैसले पर रोक लगाना आवश्यक हो जाता है। वहीं शीर्ष अदालत ने इस मसले पर केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार को भी नोटिस जारी किया है। यह बात किसी के गले नहीं उतर पा रही कि जब पाक्सो कानून में स्पष्ट रूप से किसी बच्चे के साथ गलत हरकतों को आपराधिक कृत्य माना गया है, तब कैसे इलाहाबाद उच्च न्यायालय के संबंधित न्यायाधीश को न्यायिक विवेचन करते समय यह गंभीर दोष नहीं जान पड़ा। महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संबंधित कानूनों में तो उन्हें घूरने, गलत इशारे करने, पीछा करने आदि को भी आपराधिक कृत्य माना गया है। फिर उस लड़की के मामले में हर पहलू पर विचार क्यों नहीं किया गया? इस फैसले की निन्दा, भर्त्सना एवं आलोचना ने देश में एक बार फिर जताया है कि देश ऐसे संवेदनशील मामलों में जागरूक है, किसी भी तरह की लापरवाही एवं कोताही को बर्दाश्त नहीं करेगा। सुप्रीम अदालत ने देखा था कि पीछा करने, छेड़छाड़ करने और उत्पीड़न जैसे अपराधों को सामान्य बनाने वाले रवैये का 'पीड़ितों पर स्थायी और हानिकारक प्रभाव पड़ता है।' महिलाओं के सम्मान और गरिमा के प्रति सर्वोच्च न्यायालय संवेदनशील है, यही आशा की किरण है। यहां यह अपेक्षित हो जाता है कि महिला मामलों की सुनवाई करने वाले जजों को इसकी बारीकियों एवं गहनताओं का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। ऐसे प्रशिक्षित जजों को ही ऐसे मामलों की सुनवाई का मौका दिया जाना चाहिए। यह भी अपेक्षित है कि ऐसे मामलों में कोताही या दुराग्रह बरतने वाले जजों के लिये उचित जांच का भी प्रावधान होना चाहिए।

महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में फैसला देते वक्त अदालतों से अपेक्षा की जाती है कि वे घटना, तथ्यों और प्रमाणों पर संवेदनशील तरीके से विचार करें। मगर विचित्र है कि कई बार निचली अदालतें ऐसे मामलों में आग्रह एवं पूर्वाग्रहपूर्ण निर्णय सुना देती हैं। उल्लेखनीय है कि एक ऐसे ही मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच के फैसले को पलट कर कानून की संवेदनशीलता को संबल दिया था। तब भी सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2021 में कहा था कि किसी बच्चे के यौन अंगों को यौन इरादे से छूना पॉक्सो अधिनियम की धारा 7 के तहत यौन हिंसा माना जाएगा। अब चाहे इसमें त्वचा का संपर्क नहीं हुआ हो। कोर्ट का मानना था कि अभियुक्त का इरादा ज्यादा मायने रखता है। दरअसल, इस मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट की महिला जज ने अभियुक्त को इस आधार पर बरी करने का फैसला लिया था कि त्वचा से त्वचा का संपर्क नहीं हुआ था। इसी तरह कलकत्ता हाईकोर्ट ने भी अक्टूबर, 2023 में एक फैसला सुनाते हुए टिप्पणी की थी कि किशोरियों को अपनी यौन इच्छाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए, वे दो मिनट के सुख के लिए समाज की नजरों में गिर जाती हैं। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जज से यह उम्मीद नहीं की जाती है कि वे फैसला सुनाते समय अपने विचार व्यक्त करें। तब सुप्रीम कोर्ट ने यह दिशानिर्देश भी जारी किए थे कि फैसले किस तरह लिखे जाने चाहिए। इसके अलावा, कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले को भी पलट दिया था। ऐसे फैसले न्यायिक भ्रष्टता, संवेदनहीनता एवं लापरवाही के प्रतीक है, जिससे महिलाओं अपराधियों, बलात्कारियों, व्यभिचारियों एवं यौन शोषकों का नारी से खिलवाड़ करने का हौसला बुलन्द होता है।

देश में बढ़ रही यौन-शोषण, रेप एवं नारी दुराचार की घटनाओं को देखते हुए न्याय-व्यवस्था को अधिक सशक्त एवं निष्पक्ष बनाये जाने की अपेक्षा है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि कुछ मामलों में पाक्सो और महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों का दुरुपयोग देखा गया है, मगर इसका अर्थ यह नहीं कि इससे किसी को हर महिला के साथ हुए दुर्व्यवहार और यौन शोषण को असंवेदनशील तरीके से देखने की छूट मिल जाती है। पहले ही महिला यौन उत्पीड़न के मामलों में शिकायतें दर्ज कराने को लेकर चुप्पी साध जाने या टालमटोल रवैया अपनाना एक गंभीर मामला है। जिसके चलते ऐसी घटनाएं बढ़ती ही जा रही है। आजीवन शोषण, दमन, अत्याचार, अवांछित बर्ताव और अपमान की शिकार रही भारतीय नारी को अब और नये-नये तरीकों से कब तक जहर के घूंट पीने को विवश होना होगा। अत्यंत विवशता और निरीहता से देख रही है वह यह क्रूर अपमान, यह वीभत्स अनादर, यह दूषित व्यवहार एवं संकुचित न्याय। न्याय की चौखट पर भी उसके साथ दोयम दर्जा एवं दुराग्रहपूर्ण सोच बदलना सर्वोच्च प्राथमिकता हो। यदि हम सच में नारी के अस्तित्व एवं अस्मिता को सम्मान देना चाहते हैं तो! ईमानदार स्वीकारोक्ति और पड़ताल से ही यह संभव होगा।

संपादकीय

मानव तस्करी पर अंकुश

हरियाणा विधानसभा के मौजूदा सत्र में कई महत्वपूर्ण विधायी पहल हुई हैं, जो एक लोककल्याणकारी सरकार की प्राथमिकताएं सुनिश्चित करती हैं। इसमें किसानों को नकली इनपुट से सुरक्षा कवच देना भी सराहनीय कदम रहा है। वहीं हाल ही में सुनहरे भविष्य की आकांक्षा लेकर विदेश जाने वाले युवाओं की हितरक्षा में उठाये गए कदम निश्चय ही सराहनीय हैं। हरियाणा के मौजूदा विधानसभा सत्र में हरियाणा ट्रैवल एजेंट पंजीकरण और विनियमन विधेयक, 2025 पारित किया जाना एक महत्वपूर्ण कदम है, जो वक्त की सख्त जरूरत भी थी। ट्रैवल एजेंसियों के पंजीकरण को अनिवार्य करना और उल्लंघन पर सख्त दंड का प्रावधान उम्मीद जगाता है कि अब विदेश जाने वाले लोगों के साथ होने वाली धोखाधड़ी पर अंकुश लग सकेगा। इस कानून का उल्लंघन करने पर सात साल की कैद और पांच लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। निश्चित रूप से सरकार ने अपने नागरिकों को धोखे और मानव तस्करी से बचाने के लिये एक आवश्यक कदम उठाया है। लगातार होने वाले आव्रजन घोटालों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि के मद्देनजर, इस कानून की लंबे समय से प्रतीक्षा की जा रही थी। लेकिन जहां सख्त कानून का सही ढंग से क्रियान्वयन इस दिशा में सफलता सुनिश्चित करेगा, वहीं इसके लिये जन जागरूकता अभियान चलाने की भी जरूरत है। साथ ही प्रभावी प्रवर्तन के साथ ही यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि लोग अनधिकृत एजेंटों के चक्रव्यूह में न फंसें। वास्तव में यह विधेयक एक महत्वपूर्ण कदम तो है, लेकिन इसे बेरोजगारी को दूर करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा भी होना चाहिए। यदि हम राज्य के युवाओं के लिये अपने देश में बेहतर रोजगार के अवसर पैदा कर सकें तो युवाओं को फिर अपने सपने पूरे करने के लिये विदेश जाने की जरूरत ही नहीं होगी। निस्संदेह, कोई भी व्यक्ति अपना घर-परिवार, अपना धार्मिक-सांस्कृतिक परिवेश छोड़कर परदेश नहीं जाना चाहता। लेकिन जब आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार के अवसर नहीं मिलते तो ही वह मजबूरी में विदेश जाने की लालसा रखता है।

यह एक निर्विवाद सत्य है कि बेहतर रोजगार की स्थितियां हमारे शैक्षिक वातावरण पर भी निर्भर करती हैं। यदि हम परंपरागत शिक्षा से इतर रोजगार व कौशल विकास की शिक्षा को अपनी प्राथमिकता बनाएं तो स्थिति बदल सकती है। इसके लिये जरूरी है कि राज्य में रोजगारपरक शिक्षा के अनुकूल वातावरण बनाया जाए। इस दिशा में गंभीर प्रयासों की सख्त जरूरत है। उम्मीद की जा रही थी कि विधानसभा सत्र में राज्य में सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे को सुधारने के लिये उत्साहजनक पहल की जाएगी। इस मुद्दे को प्राथमिकताओं में शामिल करके इस बार गंभीर बहस होगी। दरअसल, हाल के दिनों में कई स्कूलों के भवनों की स्थिति व सुरक्षा आदि को लेकर अभिभावक चिंता जताते रहे हैं। हर अभिभावक चाहता है कि सरकारी स्कूलों में बेहतर साफ-सफाई, शौचालयों और पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध रहें। दरअसल, देखने में आया है कि कई ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में छात्रों की संख्या जितनी अधिकता में है, उस अनुपात में शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं। हालांकि, विपक्ष ने इस मुद्दे पर सरकार का ध्यान तो खींचा, लेकिन अन्य राजनीतिक मुद्दों में उलझाव के चलते शिक्षा के मुद्दे पर वैसे गंभीर बहस नहीं हो पायी , जैसी अपेक्षित थी। वैसे सरकार की तरफ से इस बाबत प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बजट आवंटन और भविष्य में सुधार का आश्वासन तो दिया गया, लेकिन इन वायदों का हकीकत में बदलना भी उतना ही जरूरी है। ये नौकरशाही का भी दायित्व बनता है कि छात्र सुरक्षित परिस्थितियों में अध्यापन करें। निस्संदेह, नौकरशाही की अक्षमताएं प्रगति के मार्ग में बाधा बनती हैं। जरूरत इस बात की भी है कि हमारी शिक्षा वक्त की जरूरतों के साथ जुड़ी हो। ताकि छात्र विदेशों में रोजगार तलाशने की बजाय अपने रोजगार खुद सृजित कर सकें। यह तभी संभव है जब हमारी शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन होगा। शिक्षा व्यवस्था छात्र छात्राओं की मौलिक प्रतिभा का न केवल विकास करे, बल्कि उसका संवर्धन भी करे।

अंगदान बढ़ाने को मध्य प्रदेश का रास्ता अपनाएं

मध्य प्रदेश सरकार ने अंगदान करने वालों को सम्मानित करने के साथ उनके परिवार को आयुष्मान भारत योजना का लाभ देने जा रही है। इसमें अंगदान करने वाले के परिवार को प्रति वर्ष पांच लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज मिलेगा। जागरूकता बढ़ाने के लिए 18 लाख रुपये की डॉक्यूमेंट्री बनाई जा रही है। राज्य का स्टेट आर्गन एवं टिश्यू ट्रांसप्लांट पोर्टल भी तैयार हो रहा है। मध्य प्रदेश चिकित्सा विभाग के संचालक डॉ. एके श्रीवास्तव ने बताया कि शीघ्र ही इस संबंध में शासन स्तर पर निर्णय हो जाएगा। निश्चय ही यह निर्णय भारत की महर्षि दधीचि की देहदान की परम्परा को आगे बढ़ाएगा। मध्य प्रदेश सरकार का यह निर्णय लोगों को अंगदान के लिए प्रेरित करेगा। वैसे जो कार्य मध्य प्रदेश सरकार करने जा रही है, उसे प्रत्येक प्रदेश को लागू करना चाहिए। अच्छा हो कि ये केंद्र की ओर से लागू हो। इस कार्य के लिए जागरूकता अभियान भी चलाने की जरूरत है। इसके लिए लोगों को प्रेरित करने के साथ प्रोत्साहित भी करना होगा।भारत में प्रतिवर्ष पांच लाख से ज्यादा लोग वक्त पर अंग न मिलने से मौत का शिकार हो जाते हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इनमें से दो लाख के आसपास लोगों की मौत लिवर नहीं मिलने की वजह से होती है। इन मरने वालो में अधिकतर वे लोग होते हैं जो पैसा देकर अंग नहीं खरीद सकते। पैसे वाले तो मन मांगा मोल देकर अंग खरीद लेते हैं। इसी कारण मानव अंगों के अवैध कारोबार को बढ़ावा मिलता है। भारत में प्रतिवर्ष दस लाख व्यक्तियों में अंगदान करने वालों की संख्या 0.16 है। विकसित देशों जैसे अमेरिका, ब्रिटेन, नीदरलैंड और जर्मनी में यह संख्या 10 से 30 के मध्य है। हमारे देश में इस संख्या के कम होने के कारण हैं- सही जानकारी का अभाव, धार्मिक मान्यता, सांस्कृतिक भ्रांतियां और पूर्वाग्रह। कई देशों में अंगदान ऐच्छिक न होकर अनिवार्य है। भारत में ऐसा कर पाना संभव नहीं है, लेकिन जागरूकता पैदाकर इस संख्या को बढ़ाया जा सकता है।लोगों में अंधविश्वास है कि यदि मृत व्यक्ति की आंखों को दान दिया जाता है तो उसे मरने के उपरांत स्वर्ग नहीं मिलता या अगले जन्म में वह आंख या उस अंग के बिना पैदा होगा, जबकि अंगों को शरीर से निकालने से परंपरागत अंत्येष्टि क्रिया या दफन क्रियाओं में कोई बाधा नहीं आती। इससे शरीर के रंग-रूप में भी कोई परिवर्तन नहीं होता।अपने अंगों को मृत प्राय- रोगियों को बहुमूल्य उपहार के रूप में दान देकर अपनी मृत्यु को जीवन समान सार्थक बनाया जा सकता है।

एक मृत व्यक्ति के अंगदान से नौ लोगों को नया जीवन मिल सकता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण प्रतीक्षा सूची में 1,04999 पुरुष, महिला और बच्चे आज भी इस इंतज़ार में हैं कि कोई

अंगदान करेगा और वे अपना जीवन जी सकेंगे। राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण प्रतीक्षा सूची में अकेले किडनी के जरूरतमंद व्यक्ति ही 88551 है। भारत में प्रतिवर्ष लगभग डेढ़ लाख मौतें सड़क हादसों से होती हैं। वर्ष 2022 में ही 168491 मौत हुईं। इसका मतलब औसतन हर रोज सड़कों पर 1000 से ज्यादा दुर्घटनाएं होती हैं और 400 से ज्यादा लोग दम तोड़ देते हैं।इनमें सबसे पहले मस्तिष्क पूरी तरह से कार्य करना बंद कर देता है, ऐसा शरीर अंगदान के लिए उपयुक्त होता है। फिर भी बमुश्किल दो-तीन प्रतिशत भाग्यशाली लोगों को नए अंग मिलते हैं। हृदय, फेफड़े, लिवर, किडनी, आंत, पैंक्रियाज ऐसे अंग हैं, जो मृत व्यक्ति के परिजनों द्वारा दान किए जा सकते हैं। आंख का कॉर्निया, हड्?डी, त्वचा, नस, मांसपेशियां, टेंडन, लिगामेंट, कार्टिलेज, हृदय वाल्व भी मृत्यु के बाद किसी अन्य व्यक्ति के काम आ सकते हैं। जीवित व्यक्ति एक पूरी किडनी व लिवर का कुछ हिस्सा दान में दे सकता है। शेष एक किडनी से दानदाता का जीवन व्यतीत हो सकता है। लिवर समय के साथ बढ़ जाता है और पुन- अपनी पुरानी अवस्था में लौट आता है इसलिए दाता को किसी प्रकार की कोई दिक्क़त नहीं होती है।भारतीय संस्कृति विश्व की प्राचीन एवं महान संस्कृति है। दान, धर्म एवं उच्च संस्कार प्राचीन काल से ही हमारे समाज में वरिष्ठ स्थान रखते रहे हैं। महर्षि दधीचि ने दान की पराकाष्ठा का उदाहरण समाज के समक्ष रखा। वह भारतीय संस्कृति के प्रथम अंगदानी कहे जाते हैं। देवता और दानव में युद्ध चल रहा था! दानव देवताओं पर भारी पड़ रहे थे। देवताओं को समझ नहीं आ रहा था कि युद्ध में कैसे विजय पाई जाए। इसके लिए वे ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी ने सुझाव दिया कि महर्षि दधीचि की अस्थियों से बने अस्त्र से दानवों को पराजित किया जा सकता है। देवता महर्षि दधीचि के पास गए। याचना की। महर्षि दधीचि द्वारा दी गई अस्थियों से बने वज्र से राक्षास ब्रजासुर का बद्ध हुआ। दानव पराजित हुए।आर्यव्रत की हजारों साल पुरानी देहदान और अंगदान की इस परंपरा में आज भी लोगों की रुचि नहीं है। मुझे याद है कि लगभग 40 साल पहले उत्तर प्रदेश के बिजनौर के स्टेडियम में खेल प्रतियोगिता के दौरान भाला लगने से एक कर्मचारी घायल हो गया था। उसे खून की जरूरत थी। कहे जाने पर भी उसके परिवारजनों ने खून नहीं दिया था। उसकी मदद के लिए स्टेडियम के खिलाड़ी आगे आये। उनके रक्त देने से कर्मचारी की जान बची। अच्छा यह है कि अब रक्तदान के प्रति तो लोगों में जागरूकता बढ़ी है, किंतु अंगदान के प्रति अभी चेतना नही है। अंगदान के प्रेरित करने वाले चिकित्सकों की भी कमी है। यदि बड़े और सरकारी अस्पताल के चिकित्सक मृतक के परिजनों को अंगदान के लिए प्रेरित करने लगे तो बड़ा काम हो सकता है।

हालांकि हेल्थ प्रोफेशनल आमतौर पर अंगदान के विषय पर मृतक के परिजनों से बात करने में अटपटा महसूस करते हैं। नई दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में लिवर ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ समीरन नंदी ने डीडब्लू को बताया, ÷डॉक्टर मृतक के अंगों को दान देने के बारे में पूछने से कतराते हैं, कोई इस बारे में प्रोत्साहन भी नहीं है और बदले की कार्रवाई का डर भी रहता है।÷ एक बात ओर अंगदान करने के इच्छुक लोग बढ़ भी जाएं तो सभी अस्पतालों में अंग प्रत्यारोपण से जुड़ी तमाम प्रक्रियाओं के लिए जरूरी साजो सामान या उपकरण मौजूद नहीं हैं।

भारत में सिर्फ 250 अस्पताल ही नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन (नोटो) से पंजीकृत हैं। ये संगठन देश के अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम का समन्वय करता है। यानी देश में प्रत्येक 43 लाख नागरिकों के लिए, तमाम सुविधाओं और उपकरणों वाला सिर्फ एक अस्पताल है। भारत के देहाती इलाकों में तो ट्रांसप्लांट सेंटर कमोबेश हैं भी नहीं। अंगदान की प्रक्रिया बहुत लाभकर है पर जिस तेजी से बढ़नी चाहिए, उस तेजी से नहीं अंगदान के नाम पर आंख देना ही शुरू हुआ है। यह भी न के बराबर। जबकि मानव कल्याण के लिये अंगदान का प्रचार प्रसार बहुत जरूरी है। रक्तदान में जरूर तेजी आई है।प्रत्येक वर्ष तीन अगस्त को अंगदान दिवस मनाया जाता है। एक दिवस में इस महत्वपूर्ण कार्य की इतिश्री कर दी जाती है। जबकि प्रत्येक पल अंगदान के लिए प्रेरित करने की जरूरत है। अंगदान के लिए जनजागरण की जरूरत है। स्कूली शिक्षा से छात्रों में जनजागरण के लिए जागरूकता विकसित की जानी चाहिए। अन्य अभियानों की तरह अंगदान के लिए भी अभियान चलाने की जरूरत है। इसके लिए विभिन्न धर्मगुरूओं से संपर्क कर उनसे अनुरोध किया जाए कि वह अंगदान के लिए अपने समर्थकों को प्रेरित करें। मध्य प्रदेश की तरह अंगदान करने वालों परिवारों के सममानित करने के साथ उन्हें प्रोत्साहित करने आयुष्मान योजना जैसी सरकारी योजना का लाभ दिलाने की भी जरूरत है।

घर-परिवार

छोटी बातें बड़े काम की..

दूध को उबलने से बचाने के लिए बर्तन के किनारों पर जरा सा घी लगा दें।

- विटामिन ई के कैप्सूल के अंदर से निकलने वाले पाउडर को जले हुए स्थान पर लगाने से जल्द आराम मिल जाता है।
- नेल पॉलिश को परफ्यूम की सहायता से साफ किया जा सकता है।
- -अगर जूतों के फीतों की टिप निकल जाए तो फीते के किनारों पर नेलपालिश लगाकर उसे सख्त किया जा सकता है।
- कांच के सामान को धोने से पहले वाशबेसिन में तौलिया बिछा दें इससे उनके टूटने या चटकने की संभावना कम रहती है।
- टी-बैग्स को गर्म पानी में भिगोकर उस पानी को करीब बीस मिनट के लिए अपनी आंखों के नीचे लगाने पर वहां की सूजन को दूर किया जा सकता है।
- इंजेक्शन लगने के बाद होने वाली तकलीफ, सनबर्न तथा रेजर से कट जाने पर कुछ टी-बैग्स को पानी में भिगोने के बाद चोट वाले स्थान पर लगाएं।
- कुम्हलाई हुई सब्जियों को नींबू की कुछ बूंद पड़े ठंडे पानी में एक घंटा तक भिगो दें। सब्जियां ताजा हो जाएंगी।
- चाय का स्वाद बढ़ाने के लिए उबालते समय इसमें सूखे या ताजे संतरे के कुछ छिलके डाल दें।
- रबर बैंड को गर्मी के कारण चिपकने से बचाने के लिए उसके डिब्बे में थोड़ा सा टैल्कम पाउडर डाल दें।
- जले हुए दूध की महक दूर करने के लिए इसमें पान के दो पत्ते डालकर कुछ मिनट उबालें।

स्टोन पेंटिंग से सजाएं घर

इमारतों के निर्माण के साथ घर की सजावट में भी पत्थरों की अहम भूमिका है। आर्टीफेक्ट्स के अलावा पत्थरों के जरिये बनाई जाने वाली पेंटिंग्स की खूबसूरती का भी कोई जवाब नहीं। घर के लिविंग रूम, किड्स रूम और बेडरूम के अलावा पूजाघर की सज्जा में भी ऐसी पेंटिंग्स का इस्तेमाल किया जा सकता है..

संगमरमर, ग्रेनाइट, कोटा स्टोन या फिर कसौटी पत्थर के विविध रूपों का इस्तेमाल बिल्डिंग्स के निर्माण और उनकी सजावट के लिए वर्षों से होता रहा है। लाल पत्थर से बने बात चाहे दिल्ली के लाल किला की हो या फिर सफेद संगमरमर से दमकते ताजमहल की। सैंड स्टोन से बने कोणार्क के सूर्य मंदिर और लिंगराज मंदिर की खूबसूरती भी कुछ कम नहीं। वैसे इन सभी इमारतों में एक चीज समान है और वो यह कि पत्थर से विभिन्न तरह के पत्थरों से बनी इन इमारतों की खूबसूरती अद्वितीय है। इमारतों के निर्माण, उनकी फ्लोरिंग आदि से लेकर पत्थरों से बने आर्टीफेक्ट्स के जरिये घर व ऑफिस की सुंदरता बढ़ाने के पत्थरों का इस्तेमाल वैसे तो सदियों से किया जा रहा है। लेकिन आज के दौर में पत्थर का इस्तेमाल एक नए रूप में भी हो रहा है। जिसे जाना जाता है स्टोन पेंटिंग के नाम से।

पत्थरों के रंग-बिरंगे छोटे-बड़े टुकड़ों का चूरा बनाकर विविधता भरे डिजाइनों पर इन्हें चिपका कर चमकीली स्टोन पेंटिंग तैयार की जाती है। जो कि देखने में बेहद आकर्षक होती है। इस तरह की पेंटिंग से घर की सज्जा को नई जीवंतता दी जा सकती है। ऐसी पेंटिंग तैयार करने के लिए ऐमेथिस्ट, कैल्सीडोना, कोर्नोलियन, एग्टे, ब्लड स्टोन आदि का इस्तेमाल किया जाता है। स्टोन पेंटिंग बनाने के लिए कैनवास पर मनचाही आकृति बना लेने के बाद उस पर गोंद जैसा एक खास तरह का चिपकने वाला पदार्थ लगाया जाता है। इसे लगाने के बाद बड़ी सफाई के साथ कैनवास या शीट पर रंग-बिरंगे पत्थरों को चिपकाने के बाद सूखने के लिए छोड़ दिया जाता है।

पूरी तरह सूख जाने के बाद इन पेंटिंग्स के रंगों में भी ऑयल पेंटिंग जैसा ही लुक आ जाता है। यह भी आप और आपके घर आने वाले मेहमानों का उतना ही ध्यान आकर्षित करने में समक्ष हैं जितना कि ऑयल या फिर ग्लास पेंटिंग की खूबसूरती किसी को आकृष्ट करती है।

अगर आप अपने घर को इस तरह की पेंटिंग से सजाना चाहते हैं तो विभिन्न बाजारों से इन्हें खरीद सकते हैं। आर्ट गैलरीज के अलावा साउथ एक्सटेंशन के डिपार्टमेंटल स्टोर्स, कनॉट प्लेस और हौज खास जैसे इलाकों में स्थित आर्ट गैलरियों में इनकी विविधता भरी वेरायटी देखी जा सकती है। स्टोन पेंटिंग के रूपों में जहां राजसी परिवारों के

राजा और रानियों के चित्र देखे जा सकते हैं, वहीं इनके जरिये की गई लैंड-स्केपिंग भी आंखों को कुछ ऐसी ताजगी देती है कि मन करता है कि पेंटिंग से नजरें हटाई ही न जाएं। आप चाहें तो ईश्वर की आकृतियां वाली स्टोन पेंटिंग भी ले सकते हैं। खासकर घर या फिर ऑफिस के पूजाघरों के लिए इन्हें उपयुक्त कहा जा सकता है। इसके अलावा बच्चों के कमरों में इन्हें सजाने के लिए उनके पंसदीदा कार्टून कैरेक्टर्स के चेहरे के रूप में भी लिया जा सकता है।

जहां तक ऐसी पेंटिंग्स की कीमत का सवाल है तो इसमें इनका आकार महत्वपूर्ण भूमिका निभता है। साथ ही पेंटिंग बनाने में कैसे और कौन सी किस्म के पत्थर का इस्तेमाल किया गया है, यह भी उसकी कीमत को प्रभावित करती है। वैसे डेढ़ फुट की लंबाई-चौड़ाई वाल

ी ऐसी पेंटिंग के

लिए आपको कम से कम

कम डेढ़ हजार रुपये का बजट रखना होगा। जैसे-जैसे आकार और पेंटर की मेहनत बढ़ेगी इसकी कीमत में भी इजाफा होता जाएगा।

पेंटिंग के पत्थरों से बनने की वजह से अगर आप इनकी देख-रेख को लेकर चिंतित हैं, तो फिक्र की कोई बात नहीं, क्योंकि फोटोग्राफ्स की तरह आमतौर पर इन्हें फ्रेम करा दिया जाता है, जिससे कि पत्थरों पर धूल-मिट्टी न पड़े। हां, अगर फ्रेम के शीशों पर धूल जमे तो सूखे और फिर हल्के गीले कपड़े से इन्हें साफ किया ही जा सकता है।

आम तौर पर पेंटिंग के रूप में घरों में ज्यादातर ऑयल कलर्स की पेंटिंग्स ही देखने को मिलती हैं। लेकिन अपने घर में कुछ अलग और नया करने के लिए आप भी स्टोन पेंटिंग का इस्तेमाल कर सकते हैं।

ऐसा हो किचन

परिवार छोटा हो या बड़ा, बैचलर हों या फिर बुजुर्ग, हर किसी के लिए कुछ अलग तरह के किचन की जरूरत पड़ती है। बुजुर्ग और बड़े परिवार के लिए कैसा हो किचन और कैसी सुविधाएं हों इसमें मौजूद..

घर में बैचलर हों तो छोटे किचन से काम चल जाता है, लेकिन परिवार बड़ा हो तो किचन में ज्यादा स्पेस का होना स्वाभाविक भी है। साथ ही खाना बनाने के अलावा दूसरे अप्लायंसेज की जरूरत भी कुछ ज्यादा ही होती है। इसी तरह से यदि घर में सिर्फ बुजुर्ग ही हों तो भी किचन में कुछ खास चीजों के अलावा किचन का डिजाइन अलग तरह का होना जरूरी है। कैसे परिवार के लिए कैसा हो किचन आइये जानते हैं-

बुजुर्गों के लिए

- पहले आप जितना चल-फिर पाते थे या काम कर पाती थीं हो सकता है अब आप उतना मूव नहीं कर पाएं इसलिए किचन ऐसे ढंग से व्यवस्थित करें जहां आपको बार-बार पीठ झुकानी और घुटने मोड़ने न पड़े। आपकी जरूरत का सारा सामान आपके चारों ओर हो। यहां दिए गए उपायों को अपनाकर आप अपने किचेन को सुविधाजनक बना सकते हैं।
- ऐसी फ्लोरिंग चुनें जिसे साफ करना आसान हो। इसके लिए सिरेमिक टाइल्स, टेक्सचर्ड टाइल्स, बैंबू या इसी प्रकार कोई भी फ्लोर मटीरियल चुनें। ताकि फिसल कर गिरने का डर भी न हो।
- बुजुर्गों के लिए मॉड्यूलर किचन बेस्ट विकल्प है। ताकि नीचे वाले कैबिनेट का इस्तेमाल करने में ज्यादा मशक्कत न करनी पड़े। किचन के अंदर ही मेज और दो कुर्सी की व्यवस्था ताकि सब्जी वगैरह काटते समय या बीच में आराम के लिए बैठा जा सके।
- किचन का लेआउट इस प्रकार हो कि वह सुरक्षित भी हो। सामने की तरफ एक खिड़की भी हो ताकि वेंटीलेशन हो सके।
- सीढ़ियों का प्रयोग न करें। अगर आप रैंच होम में रह रहे हैं तो सीढ़ियों को पाट दें या बराबर कर दें ताकि दिनभर ऊपर नीचे न करना पड़े।
- किचेन खुला और जगह वाला चाहिए ताकि आपको चलना-फिरना आसान हो।
- डाइनिंग एरिया के निकट ही किचेन होना चाहिए। ताकि पुरानी हैवी कटलरी/डिशेज उठाकर डाइनिंग टेबल तक ले जाना आसान हो। आप चाहें तो सामान ले जाने के लिए ट्रॉली का इस्तेमाल भी कर सकते हैं लेकिन इसके किचेन की फ्लोरिंग फ्लैट होनी चाहिए।
- सबसे महत्वपूर्ण है नेचुरल लाइट। इस उम्र में नजर कमजोर होने के कारण चीजों को देखना भी मुश्किल हो जाता है इसलिए तेज लाइट की व्यवस्था होनी जरूरी है।
- किचेन का रंग हलका चुनें ताकि वह खुला-खुला व साफ नजर आए।

5 जरूरी चीज़ें

- वाइब्रेटिंग लिक्विड लेवल इंटीकेटर
- माइक्रोवेव
- फूड एटीमर
- पोर होल्डर
- नॉन-स्लिप प्लेसमैंट

बड़े परिवार के लिए

ऐसे परिवार में आमतौर पर किचन के काम के लिए घरेलू सहायक होते हैं। इसलिए यहां बड़े और खुली जगह वाले किचन की जरूरत होती है। किचन का रोजमर्रा और 80 प्रतिशत काम घरेलू सहायक करते हैं इसलिए होममेकर के लिए उसी किचन में अपनी पसंद का कुछ बनाने के लिए सैपरेट काउंटर और बर्नर की जरूरत होती है।

- ऐसे परिवार के लिए लेजर किचन परफेक्ट होता है। यहां सामान डबल होता है। किचन अप्लायंस और उपकरणों का डबल सेट होता है। इसमें बार भी होता है।
- दो फ्रिज रखने के लिए कैबिनेट होना चाहिए।
- बर्तन धोने की जगह अलग होनी चाहिए और छोटी-मोटी जरूरत के लिए छोटा सिंक किनारे बनवाना चाहिए।
- छह बर्नर वाला एक चूल्हा और दो बर्नर वाला एक चूल्हा रखना चाहिए।
- फ्लैप ग्रेनाइट का रखें और काउंटर आर सी सी बेस होनी चाहिए ताकि अगर कभी कोई सामग्री कूटनी हो तो प्लैटफार्म में दरार न पड़े।
- टाइल्स फ्लोर रखें ताकि किचन बड़ा और साफ सुथरा दिखे। स्टोरेज की जगह जरूरी है।
- रंग ओक या बेज रखें ताकि खुला-खुला नजर आए।
- जगह बड़ी हो तो किचन के मध्य में डाइनिंग टेबल भी रख सकते हैं ताकि खाना बनाने के साथ परिवार के लोग होममेकर के साथ एंजॉय भी कर सकें। लाइव कुकिंग का मजा ही अलग होता है।

5 जरूरी चीज़ें

- स्लो कुकर/क्रॉकपॉट
- मीट टेंडराइजर
- फूड प्रोसेसर
- स्टॉकपॉट

..ताकि तंग न करें सीढ़ियां

अगर आप भी अपना घर बनवाने जा रहे हैं तो उसमें सीढ़ियों का विशेष ध्यान रखें। सीढ़ियों की ऊंचाई और चौड़ाई का सही अनुपात, घर के सदस्यों को आसानी से ऊपरी मंजिलों तक पहुंचाने और नीचे लाने में सहायक होगा..

जमीन खरीदकर मनमाफिक आशियाना बनवाने की चाह रखने वालों की कमी आज भी कुछ कम नहीं। क्या आपकी भी कुछ ऐसी ही ख्वाहिश है? अगर जवाब हां में है तो प्लॉट पर घर की कंस्ट्रक्शन कराते समय कुछ चीजों का खास ध्यान रखना जरूरी है। कंस्ट्रक्शन से पहले जाहिर है सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आप सॉयल टेस्टिंग तो कराएंगे ही साथ ही घर को भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदा से सुरक्षित रखने भूकंप-रोधी संरचना तैयार कराने पर भी विचार करेंगे। इन सब के साथ यह जरूर ध्यान रखें कि जब आप घर का नक्शा या फिर डिजाइन किसी आर्किटेक्ट से डिजाइन कराएं तो उसे सीढ़ियों की ऊंचाई और चौड़ाई पर विशेष ध्यान देने को कहें। वैसे अक्सर ऐसा भी होता है कि ज्यादातर लोग आर्किटेक्ट की मदद के बगैर ही कांट्रेक्टर के बताए नक्शे के मुताबिक प्लॉट पर कंस्ट्रक्शन कराना आरंभ कर देते हैं। इसका असर तब दिखता है जब वे घर में रहना शुरू करते हैं। ऐसी ही कुछ परेशानियों में सीढ़ियां भी एक हैं। अक्सर प्लॉट के आकार के छोटा होने पर तंग सीढ़ियां बना दी जाती हैं और फिर उस घर में रहने वाले जब भी सीढ़ियों पर चढ़ते उतरते हैं तो हमेशा तंग ही होते रहते हैं। ऐसे में कुछ चीजों का विशेष ध्यान रखना बेहद जरूरी है। आइये जानते हैं-

- सीढ़ियां बनाते समय हेड रूम का ध्यान रखना जरूरी है, जिससे कि लंबे व्यक्तियों का सिर छत से न टकराए। अक्सर ऐसा होता है कि जल्दीबाजी में सीढ़ियों से उतरते हुए सिर अथवा माथा छत या छज्जे से टकरा जाता है और चोट लग जाती है।
- सीढ़ियों को कम से कम 840 एमएम और ज्यादा से ज्यादा एक मीटर तक अपनी जरूरत के अनुसार रखना चाहिए।
- अच्छी सीढ़ी वही है जिसमें चढ़ते और उतरते वक्त आपको बहुत ज्यादा मेहनत न करनी पड़े। आम तौर पर किसी भी वयस्क का एक पग यानी स्टेप 600 एमएम यानी 2 फुट का होता है। इसको ध्यान में रखते हुए ही सीढ़ियों का निर्माण कराएं।
- यह ध्यान रखें कि सीढ़ियों पर ऊपर चढ़ते हुए दुगनी ऊर्जा लगानी पड़ती है, ऐसे में अगर सीढ़ियां ऊंची-नीची होंगी, उनमें सामंजस्य नहीं होगा तो दुर्घटना की संभावना बनी रहेगी।
- घर में इस्तेमाल की जाने वाली सीढ़ियों में 250 एमएम का ट्रेड और 165 एमएम से 175 एमएम तक का राइजर इस्तेमाल में लाया जा सकता है। आप इसे ज्यादा से ज्यादा 220 तक का रख सकते हैं। अगर राइजर ज्यादा ऊंचा होगा तो पैर भी ज्यादा ऊंचाई तक उठाने होंगे, जिससे चंद सीढ़ियां चढ़ने के बाद ही थकान महसूस होने लगेगी।
- सीढ़ियां इस तरह डिजाइन कराई जानी चाहिए कि उस तक आसानी से पहुंचा जा सके।
- अगर कमरों के दरवाजे सीढ़ियों के साथ खुल रहे हों तो ऐसे में कम से कम 310 मिलीमीटर तक की न्यूनतम दूरी जरूरी बनाकर रखनी चाहिए। इसका फायदा यह होगा कि कमरे से सीढ़ियों तक आसानी से स्टेप-अप किया जा सकेगा।
- सीढ़ियों को कभी बहुत तंग नहीं रखना चाहिए। ऐसा होने से खासकर ऊपरी मंजिलों पर फर्नीचर चढ़ाने और उतारने में परेशानी का सामना करना पड़ता है।
- सीढ़ियों की डेकोरेशन के लिए तमाम तरह के विकल्प मौजूद हैं। इन्हें सजाने में सबसे ज्यादा भूमिका रेलिंग की होती है। रेलिंग के लिहाज से आयरन या फिर स्टील फिनिश वाली रेलिंग का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

हेल्थ प्लस

गलत आहार का आदी न बनाएं बच्चों को

आज के बच्चों को पैकेटबंद खाना मुंह से निकलते ही उपलब्ध हो जाता है जैसे चिप्स, नूडल्स, चाकलेट, बिस्किट, पेस्ट्री, पिज़्ज़ा, बर्गर आदि। पेय पदार्थों में कोल्ड ड्रिंक्स, पैक्ड जूस बच्चों और युवाओं की खास पसंद है। कुछ तो युवा पीढ़ी इन चीजों का सेवन 'स्टेटस सिम्बल' के लिए करती है और कुछ बच्चे अधिकतर टी.वी. पर बार-बार आते विज्ञापनों को देख कर माता-पिता को तंग करने लगते हैं।

डिब्बा बंद खाद्य पदार्थों का चलन आधुनिक युग की पहचान बनता जा रहा है।

आधुनिक युग के माता-पिता की व्यस्तता के कारण ऐसे खाद्य पदार्थों को बढ़ावा दिया जा रहा है। कुछ डिब्बाबंद चीजों का सेवन सीधा किया जा सकता है, कुछ चीजों को बहुत कम समय में पकाया जा सकता है परन्तु आधुनिक शहरी खान-पान के कई दुष्प्रभाव भी देखे जा रहे हैं जो हमारे और हमारे परिवार के लिए घातक हो सकते हैं।

आजकल बच्चों और युवा पीढ़ी में क्रोध बढ़ता जा रहा है। दांत और आंखें अपनी उम्र से पहले यानी छोटी उम्र में ही खराब हो जाते हैं। बच्चों और महिलाओं में चिड़चिड़ेपन के अधिक होने से सहनशक्ति का अभाव भी बढ़ता जा रहा है। प्राकृतिक खुशी और सुंदरता तो चेहरों से दूर ही होती जा रही है। इन सबका कारण है- खानपान की गलत आदतें और प्रदूषण।

आज के बच्चों को पैकेटबंद खाना मुंह से निकलते ही उपलब्ध हो जाता है जैसे चिप्स, नूडल्स, चाकलेट, बिस्किट, पेस्ट्री, पिज्जा, बर्गर आदि। पेय पदार्थों में कोल्ड ड्रिंक्स, पैक्ड जूस बच्चों और युवाओं की खास पसंद है। कुछ तो युवा पीढ़ी इन चीजों का सेवन 'स्टेटस सिम्बल' के लिए करती है और कुछ बच्चे अधिकतर टी.वी. पर बार-बार आते विज्ञापनों को देख कर माता-पिता को तंग करने लगते हैं।

इन खाद्य पदार्थों को ऐसे आकर्षक तरीकों से पैक किया जाता है कि किसी का भी दिल उन्हें खाने के लिए मचल सकता है। स्कूल जाने वाले बच्चों में टॉफी, चाकलेट खाना तो एक आम आदत है। टमाटर 'सॉस' का प्रयोग भी बच्चे बेतहाशा करते हैं।

बाल रोग विशेषज्ञों के अनुसार ऐसे में बच्चों को इन खाद्य पदार्थों के दुष्प्रभावों की जानकारी समय-समय पर देते रहना चाहिए।

बाल रोग विशेषज्ञों के पास आने वाले बच्चों को मैडीकल रूप में समझाया जाना चाहिए। स्कूल कैंटीनों में भी इन खाद्य पदार्थों को बढ़ावा नहीं देना चाहिए। अध्यापक भी बीच-बीच में ऐसे खाद्य पदार्थों को लाने वाले बच्चों को हतोत्साहित करें। माता-पिता को भी इनका सेवन घर में नहीं करना चाहिए। स्कूल भेजते समय बच्चों के लंच बॉक्स में ताजी सब्जी व रोटी या परांठा पैक करके दें। पोहे, अंडों के विभिन्न व्यंजन, भूनी मूंगफली, बादाम, मुरमुरे को मिला कर दें। पैक्ड जूस की जगह सप्ताह में एक बार ताजे फलों का जूस घर पर बनाएं। सप्ताह में एक बार ताजी सब्जियों का सूप या दाल का सूप दें।

परिवर्तन हेतु बच्चों को घर की बनी पूड़ी, आलू की सब्जी, पाव भाजी भी दे सकते हैं। बच्चों को ताजी चटनी और घर की बनी टमाटर की चटनी खाने की आदत डालें।

संतुलित भोजन आपको और आपके परिवार को स्वस्थ और स्फूर्ति प्रदान करेगा। पढ़े-लिखे माता-पिता को खानपान के प्रति सतर्क रहना चाहिए।

घबराएं ना एसिडिटी से

आप पेट दर्द, खट्टी डकार, छाती में जलन से परेशान हैं तो आपको एसिडिटी हो सकती है। क्या आप बहुत ज्यादा तनावग्रस्त रहते हैं, आपका खान-पान नियमित नहीं है या आप दिन भर, काम में व्यस्त रहते हैं, तो हो सकता है आपको भी हाइपर एसीडिटी की शिकायत हो। यह तकलीफ पेट दर्द से लेकर पेट में गैस बनने तक कुछ भी हो सकती है।

इस व्याधि के रोगी को स्वयं भी आभास होने लगता है कि उसके पाचन संस्थान में कुछ खराबी हो गई है। इस रोग में पाकस्थल का रस बहुत तेजी से निकलता है, इसलिए एसिडिटी के रोगियों को भूख साधारणत: थोडी अधिक लगती है। इसी कारण कुछ लोग थोडा अधिक भोजन करते हैं और उसके बाद अत्यन्त कष्ट पाते हैं। रोग अधिक बढ जाने पर सामान्य या कुछ भी भोजन करते ही एसिडिटी हो जाती है।

घंटा भर इस तरह की तकलीफ मालूम होने पर छाती के ठीक बीच में जलन प्रारंभ होती है और पाकस्थली का संचित रस छाती से होकर गले में आ पहुंचता है। इस अवस्था में किसी-किसी समय उल्टी हो जाती है। उल्टी में जो कुछ निकलता है वह अत्यन्त खट्टा लगता है। दीर्घ समय तक यह अवस्था रहने पर दांत नष्ट हो जाते हैं और पाकस्थली में घाव उत्पन्न हो जाता है।

उपचार

एनिमा: सधारणत: एसिडिटी का रोगी पाचन रस की अम्लता नष्ट करने के लिए सोड़ा प्रयोग करता है। रोगी को सोडा न पीकर सोडा पानी के साथ बस्ती क्रिया [एनिमा] का प्रयोग करना चाहिए।

वमन

प्राकृतिक चिकित्सकों के अनुसान वमन [कुंजल क्रिया] शाखाएं से आमाश्य में स्थित दोष शमन हो जाने से अम्लपित्त के लक्षण समाप्त हो जाते हैं।

पेट लपेट

अम्लपित्त रोग में पेट लपेट प्रतिदिन 2 से 3 घंटे के लिए प्रयोग करनी चाहिए। यह लपेट खूब ठंडे पानी में भिगोकर अच्छी तरह निचोडकर और ऊनी कपड़े से खूब हल्का लपेट कर व्यवहार करना आवश्यक है।

योगासन व व्यायाम

रोजाना खुली जगह आधा घंटा व्यायाम, योगासन करना चाहिए। जो रोगी इतने कमजोर है कि उनके लिए व्यायाम करना असंभव हो तब प्रतिदिन दोनों समय टहलना चाहिए।

पानी पीना

अम्लपित्त के रोगी को प्रतिदिन 8 से 10 गिलास पानी पीना चाहिए। बिस्तर छोडने के बाद ही एक गिलास गरम पानी पीना चाहिए।

पथ्य आहार

खीरे का रस: एक सप्ताह केवल खीरे का रस पीकर रहना चाहिए।

नीबू- साधारणत: एसिडिटी के रोगियों को सुबह के समय पानी के साथ थोड़ा सा नीबू मिलाकर पानी पीना चाहिए। नीबू क्षारयुक्त होने के कारण रक्त का अम्लत्व नष्ट करता है।

नारियल

अम्लपित्त रोग के लिए नारियल बहुत अच्छा पथ्य है। कोष्ठबद्धता रहने पर पिसे हुए नारियल का दूध भी अम्लपित्त के रोगी के लिए बहुत अच्छा पथ्य है।

फलाहार

अम्लरोग की प्रबल अवस्था में फलाहार फायदेमंद रहता है। सेब, खूब पके केले, खरबूजा, मीठी नारंगी और उबले हुए आलू शरीर के अम्लत्व को कम करने में सहायता करते हैं।

जौ की रोटी

यदि रोगी कमजोर है तथा अम्लरोग की सामान्य अवस्था में जौ की रोटी अधिक लाभकारी होती है। यह भी गेहूं की तरह होता है, केवल इसके ऊपर का छिलका खुरदरा होता है।

सब्जियां

परवल, कच्चा पपीता, तोरई, लोकी, बैंगन, बथुआ, चौलाई, मैथी और लेटूस, पेठा इत्यादि सभी साग/सब्जियां ले सकते हैं।

आहार की मात्रा

अम्ल रोगी के आहार की मात्रा और समय नियमित होना आवश्यक है। अधिकांश उन्हें ही यह रोग होता है, जिनका आहार के संबंध में कोई नियम नहीं होता। इसलिए प्रतिदिन नियमित समय पर भोजन करना ही अम्लरोगी की चिकित्सा का पहला नियम है।

रोगी को एक बार में बहुत अधिक पेट भर कर भोजन करना उचित नहीं है। बार-बार थोड़ा-थोड़ा खाना ही उसके लिए सर्वोत्तम है।

एक्सरसाइज के साथ करें डाइट कंट्रोल

आमतौर पर महिलाएं जवानी के दिनों में अपनी हेल्थ पर इतना ध्यान नहीं देतीं। इसलिए उन्हें बुढ़ापे में ज्यादा परेशानी होती है। ऐसे में योगा और मॉर्निंग वॉक के साथ बैलेंस डाइट रखकर फिटनेस को बरकरार रखा जा सकता है।

उम्र बढ़ने के साथ - साथ फिटनेस बरकरार रखना काफी मुश्किल हो जाता है। खासतौर पर महिलाओं को इस मामले में और भी ज्यादा दिक्कत आती है , क्योंकि वे काम और परिवार दोनों के प्रेशर की वजह से जवानी में अपना इतना ख्याल नहीं रख पातीं। हमारे यहां बहुत कम महिलाएं जवानी के दिनों से एक्सरसाइज को लेकर जागरूक रहती हैं। ऐसे में अचानक बुढ़ापे में हार्ड एक्सरसाइज उनके लिए नुकसानदायक हो सकती है। इसलिए बूढ़ी महिलाओं को खुद को फिट रखने के लिए ब्रीदिंग एक्सरसाइज और मॉर्निंग वॉक से शुरुआत करनी चाहिए।

और अगर आप उन महिलाओं में शामिल हैं, तो शुरुआत से ही अपनी हेल्थ को लेकर जागरूक रही हैं। इसी वजह से आपने योगा और मॉर्निंग वॉक को अपने डेली रूटीन में शामिल कर रखा है। ऐसे में आपको लाइट वेट ट्रेनिंग शुरू करने की जरूरत है। अगर आप अपने योगा, वॉक और जिम के शेड्यूल को बरकरार रखेंगे, तो निश्चित तौर पर आपकी हेल्थ बरकरार रहेगी। इसके अलावा, आपको साल में कम से कम दो बार कंप्लीट हेल्थ चेकअप करना होगा। इनमें खासतौर पर घुटनों और पेलविक एरिया का चेकअप कराइए। इस तरह आपको किसी भी बीमारी के बारे में समय रहते पता लग जाएगा।

एक बार आपका एक्सरसाइज रूटीन सेट हो जाए, तो उसके बाद आपको डाइट सुधारने पर ध्यान देना होगा। जाहिर है कि फिटनेस बरकरार रखने में वर्कआउट के साथ डाइट कंट्रोल का भी बड़ा रोल होता है। अगर आप डाइट पर ध्यान नहीं दे रहे हैं, तो आपकी सारी एक्सरसाइज का कोई असर नहीं होने वाला। कोशिश करें कि शाम के वक्त आप कार्बोहाइड्रेट खाने से परहेज करें। इसी तरह आप शुगर वाली चीजें भी कम लेना शुरू करें। इसमें कोई दो राय नहीं है कि आपकी हेल्थ का सीक्रेट रोजाना एक्सरसाइज के अलावा बैलेंस डाइट ही है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान हैं अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। शुभांक-6-8-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
आय के नये स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंग। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 2032

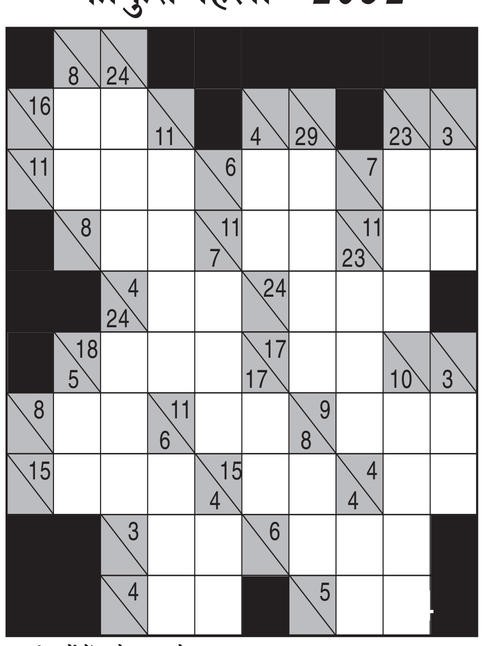

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

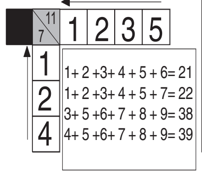

काकुरो - 2031 का हल

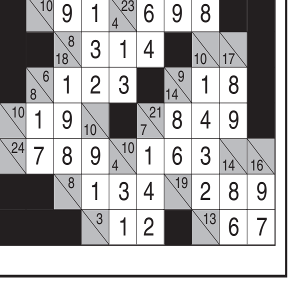

लॉफिंग जोक्स

न्यायाधिश (चोर से)- एक ही रात में छह चोरियाँ करने का आरोप है। इस पर तुम्हें क्या कहना है?

चोर मुस्कुराते हुआ बोला- जी हुजूर! मेरे पूज्य ससुरजी कहा करते थे कि मेहनत से कभी भी जी नहीं चुराना चाहिए।

□ □ □

पिछले दिनों सड़क पर धूमधाम से बारात जा रही थी। घोड़े पर दूल्हे मियाँ के मुँह पर पट्टी बँधी थी।

एक राहगीर ने यह देखकर एक बाराती से पूछा : भैया, दूल्हे के मुँह पर पट्टी क्यों बँधी है?

बाराती ने मुस्कुराते हुए कहा- भाई साहब दूल्हा मोहल्ले का नेता है। वह भीड़ देखते ही भाषण देने लगता है।

□ □ □

एक बार प्रेमी और प्रेमिका डेटिंग पर गए। बहुत देर घूमने-फिरने के बाद वे एक नितांत स्थान पर बैठ गए। अपने आसपास किसी को न पाकर प्रेमी ने मौके का फायदा उठाना चाहा और प्रेमिका की गाल की ओर अपना मुँह बढ़ाते हुए बोला- चुम्बन क्या है?

शरारत भरे अंदाज में प्रेमिका बोली- चुम्बन! प्यार के गुप्त समझौते पर हस्ताक्षर है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2032

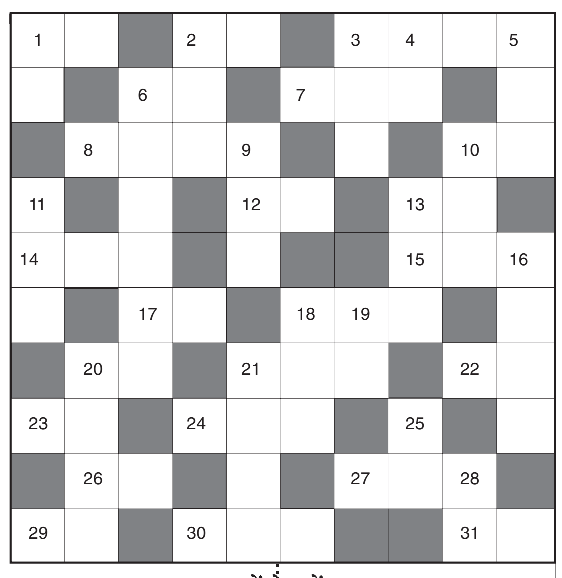

बायें से दायें:-

१. मनोज, विवेक, अंतरा की 'मखमली ये बदन' गीतवाली फिल्म-२
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीतवाली फिल्म-२
३. अभिषेक, ऋषिता भट्टा की फिल्म-४
६. 'बंदा ये बिंदास हैं' गीतवाली फिल्म-२
७. 'मेहंदी' में रानी का नायक?-३
८. 'तुझे देने को मेरे पास' गीतवाली अक्षय खन्ना, उर्मिला की फिल्म-४
१०. शाहरूख, चंद्रचूड, ऐश की फिल्म-२
१२. 'विल यू मैरी मी' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
१३. 'याइला रे लड़की' गीतवाली संजय दत्त, जैकी शिल्पा, की फिल्म-२
१४. इस फिल्म में अभिनय के लिये रवीना को राट्रीय पुरस्कार मिला था-३
१५. 'हरे रामा हरे कृष्णा' से फिल्मों में आई एक ब्यूटी क्वीन-३
१७. 'हुई आँख नम' गीत वाली फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, रणधीर कपूर, राकेश रोशन, रेखा, सनोबर कबीर की फिल्म-३
२०. राजकुमार, सुनीलदत्त वाली फिल्म 'हमराज' की नायिका-२
२१. 'ये रात ये बरसात' गीत वाली फिल्म-३
२२. मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
२३. 'मैं तुझसे मिलने' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
२४. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'समंदर' में पूनम का नायक?-२
२७. शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
२९. 'चल प्रेमनगर जायेगा' गीत वाली रणीधीरकपूर, बबीता की फिल्म-३
३०. 'ये जो हल्का हल्का सुरूर है' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, तब्बू, रीमा सेन की एक फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'नाच मेरी बुलबुल' गीत वाली राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२
२. मिथुन, रति अग्निहोत्री की 'ऐ देखो इधर' गीत वाली फिल्म-३
३. इंतहा हो गई' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
४. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. 'यार बदल ना जाना' गीत वाली अक्षय, करीना की फिल्म-३
६. एलबम 'तेरा चेहरा' का गायक-४,२
९. निर्मात्री-नायिका पूजा भट्ट व शरद कपूर की एक फ्लॉप फिल्म-३
१०. 'जोगी मत जा' गीत वाली दिलीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-३
११. दिलीप, मनोज, वहीदा की 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
१३. अमिताभ, जया की 'दीवाने हैं दीवानों को' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल दीवाने का' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
१८. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सुनता जा' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२०. अनिलकपूर, तब्बू, पूजा बत्रा की 'पायलें झूमें' गीत वाली फिल्म-४
२१. प्रदीप कुमार, नर्गिस की 'यूँ हसरतों के दाग' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'फूल माँगूँ ना बहार' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2031

सूडोकु -2032

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2031 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

शब्द पहेली - 2032

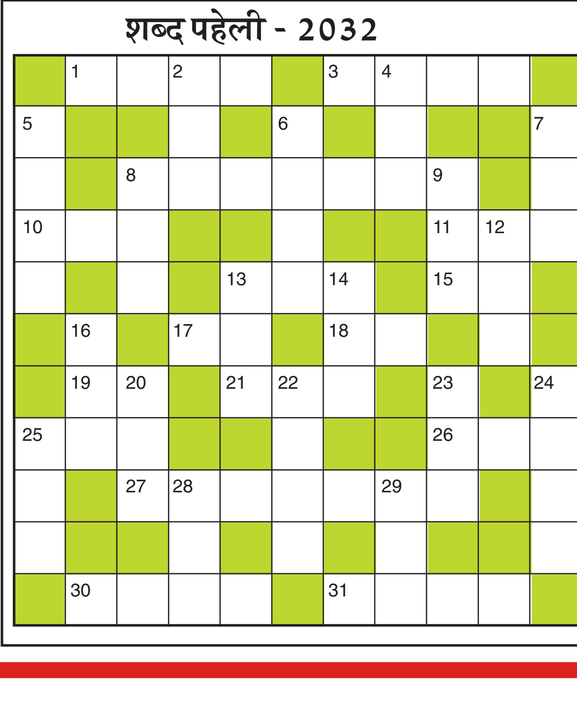

बाएँ से दाएँ

1.बादलों की गड़गड़ाहट-4
3.नीरस, रस विहीन-4
8.नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10.कंठस्थ करना-3
11.जुड़वा-3
13.उक्ति,काव्य कृति-3
15.आने वाला दिन-2
17.पर,पराया,दूसरा-2
18.हाथ-2
19.कविता लिखने वाल-2
21.बजाने वाला-3
25.कक्ष,रूम-3
26.ठिकाना,नीड़-3
27.हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30.अभिप्राय-4
31.आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे

2.तरुणाई,लड़कपन-3
4.सहायता,आधार-3
5.बीताना,यापन करना-4
6.दिखावा,पाखंड-4
7.जरुरत,स्वार्थ-3
8.राजी करना-3
9.योग्य-3
12.मसलना-3
13.इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14.सुगंध,लास-3
16.रोकड़ राशि-3
20.रुकना, स्थिर होना-3
22.विजय दशमी -4
23.भोर,सवेरा-3
24.सना हुआ,तर-4
25.छल,धोखा-3
28.अनुकृति-3
29.श्रंगार -3

शब्द पहेली -2031 का हल

विक्रम विश्वविद्यालय ने मुख्यमंत्री मोहन यादव और पद्मभूषण कमलेश डी. पटेल को दी डी लिट् उपाधि

एजेंसी

उज्जैन। विक्रम विश्वविद्यालय द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और रामचंद्र मिशन हार्टफुलनेस संस्थान के वैश्विक अध्यक्ष पद्मभूषण कमलेश डी. पटेल को डी लिट् की उपाधि प्रदान की गई है। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने आज हिन्दू नववर्ष (गुड़ी पड़वा) के अवसर पर विश्वविद्यालय के 29वें दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव और पद्मभूषण कमलेश डी. पटेल को मानद डी.लिट् की उपाधि से सम्मानित किया। समारोह में राज्यपाल पटेल ने विद्यार्थियों को भी उपाधि और स्वर्ण पदक प्रदान किए। समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा की कि आने वाले समय में विश्वविद्यालय का नाम बदलकर सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय किया जाएगा। विक्रम विश्वविद्यालय के 29वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए माता-पिता के प्रति कृतज्ञ रहने की सीख दी। उन्होंने कहा कि आज के दौर में माता-पिता छोटे बच्चों को उंगली पकड़कर स्कूल छोड़ने जाते हैं, लेकिन वही बच्चे बड़े होकर अच्छी नौकरी मिलने के बाद माता-पिता को भूल जाते हैं। यह गलत है। माता-पिता ने कठिनाइयों को सहकर बच्चों को बड़ा किया है, इसलिए उनका सम्मान और सेवा करना हर संतान का कर्तव्य है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि जो माता-पिता की सेवा करेगा, वही समाज और राष्ट्र की भी सेवा करेगा।

मणिकर्ण में बड़ा हादसा, पेड़ गिरने से छह लोगों की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश की धार्मिक नगरी मणिकर्ण में संवत के अवसर पर एक दर्दनाक हादसा हो गया। तेज हवाओं के चलते कायल का एक विशाल पेड़ अचानक सड़क किनारे खड़ी गाड़ियों पर गिर गया, जिससे छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में कुछ पर्यटक भी शामिल हैं। पुलिस और प्रशासन ने तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया, जबकि घायलों को कुल्लू अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यह हादसा मणिकर्ण गुरुद्वारा के सामने की सड़क पर हुआ। अचानक एक विशाल पेड़ टूटकर नीचे गिर गया, जिसकी चपेट में एक रेहड़ी संचालक, एक वाहन सवार और तीन पर्यटक आ गए। मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। प्रशासन द्वारा मृतकों की पहचान की जा रही है और उनके परिजनों को सूचना दी जा रही है। प्रशासन के अनुसार पहाड़ी से गिरे इस पेड़ के साथ भारी मात्रा में मलबा भी नीचे आ गया। आशंका जताई जा रही है कि भूस्खलन के कारण यह पेड़ अपनी जड़ों सहित उखड़ गया। मलबे में कुछ और लोगों के दबे होने की संभावना है, जिन्हें बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन तेज़ कर दिया गया है। प्रशासन राहत कार्यों में तेजी लाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

बीड जिले में मस्जिद के विस्फोट से दहशत, दो गिरफ्तार

मुंबई। बीड जिले में स्थित अर्धमसला गांव की मस्जिद में तड़के विस्फोट होने से इलाके में दहशत फैल गई। इस विस्फोट में सिर्फ फर्श और आसपास कुछ दरारें आ गई है और कोई हताहत नहीं हुआ है। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया और दोनों से गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार तड़के करीब 4 बजे मस्जिद में जिलेटिन विस्फोट होने से इलाके में दहशत फैल गई। विस्फोट के बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पुलिस स्टेशन के बाहर प्रदर्शन किया और घटना की तत्काल जांच की मांग की। विस्फोट की सूचना मिलन पर बम का पता लगाने वाली टीम और फोरेंसिक विशेषज्ञों के साथ बीड पुलिस टीम भी मौके पर पहुंच गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए संभाजी नगर डिवीजन के विशेष पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) वीरेंद्र मिश्रा ने घटनास्थल का दौरा किया और शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील नागरिकों से की है। घटना के संबंध में बीड़ जिले के पुलिस अधीक्षक नवनीत कंवत ने बताया कि गांव के सरपंच ने फोन कर घटना की जानकारी दी है। घटना के 20 मिनट के भीतर पुलिस टीमें मौके पर पहुंच गई और सुबह 6 बजे तक हमने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। बम का पता लगाने वाली और फोरेंसिक टीमों ने घटनास्थल से नमूने एकत्र किए हैं।

भाजपा ने गिनती के कारोबारियों को दिया अवसर, देश आर्थिक संकट में - अखिलेश यादव

लखनऊ, । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्र की भाजपा सरकार को घेरते हुए कहा कि देश आर्थिक संकट में फंसा है, और कारोबार तथा व्यवसाय करने की चिंता बढ़ती जा रही है। सरकार ने कारोबारियों के सामने तमाम तरह की समस्याएं खड़ी कर दी हैं। सपा मुखिया यहां एक कार्यक्रम में छोटे कारोबारियों एवं उद्यमियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा है कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों से बैंकिंग सेक्टर बैठ गया है। बैंकों के विलय कराने पड़े। ईज ऑफ डूईंग बिजनेस प्रभावी नहीं है। यह इनसल्ट, क्राइम, करप्शन और कमीशन का शिकार हो गया है। पूरा कारोबार जीएसटी और टीडीएस में उलझा हुआ है। मेक इन इंडिया दिखाई नहीं देता है। मैन्युफैक्चरिंग में चीन हावी है। सरकार ने पूरा बाजार दूसरों के हाथों में दे दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कारोबार के लिए सिर्फ गिनती के कारोबारियों को अवसर दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने छत्तीसगढ़ राज्य में 7 रेलवे परियोजनाओं की आधारशिला रखी

एजेंसी

बिलासपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छत्तीसगढ़ में 07 रेलवे परियोजनाओं की आधारशिला रखी और 04 परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया। इन परियोजनाओं की कुल लागत 2,695 करोड़ रुपये है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मोहभट्ठा, बिलासपुर स्थित कार्यक्रम स्थल से अभनपुर-रायपुर के बीच मेमू ट्रेन सेवा का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। ये परियोजनाएं राज्य में रेल परिवहन को और मजबूत करेंगी, जिससे यात्री एवं माल परिवहन को महत्वपूर्ण लाभ मिलेगा।प्रधानमंत्री ने बिलासपुर जिले में स्थित एनटीपीसी की सीपत सुपर थर्मल पावर परियोजना चरण-3 की आधारशिला रखी, जिसकी लागत 9,790 करोड़ रुपये से अधिक है। यह पिट हेड परियोजना उच्च बिजली उत्पादन

दक्षता के साथ अतिधुनिक अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल तकनीक पर आधारित है। प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड की 15,800 करोड़ से अधिक की लागत वाली पहली सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर परियोजना की शुरुआत की। पश्चिमी क्षेत्र विस्तार योजना के तहत 560 करोड़ से अधिक की लागत वाली पॉवर ग्रिड की तीन विद्युत पारेषण परियोजनाओं की शुरुआत की गई। प्रधानमंत्री ने कोरिया, सूरजपुर, बलरामपुर और सरगुजा जिलों के लिए भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की सिटी गैस वितरण परियोजना की आधारशिला रखी।इसमें 200 किलोमीटर से अधिक उच्च दाब पाइप लाइन और 800 किलोमीटर से अधिक मध्यम घनत्व पाली पाली एथीलीन पाइपलाइन और 1285 करोड़ से अधिक की लागत वाली कई सीएनजी डिस्पेंसिंग सिंग आउटलेट शामिल है। विशाख-रायपुर पाइपलाइन, वीआरपीएल परियोजना हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की 540 किलोमीटर लंबी परियोजना की भी आधारशिला रखी, जिसकी लगत 2210 करोड़ रुपये से अधिक है।

विकसित भारत निर्माण के लिए स्वस्थ भारत जरूरीः शिवराज सिंह

एजेंसी

ग्वालियर। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिये स्वस्थ भारत जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस दिशा में सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है, लेकिन इसके लिये केवल सरकार ही नहीं समाज को भी आगे आना होगा। आरोग्यधाम प्रकल्प वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के साथ यह काम बखूबी ढंग से कर रहा है। केन्द्रीय मंत्री चौहान शाम ग्वालियर में आरोग्यधाम सुपर स्पेशिलिटी चिकित्सालय के भूमिपूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा भेजे गए शुभकामना संदेश का वाचन भी किया गया। ग्वालियर में गोले का मंदिर के समीप एमआईटीएस कॉलेज के सामने नर सेवा, नारायण सेवा के ध्येय को लेकर तराणेकर स्मृति सेवा न्याय द्वारा लगभग 500 करोड़ रुपये की लागत से लगभग दो लाख वर्गफीट क्षेत्र में 500 पलंग के आरोग्यधाम सुपर स्पेशिलिटी चिकित्सालय का निर्माण होने जा रहा है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्य क्षेत्र सह कार्यवाह हेमंत मुक्तिबोध, केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, दंगल टीवी प्रा.लि. के प्रबंध निदेशक मनीष सिंघल, तराणेकर स्मृति सेवा न्यास के अध्यक्ष राधेश्याम गुप्ता व आरोग्यधाम संचालन समिति के अध्यक्ष मनोज सिंघल मंचासीन थे। केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि खुशी की बात है कि अद्भुत दिवस वर्ष प्रतिपदा के पावन अवसर पर 'मरीज ही हमारे लिये भगवान है', की भावना के साथ तराणेकर स्मृति सेवा न्यास के तत्वावधान में समाज के सहयोग से आरोग्यधाम सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल का भूमिपूजन हुआ है।

राजद संरक्षक लालू और कांग्रेस नेता सोनिया ने बिहार को 'बर्बाद' कर दियाः शाह

एजेंसी

पटना/गोपालगंज। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और उसकी सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर जोरदार प्रहार किया। शाह ने कहा कि राजद संरक्षक लालू प्रसाद यादव और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने बिहार को 'बर्बाद' कर दिया। वे आज दोपहर गोपालगंज में एक जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राजग की गठबंधन सरकार में राज्य के विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया और आज बिहार को बीमारू राज्य से प्रगतिशील राज्य की पंक्ति में लाकर के खड़ा कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अब बिहार को यह तय करना है कि उसे लालू-राबड़ी का जंगल राज चाहिए या मोदी जी और नीतीश कुमार का विकास पथ। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस जो 65 साल में नहीं कर पाई, वह नरेन्द्र मोदी ने 10 साल में कर दिखाया। उन्होंने कहा कि आने वाले बिहार विधानसभा में राजग सरकार को फिर से वोट दें। हम पांच साल के भीतर बिहार को बाढ़ मुक्त बना देंगे। बिहार में राजग

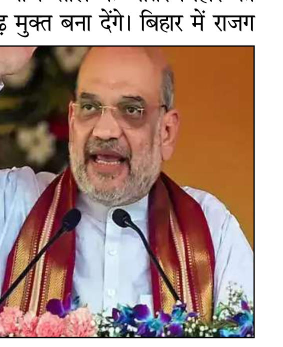

2005 में सत्ता में आयी और नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने। इस गठबंधन ने दो दशकों तक बिहार पर शासन किया है। पिछले 20 सालों में दो बार ऐसा हुआ है जब नीतीश कुमार विपक्षी खेमे में चले गए और राजद के साथ गठबंधन में राज्य सरकार चलाई। नीतीश कुमार अब राजग खेमे में वापस आ गए हैं और बिहार चुनाव के लिए भाजपा के साथ मिलकर तैयारी कर रहे हैं।

लालू यादव और उनके परिवार पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा, यहां लालू-राबड़ी शासन और केंद्र में सोनिया-मनमोहन सरकार ने बिहार के लिए कुछ नहीं किया। लालू के दोनों बेटे अब मुख्यमंत्री पद की तैयारी कर रहे हैं। उनकी बेटी (मीसा भारती) संसद में हैं। उनकी पत्नी राबड़ी देवी भी सदन (विधान परिषद) की सदस्य हैं। लालू अपने परिवार को सेट करने में व्यस्त हैं। उन्होंने बिहार में युवाओं को सेट नहीं किया। लेकिन केंद्र की नरेन्द्र मोदी ने युवाओं को रोजगार दिया है। शाह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण सुनिश्चित किया और बिहार में माता जानकी की प्रकाट्य स्थली पर भी भव्य मंदिर बनाने की योजना बनाई है। केंद्र की भाजपा सरकार ने छठ पर्व के लिए छुट्टियों को प्रोत्साहित किया है।

मणिपुर में अफस्पा छह महीने बढ़ा, नागालैंड और अरुणाचल के कुछ क्षेत्र भी शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पूर्वोत्तर के तीन राज्यों से जुड़े विभिन्न जिलों एवं पुलिस थानों पर लागू 'सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम' (अफस्पा) को 6 महीने के लिए बढ़ा दिया है। जारी अधिसूचना के तहत 13 पुलिस स्टेशनों को छोड़कर संपूर्ण मणिपुर, नागालैंड के आठ जिलों और 21 पुलिस स्टेशनों तथा अरुणाचल प्रदेश के तीन जिलों तथा तीन पुलिस थानों को 'अशांत' घोषित किया गया है। अशांत क्षेत्रों की स्थिति में तेजी से सुधार के लिए 'अफस्पा' के तहत सशस्त्र पुलिस बलों को कुछ विशेष अधिकार दिए जाते हैं। इसके तहत बलों को केंद्र की अनुमति के बिना अभियोजन चलाए जाने से भी संरक्षण मिलता है।गृह मंत्रालय की ओर से इस संबंध में तीन अगल-अलग अधिसूचना जारी की गई। अधिसूचना के तहत इंफाल पश्चिम के इंफाल, लाम्फेल, सिटी, सिंगजामेई, पाटसोई, वांगोई थानों, इम्फाल पूर्व के पोरोम्पैट, हिंगांग, इरिलबंग थानों, थौबल के थौवल थाने, विष्णुपुर के विष्णुपुर, नामबोल थानों और काकचिंग के काकचिंग थाने के अलावा सारे मणिपुर में अफस्पा लागू रहेगा। नागालैंड राज्य में दिमापुर, निउलैंड, चुमुकेदिमा, पुलिस थाने। लोंगलेंग जिले में यांगलोक पुलिस थाना और बोखा जिले में भंडारी, चांमपांग और रालान पुलिस थाने और जुनहेबोटो जिले में घटासी, पुघोबोटो, सताखा, सुरुहूतो, जुनहेबोटो और अघुनाटो पुलिस थाने में अफस्पा लागू रहेगा। अरुणाचल

मोन, किफिरे, नोकलाक, फेक और पेरेन जिले। कोहिमा जिले में खुजामा, कोहिमा उत्तर, कोहिमा-दक्षिण, जुबजा और केजोचा पुलिस थाने। मोकोकचुंग जिले में मांगकोलेंबा, मोकोकचुंग-1, लॉगयो, तुली, लोंगचेम और अनाकी %सी% प्रदेश के तिरप, चांगलांग एवं लांगडिंग जिलों तथा असम राज्य की सीमा से लगे अरुणाचल प्रदेश के नामसई जिले में नामसई, महादेवपुर एवं चौखम पुलिस थानों के अधिकार क्षेत्र के भीतर आने वाले क्षेत्रों में अफस्पा लागू रहेगा।

ओडिशा के कटक के निरगुंडी में बेंगलुरु-कामाख्या एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त, कुछ यात्री घायल

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा के कटक जिले के निरगुंडी पैसेंजर हाल्ट (पीएच) के पास बेंगलुरु-कामाख्या एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस एक्सप्रेस ट्रेन के 11 एसी कोच पटरी से नीचे उतर गए। इसमें कुछ यात्री घायल हो गए। दुर्घटना में घायल कुछ लोगों को कटक स्थित एससीबी मेडिकल कालेज व अस्पताल पहुंचाया गया है। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बेंगलुरु-कामाख्या एक्सप्रेस दुर्घटना पर चिंता जताते हुए त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। पूर्वी तटीय रेलवे ने जानकारी और सहायता के लिए कई हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। पूर्वी तटीय रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) अशोक कुमार मिश्रा ने इस घटना की पुष्टि की और बताया कि वरिष्ठ अधिकारी, जिनमें पूर्वी तटीय रेलवे के महाप्रबंधक और खुर्दा डिवीजन के डिविजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) शामिल हैं, साथ ही आपातकालीन टीमें मौके पर पहुंच गईं। राहत कार्य में सहायता के लिए खुर्दा से एक राहत ट्रेन भी भेजी गई है। उन्होंने कहा कि हमारी पहली प्राथमिकता फंसे हुए यात्रियों को सुरक्षित रूप से उनके गंतव्य तक पहुंचाना है। घायल यात्रियों को इलाज के लिए कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भेजा गया है।

सनातन संस्कृति भारतीय परंपरा की आधारशिला : दुर्गादास उइके

एजेंसी

हरिद्वार। देवसंस्कृति विश्वविद्यालय में चल रही दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आज समापन हो गया। इस संगोष्ठी में भारत सहित रूस, अमेरिका आदि देशों के सनातन संस्कृति के विस्तार में जुटे अनेक शिक्षाविदों, विचारकों एवं विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किये। समापन समारोह में मुख्य अतिथि व केन्द्रीय राज्यमंत्री दुर्गा दास उइके ने कहा कि सनातन संस्कृति भारतीय परंपरा की आधारशिला है, जिसने हमें पहचान और गर्व की भावना दी है। विश्वस्तर पर भारतीय संस्कृति के योगदान को समझना और उसकी महत्ता को पहचानना आवश्यक है।उइके ने कहा कि राष्ट्रीय धर्म और संस्कृति के विकास के लिए हमें शक्ति की साधना करनी चाहिए। गायत्री

परिवार का प्रत्येक स्वयंसेवक सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य कर रहा है। केन्द्रीय मंत्री उइके ने कहा कि राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता को बढ़ाने में सनातन संस्कृति महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ चिन्मय पण्ड्या ने कहा कि मानव को मानवता का पाठ पढ़ाने वाली भूमि भारत ही है। जहां से सनातन संस्कृति का विस्तार पूरे विश्व में हो रहा है। युवा आइकान ने कहा कि संगोष्ठी में विचार विमर्श के प्रमुख-प्रमुख अंशों का पुस्तकाकार दिया जायेगा, जिससे सनातन संस्कृति के जिज्ञासु और शोधार्थी लाभान्वित होंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक के अखिल भारतीय संयोजक गोपाल आर्य और सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत, यूपीकेएससी के अध्यक्ष डॉ जगमोहन राणा, डॉ एसएस नेगी, प्रो विनीत गहलोत आदि ने वैश्विक स्तर पर भारत के सांस्कृतिक गौरव को सशक्त करने पर जोर दिया। दो दिन चली इस संगोष्ठी में कुल आठ सत्र हुए। जिसमें शिक्षाविदों व विशेषज्ञों ने वैश्वीकरण के दौर में भारतीय संस्कृति के संरक्षण और प्रचार-प्रसार के लिए नवाचारपूर्ण विचारों पर चर्चा की और युवा पीढ़ी को सनातन परंपराओं के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न विषयों पर गहन मंथन किया। डॉ चिन्मय पण्ड्या ने केन्द्रीय राज्यमंत्री उइके, सांसद रावत और अखिल भारतीय संयोजक (आरएसएस) गोपाल आर्य का गायत्री महामंत्र लिखित चादर, युग साहित्य और प्रतीक चिह्न आदि भेंटकर सम्मानित किया। इस मौके पर विवि की ओर से संपादित पुस्तक एवं पत्रिका आदि का विमोचन भी किया गया।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में 68 लाख के 13 इनामी सहित 50 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

बीजापुर/रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर-सुकमा में पिछले दिनों हुई दो बड़ी मुठभेड़ के बाद 50 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें कुछ महिला नक्सली भी शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वाले 50 में से 13 नक्सलियों पर कुल 68 लाख रुपये का इनाम है। इन्होंने आज बीजापुर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पुलिस अधीक्षक, डीआईजी, सीआरपीएफ और अन्य पुलिस अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण कराने में डीआरजी, बस्तर फाइटर, एसटीएफ, केरिपु 85, 153, 168, 170, 196, 199, 222, 229 एवं कोबरा201, 202, 204, 205, 208, 210 का विशेष योगदान रहा है। इस संबंध में बीजापुर पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेंद्र यादव ने बताया कि एक साथ इतनी बड़ी

संख्या में नक्सलियों के आत्मसमर्पण करने से नक्सली संगठन को बड़ा झटका लगा है।आत्मसमर्पित नक्सलियों में पीएलजीए बटालियन नम्बर एक का 01 सदस्य, पीएलजीए कंपनी नम्बर दो के चार सदस्य, कंपनी नम्बर सात का एक सदस्य , कुतुल एरिया कमेटी, नेशनल पार्क एरिया कमेटी से एसीएम स्तर के 03 सदस्य, जनताना सरकार अध्यक्ष, केएएमएस अध्यक्ष, मिलिशिया कमाण्डर, मिलिशिया डिप्टी कमांडर, मिलिशिया प्लाटून सदस्य, मिलिशिया सदस्य एवं सावनार, कोरचोली, कमलापुर आरपीसी के अन्य सदस्य शामिल हैं। आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में जुड़ने वाले सभी नक्सलियों को प्रोत्साहन स्वरूप 25-25 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नक्सलियों के आत्मसमर्पण के पीछे जिले में हो रहे विकास कार्य बड़ा कारण रहा। तेजी से बनती सड़कें, गावों तक पहुँचती विभिन्न सुविधाओं ने इन्हें प्रभावित किया है। संगठन के विचारों से मोहभंग एवं मिली निराशा, संगठन के भीतर बढ़ते आंतरिक मतभेद इनके आत्मसमर्पण का बहुत बड़ा कारण है। छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास नीति ने कई नक्सलियों नई उम्मीद दी है और उन्हें संगठन के भीतर शोषण और क्रूर व्यवहार से बाहर निकलने के लिए प्रेरित किया है। यह नीति उन्हें समाज की मुख्यधारा में लौटकर सामान्य जीवन जीने की आशा देती है। इसके अलावा सुरक्षाबलों के लगातार अंदरूनी क्षेत्रों में कैम्प स्थापित करने और क्षेत्र में चलाए जा रहे आक्रामक अभियानों ने भी माओवादियों को संगठन छोड़ने के लिए प्रेरित किया है।

सनातन के लिए लगातार कार्य कर रही है सत्य ऑनलाइन और सनातन रक्षक परिषद : शेखावत

एजेंसी

हरिद्वार। सनातन रक्षक परिषद द्वारा आयोजित सनातन सम्मान एवं गंगा महोत्सव का उद्घाटन आचार्य बालकृष्ण महाराज, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, महामंडलेश्वर स्वामी रूपेंद्र प्रकाश ने दीप प्रज्वलित ऋषिकुल आयुर्वैदिक कॉलेज के सभागार में किया गया। हरकी पौड़ी हरिद्वार से शुरू हुआ गंगा महोत्सव मां गंगा की आरती और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से गंगा की संस्कृति को लोगों तक पहुंचाना और मां गंगा के प्रति जागरूकता को लेकर गंगा महोत्सव का आयोजन लगातार 15 वर्षों से संचालित है।

केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि सनातन को आगे बढ़ाने के लिए लगातार सत्य ऑनलाइन और सनातन रक्षक परिषद भारत मे कार्य कर रहा है। यही नहीं लोगों में जागरूकता पहुंचाना सनातन के प्रति जागरूक करने के लिए

लगातार कार्यक्रमों का आयोजन होता है। तीर्थ नगरी हरिद्वार में 16वां गंगा महोत्सव सनातन सम्मान समारोह 2025 में लोगों को और छोटी-छोटी उभरती बाल प्रतिभाओं को जागरूक करने का प्रयास किया गया। यही नहीं सत्य ऑनलाइन प्रोडक्शन के द्वारा सनातन को जागरूकता बढ़ाने के लिए एक भव्य फिल्म सनातन रक्षक का निर्माण किया जा रहा है। जो सभी वर्गों को एकजुट करने का मील का पत्थर साबित होगी। आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि मां गंगा को विभिन्न रूपों में पूजा जाता है और सनातन धर्म में कर्म के सिद्धांतों को माना जाता है जिसके अनुसार व्यक्ति के कर्मों के आधार पर उसका अगला जन्म तय होता है धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष सनातन धर्म में जीवन के चार उद्देश्यों को माना जाता है। धर्म नैतिक जीवन के लिए अर्थ आर्थिक स्थिरता काम सुख और संतुष्टि और मोक्ष मुक्ति के लिए। आज सनातन धर्म फिर से खड़ा हो रहा है और उसका पूरा श्रेय आप सभी को जाता है। आचार्य ने कहा कि सनातन धर्म के मूल्यों को समझे हुए हम अपनी संस्कृति अपने देश और अपने समाज को मजबूत नहीं कर सकते हैं। सनातन धर्म अनेकता में एकता की शक्ति है इसमें जातियों के लिए कोई जगह नहीं है। बस हमें यही समझना है।

प्रधानमंत्री मोदी के विजन व वर्किंग से भारत के प्रति दुनिया का नजरिया बदलाः विष्णुदत्त शर्मा

एजेंसी

भोपाल। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन और वर्किंग से भारत के प्रति दुनिया का नजरिया बदला है। प्रधानमंत्री मोदी भारत की राजनीति से जातिवाद और परिवारवाद को समाप्त करने के लिए कार्य कर रहे हैं। भाजपा को छोड़कर अधिकांश राजनीतिक दल एक परिवार की पार्टियां बनकर रह गई हैं। राजनीतिक सुचिता को बनाए रखने और विकसित भारत बनाने के लिए हर क्षेत्र के लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए ही प्रधानमंत्री मोदी ने इंटेलक्चुअल्स को पार्टी से जोड़ने की अवधारणा बनाई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने राज्य संग्रहालय में 'आईएम बीजेपी फ्यूचर फोर्स' के दो दिवसीय बूट कैंप के दूसरे दिन समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त को लालकिले की प्राचीर से एक लाख ऐसे लोगों को राजनीति में आने का आह्वान किया था, जिनके परिवार के लोग राजनीति में न हों। ऐसे लोगों को भाजपा से जोड़ने के लिए ही ''आईएम बीजेपी फ्यूचर फोर्स'' अभियान चलाया गया। आप सभी भाजपा की रीति-नीति से परिचित हुए। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज भारत दुनिया का नेतृत्व कर रहा है और दुनिया के अंदर भारत के प्रति परसेप्शन बदला है। आप लोग जैसे अलग-अलग क्षेत्र के प्रबुद्ध लोग, प्रोफेशनल्स और इंटेलेक्चुअल्स द्वारा भाजपा से जुड़ने से प्रधानमंत्री का एक लाख लोगों को राजनीति में लाने का संकल्प भी पूरा होगा।

माउंट आबू के जंगलों में भीषण आग, सेना की मदद से हालात काबू में

एजेंसी

सिरोही। राजस्थान के प्रसिद्ध हिल स्टेशन माउंट आबू के जंगलों में लगी भीषण आग ने हजारों हेक्टेयर वन क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया। इस आग के कारण न केवल वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास को भारी नुकसान पहुंचा है, बल्कि आसपास के इलाकों में भी दहशत का माहौल बन गया। आग पर काबू पाने के लिए सेना के जवानों को राहत कार्य में लगाया गया, जिसके बाद हालात अब नियंत्रण में हैं। वन विभाग के अनुसार, आग की शुरुआत शनिवार दोपहर 2 बजे छीपाबेरी क्षेत्र से हुई। तेज हवाओं के चलते आग तेजी से फैली और शाम तक यह लगभग 100 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र को प्रभावित कर चुकी थी। आग की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 17 किलोमीटर दूर गंभीरी नदी के किनारे से भी धुएं के गुबार देखे गए। माउंट आबू का जंगल 300 से अधिक भालुओं के अलावा कई अन्य वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास है। स्थानीय लोगों का मानना है कि इस आग में कई जानवरों की जान गई होगी, हालांकि वन विभाग ने अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है।

आग बुझाने का काम बेहद चुनौतीपूर्ण रहा क्योंकि घने जंगल में दमकल की गाड़ियों की पहुंच संभव नहीं थी। वनकर्मियों ने पैदल ही उपकरण लेकर आग बुझाने का प्रयास किया। हालात बिगड़ने पर सेना की मदद ली गई। डिफेंस पीआरओ अमिताभ शर्मा के अनुसार, स्थानीय प्रशासन से अनुरोध मिलते ही माउंट आबू मिलिट्री स्टेशन के सैन्य कर्मियों ने तुरंत दो टुकड़ियों को राहत कार्य में लगाया। इन टुकड़ियों में प्रशिक्षित कर्मियों के साथ-साथ दो वाटर बॉज़र और एक एंबुलेंस भी भेजी गई। राहत दल ने आग को फैलने से रोकने के लिए छोटे-छोटे समूहों में काम किया और स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर आग पर काबू पाया। हालांकि 80 प्रतिशत आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन गंभीरी नाले के आसपास अब भी धुआं उठता देखा जा सकता है। वन विभाग आग लगने के कारणों की जांच कर रहा है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि आग प्राकृतिक कारणों से लगी या यह किसी मानवीय लापरवाही का परिणाम थी।

उम्रदराज लोगों को होता है ऑस्टियोपोरोसिस

अक्सर उम्रदराज लोगों को आपने जोड़ों के दर्द की शिकायत करते सुना होगा, हड्डियों में तकलीफ की समस्या भी आम होती है। वृद्धों की इस आम समस्या को ऑस्टियोपोरोसिस कहा जाता है। इस बीमारी के रोगियों में रजोनिवृत्ति (मेनोपॉज) प्राप्त महिलाओं और उम्रदराज लोगों की संख्या ही ज्यादा होती है। एक अनुमान के मुताबिक दुनिया में लगभग दस करोड़ लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं। केवल भारत में इसके रोगियों की संख्या लगभग छह करोड़ दस लाख है, जिसमें 60-70 प्रतिशत महिलाएं हैं। पुरुषों को इस रोग का खतरा चालीस वर्ष की उम्र से तो महिलाओं को लगभग पैंतीस वर्ष की उम्र से होता है।

इस बीमारी में हड्डियां भुरभरी हो जाती हैं। साथ ही हड्डियों के ऊतकों का घनत्व कम हो जाता है, इस कारण किसी भी झटके से उनके टूटने की आशंका बढ़ जाती है।

उम्र का बढ़ना और कैल्शियम की कमी ऑस्टियोपोरोसिस को आमंत्रित करने वाले मुख्य कारण हैं। कैल्शियम हमारी हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है, इसकी कमी से हड्डियां कमजोर पड़ जाती हैं और उनके टूटने की दर बढ़ जाती है। रजोनिवृति के बाद महिलाओं में एस्ट्रोजन हारमोन की कमी के कारण इस रोग की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।

नीचे झुकने या सामान्य अवस्था में कमर दर्द होना और झुकने से कद कम होना इस बीमारी के सामान्य लक्षण हैं। इस बीमारी से अक्सर रीढ़ की हड्डी में भी विकृति आ जाती है, अतः रीढ़ की हड्डी में थोड़े से भी परिवर्तन को हल्के तौर पर ना लें। रोजमर्रा के काम जैसे कुछ चीज उठाने के लिए नीचे झुकने, बिस्तर बिछाने के लिए नीचे झुकने या किसी हल्के झटके जैसे बस या आटो रिक्शा की पिछली सीट पर लगे झटके से हड्डियों में बार-बार होने वाला फ्रैक्चर भी ऑस्टियोपोरोसिस की निशानी है।

यों तो सम्पूर्ण शरीर की हड्डियां इससे प्रभावित होती हैं। परन्तु सामान्य रूप से कूल्हे, कलाई और रीढ़ की हड्डियां ही इस रोग की मुख्य शिकार होती हैं। इसके परिणाम इस कदर भयंकर हो सकते हैं कि रीढ़ की हड्डी टूटने से कंधे झुक सकते हैं और कद छह इंच तक कम हो सकता है। कूल्हे का फ्रैक्चर होने की स्थित मिं अक्सर शल्य चिकित्सा के लिए अस्पताल में भर्ती होना पड़ता है। ऐसे रोगियों के अध्ययनों से यह निष्कर्ष सामने आया है कि कूल्हे के फ्रैक्चर वाले लगभग पचास प्रतिशत रोगी पूर्णतया ठीक नहीं हो पाते, वे सदा के लिए ही बिस्तर से बंध जाते हैं।

इस बीमारी का पता लगाना ज्यादा मुश्किल नहीं है विशेषकर महिलाओं में आसानी से इसका पता लग सकता है। वैसे तो बोन डेनसिटीमीटर से कुछ ही पलों में इस रोग का पता लगाया जा सकता है, पर एक साधारण से रिस्ट टेस्ट के द्वारा इस रोग का घर बैठे ही पता लगाया जा सकता है। इसके लिए कुछ साधारण प्रश्न आप खुद से पूछ सकती हैं, जिससे पता चला सकता है कि आपको यह बीमारी होने की आशंका है कि नहीं।

- क्या आप एक रजोनिवृत्त महिला हैं और क्या आपको पैंतालीस वर्ष की आयु से पहले ही रजोनिवृत्ति हो गई थी?
- क्या आप शारीरिक तौर पर सक्रिय नहीं हैं?
- क्या आप अपने आहार में कैल्शियमयुक्त खाद्य पदार्थ जैसे दूध और दूध से बनी चीजें कम लेती हैं?
- क्या आपकी या परिवार के किसी नजदीकी सदस्य की हड्डी किसी हल्के से झटके से टूटी है?
- क्या आप दमा या आर्थराइटिस के लिए कोर्टिकोस्टिरॉटड दवा छह महीने से ले रही हैं?

ऊपर लिखे प्रश्नों में से यदि एक प्रश्न का भी उत्तर हां है तो आपको ऑस्टियोपोरोसिस की आशंका हो सकती है, ऐसे में तुरंत डॉक्टरी सलाह लेना उचित रहेगा।

ऑस्टियोपोरोसिस का पता लगाने के लिए डॉक्टर अल्ट्रासाउंड बोन डेन्सिटोमीटर टेस्ट का सहारा लेते हैं। इससे अस्थियों में नुकसान की दर, फ्रैक्चर होने की संभावनाओं, इलाज के प्रभावों आदि की जानकारी मिल जाती है। इसमें एल्कोहल में भीगी रूई से टखनों के किनारों को साफ करके पैर को एक रेडिएशन फ्री मशीन के भीतर रखना होता है। मशीन में पैर फिट होने के बाद रीडिंग ली जाती है और दो मिनट में ही परीक्षण की रिपोर्ट सामने आ जाती है। जांच से पहले सामान्य खाना ही खाएं, इस बात का ध्यान रखें कि इस परीक्षण के चौबीस घंटे पहले कैल्शियम की खुराक न लें। यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि परीक्षण से सात दिन पहले तक कोई बेरियम-स्टडी रेडियो आइसोटोप इंजेक्शन अथवा सीटी अथवा एम.आर.आई परीक्षण के लिए ओरल या आई.वी कान्ट्रास्ट न लिया गया हो।

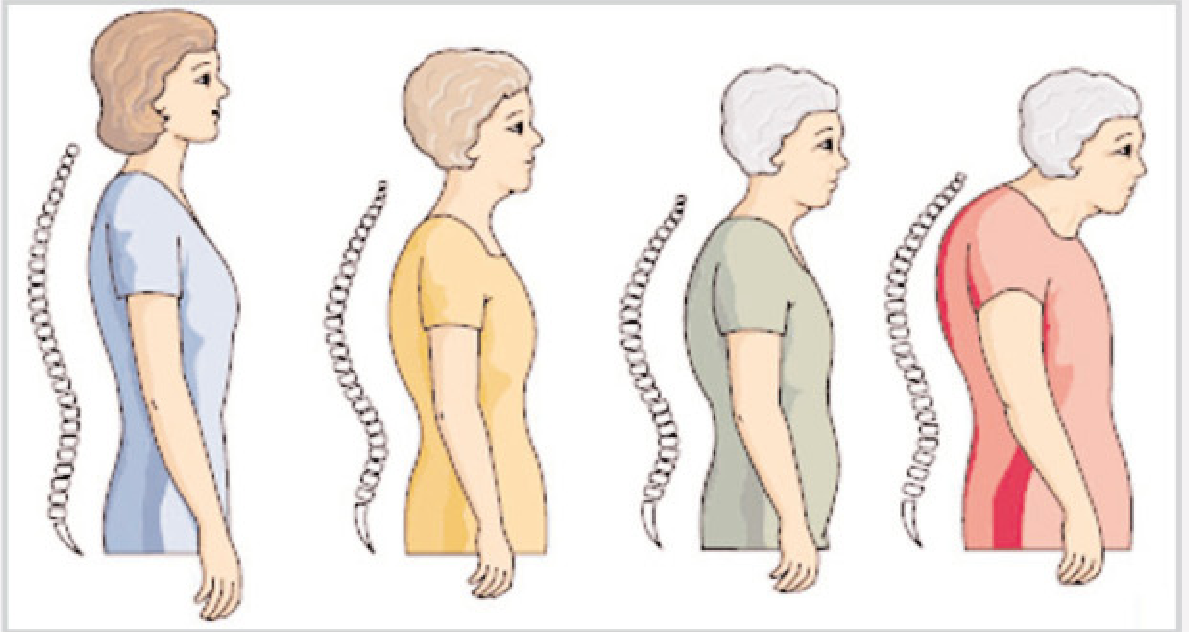

कुछ आसान से छोटे-छोटे व्यायाम भी आपको इस बीमारी से बचा सकते हैं। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

- फर्श पर लेट जाएं। दोनों हाथों को पेट पर रखकर घुटनों को 90 डिग्री के कोण में मोड़ें। अब कंधों को जमीन से सटाकर रखें और सिर को ऊंचा उठाएं, फिर धीरे-धीरे नीचे ले जाएं। इसे दस-पन्द्रह बार दोहराना चाहिए।
- पेट के नीचे तकिया रखकर फर्श पर पेट के बल लेट जाएं। दोनों हाथ नितम्बों पर रखें। अब सिर को फर्श तक झुकाएं और फिर जितना उठा सकें उठाएं। इस प्रक्रिया की पुनरावृत्ति दस से पन्द्रह बार करें।
- कुर्सी पर कुछ इस प्रकार बैठें कि आपकी पीठ कुर्सी से सटी हो। सिर के पीछे दोनों हाथों को क्रास करें। कोहनियों की पीछे की ओर खींचते हुए लंबी सांस लें और सांस छोड़ते हुए वापस पूर्व स्थिति में आ जाएं। ऐसा दस-पन्द्रह बार करें।
- हाथों और घुटनों के बल झुकें। एक घुटने को कमर की ऊंचाई तक ले जाएं फिर वापस पूर्व स्थिति में ले आएं। दूसरे पैर से यही व्यायाम करें। इस क्रिया को भी दस से पन्द्रह बार दोहराना उचित रहेगा।
- फर्श पर सीधे लेटें और दोनों हाथ पेट पर रखें। अब पैरों को फर्श से लगभग एक इंच ऊपर उठाएं इसमें ध्यान रखें कि घुटने आपस में जुड़े हों। इस स्थित मिं कुछ सेकेण्ड रुकने के बाद पैरों को नीचे ले आएं। ऐसे पांच से दस बार करें।
- कुर्सी पर पीठ लगाकर सीधे बैठें। बाहों को किनारे पर टिकाएं और पैरों को फर्श पर सीधे रखे। फिर अपने कंधों को पीछे की ओर धकेलने का प्रयास करे और फिर पहली वाली अवस्था में वापस आ जाएं। इसे भी दस या पन्द्रह बार दोहराएं।

एक अहम बात यह है कि इन व्यायामों को करने से पूर्व किसी विशेषज्ञ से परामर्श जरूर लें।

जहां तक खान-पान का प्रश्न है, सदैव ऐसा संतुलित आहार जिसमें पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम हो, इसके साथ ही फल जैसे नाशपाती, केला, अमरूद और अंजीर आदि भी लें। दालें, बादाम, अखरोट, टमाटर, मूंगफली, सोयाबीन, राजमा, पत्तागोभी, मेथी, मछली और ऑयस्टर मांस की पर्याप्त मात्रा भी भोजन में शामिल की जानी चाहिए।

कैफीन और एल्कोहल से बचना फायदेमंद होता है। सिगरेट से बचना भी जरूरी है क्योंकि यह एक्ट्रोजन के स्तर को कम करती है और महिलाओं में रजोनिवृति के समय हड्डियों के घनत्व पर बुरा असर डालती है। कार्बोनेटिक पेय और सोडा आदि भी न लें क्योंकि इसमें उपस्थित फास्फोरस आपके शरीर में उपस्थित कैल्शियम की अतिरिक्त मात्रा में कमी कर सकता है।

ऑस्टियोपोरोसिस से बचाव के लिए संतुलित आहार और नियमित व्यायाम जरूरी है हर सांतवे से दसवें वर्ष में पुरानी हड्डियों का स्थान नई हड्डियां ले लेती हैं। बड़े होने पर मजबूत हड्डियां हों इसलिए बचपन से भी हड्डियों की मजबूती का ध्यान रखना जरूरी होता है।

एक अनानास करे कई बीमारियों का नाश

अनानास का नाम सुनते ही बच्चे हों या बड़े इसे खाने से कतराते हैं। देखने में खूबसूरत लगने वाला यह फल खाने में उतना ही खट्टा और एसिडिक होता है। मगर अनानास जूस से भरा बेहतरीन फल है। इसका ट्रापिकल फ्लेवर मीठे और खट्टे दोनों को सही बैलेंस करता है। गर्मी हो या सर्दी यह कभी भी खाया जा सकता है। मगर ज्यादातर लोग इसे गर्मी में खाना पसंद करते हैं। इसे नमक और चाट मसाले के साथ खाएं, तो यह स्वादिष्ट लगता है।

अनानास में विटामिन्स और मिनरल्स की भरपूर मात्रा होती है। जैसे विटामिन ए और सी। कैल्शियम, पोटाशियम और फास्फोरस भी इसमे मौजूद होता हैं। फाइबर से युक्त और फैट व कोलेस्ट्राल बहुत कम होने के कारण सेहत के लिए इसे फायदेमंद माना जाता है। गर्मियों के लिए एक बेहतरीन फल है।

कफ और कोल्ड के वायरस से लड़ने के लिए इसमें विटामिन सी की सही मात्रा होती है। इसमें ब्रोमेलेन नामक पदार्थ होता है जो खांसी रोकने में मददगार है।

इसमें पाया जाने वाला मैग्नीज हड्डियों और उत्तकों को मजबूत बनाएं रखने में मददगार होता है। अनानास के लगातार सेवन से आपके मसूढ़े स्वस्थ और मजबूत रहते हैं।

अनानास मैकुलर डिजेनेरेशन से भी बचाता है। मैकुलर डिजेनेरेशन के कारण ही विजन लॉस होता है और रेटिना डैमेज होता है। इससे व्यक्ति अंधा हो सकता है। मगर अनानास में मौजूद बीटा कैरोटीन इस खतरे को तीस प्रतिशत तक कम करने में मददगार होता है।

पाचन संबंधी समस्याओं के लिए अनानास का सेवन सबसे फायदेमंद है। यह पाचन क्रिया को दुरूस्त बनाने में मदद करता है। अनानास में मौजूद ब्रोमेलेन इसके रस को न्यूट्रल करता है जिस कारण यह ज्यादा एसिडिक नहीं हो पाता।

यह पैनक्रियाज से बनाने वाले रस को भी नियंत्रित करता हैं जो पाचन क्रिया में आगे मददगार होते हैं। पैनक्रियाज में नियंत्रण के कारण हम डायबिटीज जैसी बीमारी से भी सुरक्षित रह सकते हैं।

प्रेग्नेंसी में च्यूइंग गम! खतरनाक

प्रेग्नेंसी के दौरान च्यूइंग गम ज्यादा खाने से बच्चा सील सिंड्रोम का शिकार हो सकता है। इस बीमारी में उसकी बॉडी तो नॉर्मल होगी लेकिन उसके हाथ-पैर छोटे बच्चे की तरह ही छोटे रहते हैं। कई बार पेशंट के पैरों में इतनी भी जान नहीं होती कि वह अपने पैरों पर खड़ा रह सके। इस बीमारी को भुगत रहे इराक के 46 साल के हुसैन अली राधी को जब हार्ट की बीमारी हुई तो उनके देश के डॉक्टर उनका इलाज करने के लिए तैयार नहीं हुए। लेकिन दिल्ली के डॉक्टरों ने विश्व में पहली बार ऐसे पेशंट की एंजियोप्लास्टी करके तीन स्टेंट लगाने में कामयाबी हासिल की। इलाज के बाद हुसैन अब अपने देश जाने की तैयारी में हैं।

हाथ-पैर छोटे

मैक्स के कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर विवेका कुमार ने बताया कि हुसैन एक जनेटिक बीमारी के शिकार हैं, जिस वजह से उनके हाथ और पैर छोटे बच्चे की ही तरह हैं यानी हाथ और पैरों की ग्रोथ नहीं हो पाई है, जबकि बाकी पार्ट्स सामान्य इंसान की तरह हैं। इस बीमारी को सील सिड्रोम कहा जाता है। अमूमन हर 25 हजार बच्चों में से एक को यह बीमारी होती है। आमतौर पर इस बीमारी में बच्चे का कद छोटा हो जाता है, लेकिन कई बार हाथ पैर में इतनी भी जान नहीं होती वह कुछ उठा सके या चल सके। ऐसे लोग पूरी जिंदगी वील चेयर पर ही होते हैं। हुसैन भी इसी तरह अपनी जिंदगी जी रहे हैं।

हार्ट में 3 ब्लॉकेज

डॉक्टर कुमार ने बताया कि हुसैन के हार्ट में तीन ब्लॉकेज पाए गए थे। वह इराक के कई अस्पताल गए लेकिन कोई भी डॉक्टर इलाज करने को तैयार नहीं हुआ क्योंकि हाथ-पैर छोटे होने की वजह से एंजियोप्लास्टी के लिए नस का साइज छोटा पड़ रहा था। आखिरकार वह दिल्ली पहुंचे। डॉक्टर ने बताया, पहले हमने बाइपास सर्जरी का प्लान किया था लेकिन उनके साइज को देखकर टाल दिया गया। पैर की नस से हार्ट तक पहुंचना भी मुश्किल था, इसलिए हाथ के जरिए उनके हार्ट में पहुंचा गया। यह मुश्किल प्रॉसिजर था, लेकिन सफल रहा।

बचें च्यूइंग गम से

डॉक्टर विवेका कुमार का कहना है कि जो महिलाएं गर्भ के दौरान च्यूइंग गम या पेन किलर ज्यादा खाती हैं, उनके बच्चे में ऐसी बीमारी होने की संभावना ज्यादा रहती है। डॉक्टर कुमार के मुताबिक, ऐसे पदार्थ में टेराटोजेनिक होता है, जो एंब्रियो को नुकसान पहुंचाता है। कुछ ऐसा ही पदार्थ पेन किलर थैलीडोमाइड में भी पाया जाता है, जिसे अब बैन कर दिया गया है। इसकी वजह से जैनेटिक डिसऑर्डर होता है और बच्चा सील सिंड्रोम का शिकार हो जाता है। महिलाओं को प्रेग्नेंसी के दौरान च्यूइंग गम से बचना चाहिए।

स्वास्थ्य पर 'हार्ड' होते 'सॉफ्ट' ड्रिंक्स के खतरे

सॉफ्ट ड्रिंक्स की आदत बच्चों से लेकर बूढ़ों तक को है। मौसम चाहे जो हो, इनके दीवाने इन्हें पीकर ही अपनी तलब मिटाते हैं। इससे क्षणिक तौर पर भले ही उन्हें अच्छा महसूस होता हो, पर दीर्घकालिक दृष्टि से ये सेहत के दुश्मन साबित होते हैं। एक दैनिक में छपी रिपोर्ट के अनुसार, सॉफ्ट ड्रिंक्स पीते ही तत्काल उसका प्रभाव शुरू हो जाता है। 20 मिनट में ही ब्लड शूगर का स्तर बहुत हाई हो जाता है। 40 मिनट बाद सॉफ्ट ड्रिंक्स में मौजूद कैफीन शरीर में समा जाती है जो ब्लड प्रैशर को बढ़ा देती है।

इसके कुछ ही समय बाद शरीर में डोपमाइन नामक कैमिकल बनता है जो एक तरह का नशा पैदा करता है। धीरे-धीरे सॉफ्ट ड्रिंक्स एडिक्शन हो जाती है। इसके 15 मिनट बाद शरीर के लिए महत्वपूर्ण कैल्शियम, मैग्नीशियम और जिंक पेशाब के जरिए शरीर से बाहर निकल जाते हैं। डीहाइड्रेशन की वजह से थकान महसूस होने लगती है। यदि कोई व्यक्ति 350 मिलीलीटर सॉफ्ट ड्रिंक्स की बोतल का सेवन करता है तो उसमें इतनी अधिक शक्कर होती है जो एक वयस्क आदमी की दिन भर की जरूरत से अधिक होती है।

फोर्टिस हॉस्पिटल की डा. नीलू तलवार के अनुसार सॉफ्ट ड्रिंक्स में मौजूद कैरेमल शरीर को इंसुलिन विरोधी बना देता है।

इम्पीरियल कालेज लंदन की शोध के अनुसार, सॉफ्ट ड्रिंक्स की हर 350 मिलीलीटर की बोतल के सेवन के साथ टाइप-2 डायबिटीज होने का खतरा 20 प्रतिशत बढ़ जाता है।

अमेरिकी हार्ट एसोसिएशन की शोध के अनुसार दुनिया में हर साल 1 लाख 80 हजार लोग सॉफ्ट ड्रिंक्स की वजह से मरते हैं।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी के मेलमैन स्कूल आफ पब्लिक हैल्थ ने अपने अध्ययन में पाया कि शीतल पेयों में पाया जाने वाला सोडा बच्चों में आक्रामकता, विरक्ति और ध्यान केंद्रित करने में परेशानी जैसी समस्याएं पैदा करता है। नियमित रूप से शीतल पेय पीने वाले बच्चे ज्यादा लड़ाई-झगड़ा करते हैं और जल्दी असंयमित हो जाते हैं। सॉफ्ट ड्रिंक्स में पोषक तत्वों का नितांत अभाव रहता है। इसमें विटामिन तथा खनिज लवण आदि नहीं होते।

सॉफ्ट ड्रिंक्स की अम्लीयता अधिक होती है जो हमारे दांतों और हड्डियों को गलाने में सक्षम है। हड्डियां गलने लगती हैं और इनका कैल्शियम धमनियों, शिराओं या अंगों में जमा होने लगता है। गुर्दे में जमा होकर यह पथरी का कारण बनता है। आम तौर पर लोग भोजन करने के बाद सॉफ्ट ड्रिंक्स का सेवन करते हैं। पेट में उपस्थित पाचक एंजाइमों की कार्यक्षमता 37 डिग्री सैल्सियस तापमान पर सर्वाधिक होती है जबकि सॉफ्ट ड्रिंक्स का तापमान इससे बहुत कम, जीरो डिग्री तक होता है। इस वजह से पाचक रस काम नहीं कर पाते और भोजन अपचा रह जाता है।

ऐसी स्थिति में उसका फर्मेंटेशन शुरू हो जाता है जिससे गैसें एवं विषैले पदार्थ बनने लगते हैं। आंतें इन्हें सोखकर रक्त में पहुंचा देती हैं और रक्त के साथ शरीर के विभिन्न अंगों में पहुंचकर ये कई प्रकार के रोग पैदा करते हैं। कार्बनडाइआक्साइड शरीर को काफी नुकसान पहुंचाती है। कुछ वर्ष पूर्व दिल्ली यूनिवर्सिटी का एक छात्र एक प्रतियोगिता में सॉफ्ट ड्रिंक्स की आठ बोतलें एक साथ पी गया था जिससे उसकी मृत्यु हो गई। डाक्टरों ने मृत्यु का कारण उसके रक्त में कार्बनडाइआक्साइड की अत्यधिक मात्रा होना बताया था।

कुछ लोगों को कैमिकल, रंग और सुगंध आदि से एलर्जी होती है। ऐसे में सॉफ्ट ड्रिंक्स में मौजूद रसायन, रंग सुगंध उनके लिए जानलेवा हो सकती है। इसी प्रकार सॉफ्ट ड्रिंक्स को लम्बे समय तक टिकाऊ या सुरक्षित बनाए रखने के लिए उसमें प्रिजर्वेटिव मिलाए जाते हैं जो निरापद नहीं होते।

कुछ लोग नकली सॉफ्ट ड्रिंक्स बनाने और बेचने का धंधा करते हैं। वे प्रसिद्ध कम्पनियों की खाली बोतलों में नकली या घटिया माल भरकर उपभोक्ता की सेहत और जेब दोनों पर डाका डाल रहे हैं।

गर्मियों में ये 5 तरीके फैट कम करेंगे

फिटनेस के लिए जरूरी नहीं कि हमेशा जबरदस्त ट्रेनिंग और कार्डियो की ही जरूरत हो। रेग्युलर आउटडोर ऐक्टिविटीज भी एक्स्ट्रा कैलरी कम कर सकती हैं। गर्मियों में आप कुछ ऐसी मजेदार ऐक्टिविटीज अपना सकते हैं जिनके जरिए कैलरी कम की जा सके। जानिए ऐसी पांच गतिविधियां-

स्विमिंग- स्विमिंग पूल में हल्का फुल्का स्विम करना भी आपके स्वास्थ्य के लिहाज से अच्छा है। अगर आप ठीक-ठाक समय तक स्विमिंग करते हैं तो कैलरी बर्न होती ही है लेकिन यदि हल्की-फुल्की करें तो भी एक हद तक कैलरी बर्न की जा सकती हैं। बस ये ध्यान रखें कि स्लो पेज पर स्विम करें।

साइकलिंग- साइकलिंग के नाम से बचपन याद आ जाता है। कितना अच्छा हो यदि आप इन गर्मियों में अपने बचपन को याद करते हुए थोड़ी बहुत साइकलिंग भी कर लें। इससे एक पंथ दो काज हो जाएंगे_ बचपन की मौज की याद ताजा और अच्छी एक्सरसाइज भी।

वाटर स्पोर्ट्स- गर्मियों में पानी में डुबकी लगाने वाले गेम्स न सिर्फ मजा देते हैं बल्कि आपको कैलरी बर्न करने मे भी मदद करते हैं। वाटर स्कीइंग, वाटर राफ्टिंग जैसे स्पोर्ट्स के जरिए एक्स्ट्रा कैलरीज बर्न करिए।

बैडमिंटन- क्या आपको पता है कि आउटडोर जैसे बैडमिंटन जैसे गेम्स आपको 10 मिनट में 50 कैलरीज से निजात दिला सकते हैं। यह खेल मजेदार तो है ही और इसके लिए आपको कुछ खास तैयारी भी नहीं करनी है। केवल दो रैकेट्स और शटलकॉक्स.. और आप हो गए तैयार।

गार्डनिंग- क्या आप गार्डनिंग का शौक रखते हैं? गर्मी के इस मौसम में अपने गार्डन में कुछ वक्त बिताइए या गार्डन बनाइए। नए प्लांट्स लगाना, उनकी देखभाल करना और मिट्टी आदि से संबंधित जो काम आप करेंगे वह न सिर्फ आपकी कैलरी बर्न करेगा, आपको फ्रेश सब्जियां-फल भी कुछ समय बाद मिलने लगेंगे।

बीकेएफसी के लिए दुबई तैयार, दिग्गज कॉनर मैकग्रेगर ने जताई उत्सुकता

एजेंसी

दुबई। बेयर नकल फाइटिंग चैंपियनशिप (बीकेएफसी) अगले सप्ताह संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अपने बहुप्रतीक्षित आगमन के लिए तैयार है। यह आयोजन वर्ल्ड लीग ऑफ फाइटर्स और दुबई स्पोर्ट्स काउंसिल के सहयोग से 4 और 5 अप्रैल को प्रतिष्ठित दुबई ड्यूटी-फ्री टेनिस स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता में दुनिया के बेहतरीन मुक्केबाज बिना दस्ताने के दमदार मुकाबलों में आमने-सामने होंगे, जिसमें सभी सुरक्षा मानकों का पालन किया जाएगा। मिक्स मार्शल आर्ट्स दिग्गज कॉनर मैकग्रेगर ने अपने उत्साह को व्यक्त किया और बीकेएफसी के अध्यक्ष डेविड फेल्डमैन ने यूएई को एक गेमचेंजर के रूप में देखा। फेल्डमैन ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा, 'हम इस खेल को वैश्विक स्तर पर ले जा रहे हैं। छह हफ्तों में आठ आयोजन, चार देशों में। हम दुबई ड्यूटी-फ्री टेनिस स्टेडियम में 4 और 5 अप्रैल को होने वाले दो इवेंट और चार विश्व चैम्पियनशिप मुकाबलों के लिए आ रहे हैं।'बीकेएफसी की दुबई में एंट्री, संगठन की वैश्विक विस्तार योजना का हिस्सा है, जिसके तहत छह हफ्तों में चार अलग-अलग देशों में कुल आठ आयोजन किए जा रहे हैं। संयुक्त अरब अमीरात, जो अब तक बड़े-बड़े खेल आयोजनों का गवाह बन चुका है, अब पहली बार बिना दस्तानों के मुक्केबाजी का रोमांच देखेगा।

बिहार के सब्जी विक्रेता के बेटे ने अपना ही नेशनल रिकार्ड तोड़ केआईपीजी 2025 में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली। बिहार के हरनौत के एक सब्जी विक्रेता के होनहार बेटे झंडू कुमार ने अपना ही नेशनल रिकार्ड तोड़कर यहां जारी खेलों इंडिया पैरा गेम्स (केआईपीजी) 2025 में स्वर्ण पदक जीता है। केआईपीजी के पहले संस्करण में रजत पदक जीतने वाले झंडू कुमार ने अपना खेल करियर हरनौत से ही शुरू किया था और एक रोचक लेकिन संघर्ष भरे सफर के बाद वह गांधीनगर स्थित साई एनसीई पहुंचे और फिर मशहूर पैरा कोच राजिंदर सिंह रहेलू की देखरेख में अपनी प्रतिभा की चमक दिखानी शुरू कर दी। 28 साल के झंडू कुमार के दोनों पैर जन्म से ही पोलियोग्रस्त हैं। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम परिसर में स्थित वेटलिफ्टिंग हाल में 72 किग्रा कटेगरी में 206 किग्रा वजन के साथ अपना ही नेशनल रिकार्ड तोड़ा। इससे पहले उन्होंने नोएडा में 17-18 मार्च को आयोजित पैरा नेशनल चैंपियनशिप में 205 किग्रा वजन के साथ हरियाणा के सुधीर कुमार का 192 किग्रा का नेशनल रिकार्ड तोड़ा था। झंडू कुमार 2017 से पहली बार खेलों में आए। शुरुआत में शाटपुट और डिस्कस थ्रो करते थे। साथ ही वह पावरलिफ्टिंग भी करते थे। तब तक उनको पैरा पावरलिफ्टिंग के बारे में पता नहीं था। एफ-55 कटेगरी में उन्होंने शाटपुट और डिस्क्स थ्रो में कई इवेंट्स में हिस्सा लिया और सफलता भी अर्जित की लेकिन उनकी मंजिल कहीं और थी, लिहाजा किस्मत उन्हें उस ओर ले गई।

विदेशी खिलाड़ियों को जीआई-पीकेएल में अपनी प्रतिभा दिखाते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं : कार्तिक डम्मू

गुरुग्राम। अंतरराष्ट्रीय कबड्डी सितारे ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) में भाग लेने के लिए उत्साहित हैं। यह बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट 18 अप्रैल से गुरुग्राम में शुरू होने वाला है। पहले सीजन में 12 टीमें (6 पुरुष और 6 महिला टीमें) हिस्सा ले रही हैं। जीआई-पीकेएल के संस्थापक कार्तिक डम्मू ने एक बयान में कहा कि मैं विदेशी खिलाड़ियों को ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग में अपनी प्रतिभा दिखाते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं। कबड्डी एक ऐसा खेल है जिसकी जड़ें भारत में हर जगह फैली हुई हैं और इसे वैश्विक स्तर पर फैलते देखना काफी रोमांचक करने वाला है। विभिन्न देशों के एथलीटों के प्रतिस्पर्धा करने से न केवल खेल की तीव्रता बढ़ेगी, बल्कि खेल में नई शैलियां और रणनीतियां भी आएंगी। यह लीग वास्तव में एक अंतरराष्ट्रीय कबड्डी अनुभव की शुरुआत है और मैं इसे देखने के लिए उत्साहित हूं। आईपीकेएल के संस्थापक सोहन तुसीर ने खिलाड़ियों की गुणवत्ता को लेकर भरोसा जताते हुए कहा कि यह लीग दुनियाभर में कबड्डी के नए उभरते सितारों के लिए मार्ग प्रशस्त करेगी और उन प्रतिभाओं को एक बड़ा मंच देगी जो इस मौके का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

धीमे ओवर रेट पर हार्दिक पर लगा 12 लाख रूपए का जुर्माना

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के सत्र में मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पर गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में स्लो ओवर रेट के लिए 12 लाख रूपये का जुर्माना लगा हैं। आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के तहत मुम्बई इंडियंस का इस सत्र का पहला ओवर-रेट अपराध है, जो न्यूनतम ओवर-रेट उल्लंघन को संबोधित है। आईपीएल 2025 से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपनी नीतियों में संशोधन किया है। नए नियमों के अनुसार अब धीमे ओवर रेट के कारण कप्तान पर मैच का प्रतिबंध नहीं बल्कि जुर्माना लगेगा। इसके अलावा मैच के दौरान कुछ क्षेत्ररक्षण के प्रतिबंध भी लागू होंगे।

आईपीएल 2025 : पर्पल कैप और ऑरेंज कैप तालिका में बड़ा उलटफेर

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) में हुए दोहरे मुकाबलों के बाद पर्पल कैप और ऑरेंज कैप तालिका में बड़े बदलाव देखने को मिले। पहले मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को हराया, जबकि दूसरे मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को शिकस्त दी। इसके बाद पर्पल कैप की दौड़ में नया नंबर 2 और 3 खिलाड़ी सामने आया।

पर्पल कैप तालिका

1. नूर अहमद (सीएसके) - 9 विकेट (11 मैच)

चेन्नई सुपर किंग्स के फिरकी गेंदबाज नूर अहमद ने 9 विकेट लेकर पर्पल कैप की दौड़ में अपनी शीर्ष स्थिति बनाए रखी है। राजस्थान के खिलाफ चेन्नई की हार के बावजूद उन्होंने 2 विकेट (28 रन देकर) झटके और संजू सैमसन व ध्रुव जुरेल को आउट किया। बेंगलुरु के खिलाफ उन्होंने फिल सॉल्ट (32 रन) और विराट कोहली (31 रन) को पवेलियन भेजा, साथ ही लियाम लिविंगस्टोन का भी विकेट लिया। सत्र के पहले मुकाबले में मुंबई के खिलाफ उन्होंने 4 विकेट लेकर मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता था।

2. मिशेल स्टार्क (डीसी) - 8 विकेट

दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने हैदराबाद के खिलाफ करियर की सर्वश्रेष्ठ टी20 गेंदबाजी की और 5 विकेट (35 रन देकर) चटकाए। उन्होंने शुरुआती छह ओवर में ट्रैविस हेड, ईशान किशन और नितीश कुमार रेड्डी को आउट किया। फिर 18वें ओवर में हर्षल पटेल और वियान मुल्डर को भी पवेलियन भेजा। इससे पहले, लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ उन्होंने 3 विकेट (42 रन देकर) लिए थे। अब उनके खाते में 8 विकेट हैं और वह दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

3. खलील अहमद (सीएसके) - 6 विकेट

चेन्नई के तेज गेंदबाज खलील अहमद ने राजस्थान के खिलाफ 2 विकेट (38 रन देकर) लेकर शीर्ष 3 में प्रवेश कर लिया। उन्होंने यशस्वी जायसवाल (4 रन) और जोफ्रा आर्चर (0 रन) को आउट किया। मुंबई के खिलाफ पहले मैच में उन्होंने 3 विकेट (29 रन देकर) और बेंगलुरु के खिलाफ 1 विकेट (28 रन देकर) लिया था।

ऑरेंज कैप तालिका

1. निकोलस पूरन (लखनऊ) - 145 रन

निकोलस पूरन ने अब तक सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। दिल्ली के खिलाफ उन्होंने 30 गेंदों पर 75 रन और हैदराबाद के खिलाफ 26 गेंदों पर 70 रन की विस्फोटक पारी खेली। वह 13 छक्कों के साथ सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज भी हैं और उनका स्ट्राइक रेट 258.92 है, जो लीग में सबसे अधिक है।

2. बी साई सुदर्शन (जीटी) - 137 रन

गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज बी साई सुदर्शन 137 रन बनाकर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। पंजाब के खिलाफ उन्होंने 74 रन और मुंबई के खिलाफ 63 रन बनाए। उन्होंने दोनों पारियों में 41-41 गेंदों का सामना किया और 167.07 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की।

3. ट्रैविस हेड (एसआरएच) - 136 रन

हैदराबाद के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने दिल्ली के खिलाफ 12 गेंदों पर 22 रन बनाए, जिससे उनकी रनसंख्या 136 हो गई। इससे पहले उन्होंने राजस्थान के खिलाफ 67 और लखनऊ के खिलाफ 47 रन बनाए थे। हालांकि, दिल्ली के खिलाफ मिशेल स्टार्क ने उन्हें जल्दी आउट कर दिया। आईपीएल 2025 में अब तक के आंकड़ों के अनुसार, पर्पल कैप और ऑरेंज कैप की दौड़ काफी रोमांचक हो गई है। आने वाले मुकाबलों में और बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

युवा ऑल स्टार्स चैम्पियनशिप: जयपुर पिंक कब्स ने शानदार जीत दर्ज की

एजेंसी

हरिद्वार। हरिद्वार के वंदना कटारिया इंडोर स्टेडियम में चल रहे युवा ऑल स्टार्स चैम्पियनशिप के सुपर 6 राउंड ने खेल प्रेमियों के बीच जबरदस्त रोमांच पैदा किया है। खेले गए मुकाबलों में चंडीगढ़ चार्जर्स, सोनीपत स्पार्टन्स और युवा मुंबा ने जीत का परचम लहराया। जयपुर पिंक कब्स ने भी हेड-टू-हेड राउंड के पहले मैच में युवा योद्धास को 44-29 के अंतर से हराकर धुआंधार प्रदर्शन किया। चंडीगढ़ चार्जर्स ने दिन के पहले मैच में जूनियर स्टीलर्स को 35-29 से मात दी। घनश्याम मगर ने 9 अंकों के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को जीत दिलाई। सोनीपत स्पार्टन्स ने दिन के दूसरे मुकाबले में वॉरियर्ज़ के.सी. को 40-38 के करीबी अंतर से हराया। पंकज ठाकुर ने 15 अंकों के साथ मैच में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। वहीं, तीसरे मैच में युवा मुंबा ने पलानी टस्कर्स को 30-26 के स्कोर से शिकस्त दी। अंततः दिन के सबसे रोमांचक मैच में, जयपुर पिंक कब्स ने युवा योद्धास पर बेहतरीन खेल दिखाते हुए 15 अंकों की बढ़त के साथ जीत हासिल की। अनिल ने अपनी टीम के लिए 15 रेड प्वाइंट्स अर्जित किए और सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए।

ब्राज़ील लीजेंड्स ने भारत ऑल-स्टार्स को 2-1 से हराया, चेन्नई में दिखा फुटबॉल का जादू

एजेंसी

चेन्नई। चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में फुटबॉल प्रेमियों को ब्राज़ीलियाई जादू देखने को मिला, जब 1994 और 2002 विश्व कप विजेता खिलाड़ियों समेत कई दिग्गज मैदान पर उतरे। इस प्रदर्शनी मैच में ब्राज़ील लीजेंड्स ने भारत ऑल-स्टार्स को 2-1 से मात दी। मैच के दोनों 35-35 मिनट के हाफ में कई सितारे चमके, जिनमें रोनाल्डिन्हो, रिवाल्डो और लूसियो जैसे ब्राज़ीलियाई दिग्गज शामिल थे। वहीं, भारत की टीम का नेतृत्व आईएम विजयन, मेहताब हुसैन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों ने किया। स्टेडियम में आमतौर पर चेन्नईयिन एफसी की नीली जर्सी में नजर आने वाले दर्शकों की भीड़ इस बार पीले रंग में रंगी दिखी, जो ब्राज़ील की फुटबॉल विरासत के प्रति भारतीय प्रशंसकों के प्रेम को दर्शा रही थी।

मैच का रोमांचक विवरण

मैच की शुरुआत से ही ब्राज़ीलियाई खिलाड़ियों ने अपनी तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया। पांचवें मिनट में रिवाल्डो ने बॉक्स के बाहर से एक जोरदार शॉट लगाया, जिसे भारतीय गोलकीपर शुभाशीष

रॉय चौधरी ने शानदार तरीके से बाहर भेज दिया। रोनाल्डिन्हो पूरे मैच में आकर्षण का केंद्र बने रहे। हर बार जब वह गेंद को छूते, स्टेडियम में जोरदार शोर गूंज उठता। 23वें मिनट में ब्राज़ील को बढ़त बनाने का बेहतरीन मौका मिला, जब मार्सेलो फर्नांडो (कैमांडुकाइया) ने छह गज के दायरे में पास दिया, लेकिन रिकार्डो ओलिवेरा इसे नेट में डालने से चूक गए। पहले हाफ के अंत में भारतीय गोलकीपर चौधरी ने लगातार दो शानदार बचाव किए, जिससे नल्लप्पन मोहनराज और अल्वितो डी'कुन्हा की कोशिशें नाकाम रहीं। वहीं, हाफ-टाइम से ठीक पहले आईएम विजयन का फ्री-किक गोलपोस्ट के बेहद करीब से निकल गया। 43वें मिनट में भारत को बढ़त बनाने का सुनहरा मौका मिला, जब बिबियानो फर्नांडिस ने अर्नब मोंडल को शानदार पास दिया। हालांकि, मोंडल ब्राज़ील के गोलकीपर ह्युरेल्हो गोम्स को छकाने में नाकाम रहे। इस गलती का भारत को तुरंत खामियाजा भुगतना पड़ा, जब ब्राज़ील के खिलाड़ी वियोला ने भारतीय डिफेंडरों की चूक का फायदा उठाकर गेंद को गोल में डालकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। लेकिन भारतीय प्रशंसकों को ज्यादा देर मायूस नहीं रहना पड़ा। किक-ऑफ के तुरंत बाद बिबियानो ने गोम्स को चकमा देते हुए शानदार चिप शॉट से गोल दाग दिया और स्कोर 1-1 कर दिया।

आईपीएल 2025: राजस्थान रॉयल्स को मिली पहली जीत, चेन्नई को 6 रन से हराया

एजेंसी

गुवाहाटी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स ने शानदार जीत दर्ज की। सीएसके के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया. जब राजस्थान की टीम बल्लेबाजी करने उतरी तो नीतिश राणा के शानदार 81 रन की पारी की बदौलत उन्होंने 182 रन बनाए। सीएसके इस स्कोर को चेज करते हुए 176 रन ही बना सकी। इस तरह रोचक मुकाबले में सीएसके को 6 रन से हार झेलनी पड़ी। राजस्थान के दिए 183 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीएसके के लिए ऋतुराज गायकवाड़ ने कप्तानी पारी खेली। हालांकि वे जीत नहीं दिला सके। गायकवाड़ ने 44 गेंदों में 63 रन बनाए। राहुल त्रिपाठी ने 23 रनों का योगदान दिया। शिवम दुबे 18 रन बनाकर आउट हुए। जबकि महेंद्र सिंह धोनी 16 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वहीं जडेजा 32 रन बनाकर नाबाद रहे। अंत के ओवर में सीएसके को 6 गेंदों में 20 रन चाहिए थे और गेंद संदीप शर्मा के हाथ में थी। लेकिन धोनी और जडेजा मैच नहीं जिता सके। पहली गेंद

पर धोनी ने शानदार छक्का लगाया लेकिन दूसरी गेंद पर आउट हो गए. इसके बाद बचे हुए 4 गेंदों में सीएसके सिर्फ 16 रन ही बना सकी और वह मैच हार गई। इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान रॉयल्स ने निर्धारित 20 ओवर में 182 रन बनाए। रॉयल्स की शुरूआत अच्छी नहीं रही और पहली गेंद पर चौका जड़ने के बाद सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को खलील ने आउट कर दिया। इसके बाद नीतिश और संजू सैमसन (20) ने 42 गेंद में 82 रन की साझेदारी की. नीतिश राणा ने 36 गेंद में 81 रन बनाये। अपने घरेलू मैदान पर खेल रहे रॉयल्स के कप्तान रियान पराग (37) ने दो चौके और दो छक्के लगाये लेकिन उनकी पारी में लय का अभाव दिखा। रॉयल्स आखिरी पांच ओवर में 37 रन ही बना सके। आखिर के ओवर में शिमरोन हेटमायर ने 16 गेंदों में 19 रन ठोके और चेन्नई के खिलाफ 182 रन का स्कोर खड़ा किया।

'मुंबई इंडियंस के घरेलू हालात से निपटना आसान नहीं' : केकेआर कोच चंद्रकांत पंडित

एजेंसी

मुंबई। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मुख्य कोच चंद्रकांत पंडित ने 31 मार्च को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले अपनी टीम के प्रदर्शन को लेकर आत्मविश्वास जताया। केकेआर ने अपने पिछले मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को आठ विकेट से हराया था, जबकि मुंबई इंडियंस अब तक दोनों शुरुआती मैच हारकर लय में लौटने की कोशिश कर रही है। मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी आक्रमण पर बात करते हुए पंडित ने स्वीकार किया कि जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी मुंबई के लिए बड़ा झटका है, लेकिन उन्होंने अन्य गेंदबाजों को हल्के में नहीं ले सकते। उन्होंने कहा, बुमराह

मुंबई के लिए अहम हैं, लेकिन उनके अन्य गेंदबाज भी काबिल हैं।चंद्रकांत पंडित का मानना है कि उनकी टीम मुंबई की खराब शुरुआत का फायदा उठा सकती है, लेकिन घरेलू परिस्थितियों से सावधान रहना जरूरी होगा। उन्होंने कहा, हमारी टीम ने पिछले मैच में शानदार खेल दिखाया। मुंबई इंडियंस अभी तक वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाई है, जिससे उन पर दबाव बनाया जा सकता है। लेकिन वानखेड़े में खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है, और हम हालात के अनुरूप खुद को ढालने की तैयारी कर रहे हैं।

उन्होंने कप्तान अजिंक्य रहाणे की कप्तानी की भी सराहना की और कहा, रहाणे न सिर्फ केकेआर बल्कि मुंबई और भारतीय टीम की भी कप्तानी कर चुके हैं। उनका संयम और नेतृत्व टीम के लिए बहुत अहम है। साथ ही उन्होंने क्विंटन डी कॉक की नाबाद 97 रनों की पारी की भी प्रशंसा की। कहा- पावरप्ले में उनका आक्रामक खेल टीम को शानदार शुरुआत देता है, और यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। कोच पंडित ने यह भी स्पष्ट किया कि स्टार खिलाड़ी सुनील नरेन अब पूरी तरह फिट हैं और चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे।

वाराणसी के रोशन मौर्य ने 10 दिन में जीते तीन पदक

एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी के सारनाथ के पास रहने वाले रोशन मौर्य ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी खेल प्रतिभा की चमक बिखेरी है। मात्र 10 दिनों में उन्होंने तीन राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर अपना नाम इतिहास में दर्ज करा लिया है। रोशन, काशी विद्यापीठ के छात्र होने के साथ-साथ कराटे के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने इससे पहले भी कई पदक जीतकर अपने परिवार और शहर का नाम रोशन किया है। रोशन मौर्य ने हाल ही में आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय क्वान की-डो प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर अपनी सफलता की शुरुआत की। यह प्रतियोगिता 18 से 20 मार्च तक राजस्थान के जे.जे. विश्वविद्यालय में आयोजित हुई थी, जिसमें उन्होंने पुरुष 61 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन किया।इसके तुरंत बाद, उन्होंने अखिल भारतीय विश्वविद्यालय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में भी अपना दमखम दिखाया। यह प्रतियोगिता 21 से 25 मार्च तक उत्तर प्रदेश के मेरठ में स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय में आयोजित हुई थी। इस प्रतियोगिता में उन्होंने पुरुष 63 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीतकर काशी विद्यापीठ का नाम रोशन किया।

हैदराबाद में जीता तीसरा राष्ट्रीय पदक-

मेरठ में पदक जीतने के बाद रोशन सीधे हैदराबाद पहुंचे, जहां उन्होंने केआईओ राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। यह प्रतियोगिता 26 से 29 मार्च तक गच्चीबावली इंडोर स्टेडियम में आयोजित हुई थी।

ला लीगा: बार्सिलोना ने गिरोना को 4-1 से हराया, रियल मैड्रिड को हटाकर शीर्ष पर पहुंचा

एजेंसी

बार्सिलोना। रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे, जिससे बार्सिलोना ने गिरोना को 4-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ ही बार्सिलोना ला लीगा की तालिका में रियल मैड्रिड को हटाकर शीर्ष पर पहुंच गया और तीन अंकों की बढ़त बना ली। हुए इस मुकाबले में रियल मैड्रिड ने लेगानेस को हराकर बार्सिलोना की बराबरी कर ली थी, लेकिन हैंसी फ्लिक की टीम ने ओलंपिक स्टेडियम में फिर से बढ़त हासिल कर ली। लेवांडोव्स्की ने मैड्रिड के स्टार किलियन एम्बाप्पे के दो गोलों का जवाब अपने दो गोल से दिया और स्पेनिश गोल्डन बूट की दौड़ में तीन गोल की बढ़त बनाए रखी। बार्सिलोना, जो इस साल 20 मैचों से अजेय है, ने पहला गोल पहले हाफ के अंत में लाडिस्लाव क्रेज्जी के आत्मघाती गोल से किया। गिरोना ने अर्नात डांजुमा के जरिए

बराबरी की, लेकिन उसके बाद लेवांडोव्स्की के दो गोल और फेरान टोरेस के एक गोल ने टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। पिछले सीजन बार्सिलोना को दो बार हराने वाली गिरोना इस बार वैसा प्रदर्शन दोहराने में नाकाम रही और अंक तालिका में 13वें स्थान पर खिसक गई। फ्लिक ने कोपा डेल रे सेमीफाइनल में एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ होने वाले मुकाबले को ध्यान में रखते हुए कुछ प्रमुख खिलाड़ियों को रोटेट किया। पहले हाफ में बार्सिलोना ने दबदबा बनाए रखा, लेकिन उनकी आक्रमण शैली उतनी प्रभावी नहीं थी। फिरमिन लोपेज़ की सक्रियता और लमिन यामल की तेज रफ्तार से टीम ने कुछ मौकों पर गिरोना की रक्षा पंक्ति को चुनौती दी। गिरोना के लिए पहला अच्छा मौका विक्टर सिगानकोव ने बनाया, लेकिन उनका शॉट ऊपर चला गया। पाउलो गज़ानिगा ने लोपेज़ और यामल के प्रयासों को शानदार तरीके से रोक लिया। बार्सिलोना ने पेनल्टी की मांग की जब फिरमिन को यासर अस्प्रिला ने बॉक्स के किनारे गिराया, लेकिन रेफरी ने फ्री-किक दिया। वीएआर जांच में पता चला कि संपर्क बॉक्स के अंदर था, लेकिन रेफरी ने फैसला दिया कि लोपेज़ ने अस्प्रिला को पहले ही फाउल किया था। बार्सिलोना को ब्रेक से पहले बढ़त मिली जब यामल की फ्री-किक को एरिक गार्सिया के लिए लक्षित किया गया था, लेकिन गेंद क्रेज़ी के पैर से डिफ्लेक्ट होकर नेट में चली गई।

अक्टूबर-नवंबर में सफेद गेंद सीरीज के लिए भारतीय पुरुष टीम आयेंगी ऑस्ट्रेलिया

मेलबर्न। भारतीय पुरुष टीम अक्टूबर-नवंबर में होने वाले तीन एकदिवसीय और पांच टी-20 मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर आयेंगी।क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने 2025-26 के अपने घरेलु अंतरराष्ट्रीय सत्र के कार्यक्रम की घोषणा की है। जिसके तहत भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के आठ शहरों में आठ मैच खेलेंगी। यह मैच 19 अक्टूबर से शुरू होकर आठ नवंबर तक खेले जायेंगे। टी-20 श्रृंखला में कैनबरा और होबार्ट जैसे स्थानों पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी होगी। अन्य मैच मेलबर्न, गोल्ड कोस्ट और ब्रिसबेन में होंगे। एकदिवसीय मैच पर्थ, एडिलेड और सिडनी में खेले जाएंगे। सीए द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका के बीच 10 अगस्त को पहला और 12 अगस्त दूसरा टी-20 मैच डार्विन में खेला जायेगा।

सचिवालय चैंपियंस ट्रॉफी 2025 : हरिकेन बना चैंपियन, 28 रन से दर्ज की धमाकेदार जीत

एजेंसी

देहरादून। सचिवालय चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल मुकाबला सचिवालय डेंजर और सचिवालय हरिकेन के बीच खेला गया, जिसमें हरिकेन ने दमदार प्रदर्शन करते हुए 28 रनों से मैच जीतकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली। फाइनल मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सचिवालय हरिकेन ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 155 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम के स्टार बल्लेबाज सुनील मेंदोला ने 78 रन की बेहतरीन पारी खेली, जबकि अनुज चमोली ने 22 रन का योगदान दिया। सचिवालय डेंजर के गेंदबाजों में अमित तोमर और शीशपाल ने 2-2 विकेट झटके। सचिवालय हरिकेन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सचिवालय डेंजर की टीम 17.2 ओवरों में 127 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। नीरज भंडारी ने 31 रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन टीम को जीत की दहलीज तक नहीं पहुंचा सके। हरिकेन के गेंदबाज आशीष

रावत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके, जबकि अनुज चमोली ने 1 विकेट लेकर डेंजर की पारी को समेटने में अहम भूमिका निभाई। फाइनल मुकाबले के बाद खिलाड़ियों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए विभिन्न पुरस्कारों से नवाजा गया। फाइनल मैच के हीरो आशीष रावत को 'मैन ऑफ द मैच', जबकि अमित तोमर को 'फाइटर ऑफ द मैच' का खिताब दिया गया। टूर्नामेंट के अन्य बेहतरीन खिलाड़ियों में अजीत शर्मा (मोस्ट सिक्स), कपिल गंगवार (मोस्ट फोर और बेस्ट बैट्समैन), शीशपाल सिंह (बेस्ट बॉलर), अजीत जरदारी (बेस्ट कीपर) और प्रमोद कुमार (बेस्ट फील्डर) रहे। खेल भावना को प्रोत्साहित करने के लिए फेयर प्ले अवॉर्ड सचिवालय विंग्स और सचिवालय लायंस को दिया गया। पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाले मदन बाफिला को 'मैन ऑफ द सीरीज' के खिताब से नवाजा गया।इस रोमांचक मुकाबले और पुरस्कार वितरण समारोह में संयुक्त सचिव उत्तराखंड शासन संतोष बडोनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

आईपीएल 2025 : दिल्ली कैपिटल्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 7 विकेट से हराया

एजेंसी

विशाखापत्तनम। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन का 10वां मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला गया। विशाखापत्तनम के डॉ. वाई.एस. राजशेखर रेड्डी एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में हुए मैच में दिल्ली की टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद को 7 विकेट से हरा दिया। आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स की यह लगातार दूसरी जीत है, जबकि हैदराबाद की टीम पहला मैच जीतने के बाद लगातार दूसरे मैच में हारी है।मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और 163 रन बनाए। टीम के बल्लेबाज पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाए और टीम 18.4 ओवर में ऑलआउट हो गई। इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने 16 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 166 रन बनाते हुए 7 विकेट से जीत दर्ज की। दिल्ली की टीम 2 मैचों में 2 जीत के साथ अंक तालिका में दूसरे नंबर पर पहुंच गई है, जबकि हैदराबाद की टीम 3 मैचों में एक जीत और दो हार के साथ छठे नंबर पर खिसक गई है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने अच्छी शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज फाफ डु प्लेसिस और जैक फ्रेजर मैकगर्क ने शानदार बल्लेबाजी की। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 81 रनों की साझेदारी की। इस दौरान डुप्लेसिस ने अपना अर्धशतक भी पूरा किया। पचासा जड़ने के बाद अगले ओवर में डुप्लेसिस आउट हो गए। उन्होंने 27 गेंदों में 3 चौके और इतने ही छक्कों की मदद से 50 रनों की पारी खेली। दिल्ली का पहला विकेट गिरने के बाद अगले दो विकेट भी जल्द गिर गए। मैकगर्क 32 गेंदों में 38 रन और केएल राहुल 15 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद अभिषेक पोरेल और ट्रिस्टन स्टब्स ने मोर्चा संभाला और टीम को जीत दिला दी। पोरेल ने 18 गेंदों में 2 चौके और 2 छक्कों की मदद से नाबाद 34 रन और स्टब्स ने 14 गेंदों में नाबाद 21 रन बनाए।

हैदराबाद की ओर से तीनों विकेट जीशान ने लिए

इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद ने बल्लेबाजी करते हुए 163 रन बनाए थे। टीम के बल्लेबाज पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाए और टीम 18.4 ओवर में 163 रन पर ढेर हो गई। हैदरबाद की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने पावरप्ले के दौरान ही चार विकेट खो दिए। अभिषेक वर्मा एक रन और ईशान किशन 2 रन बना सके। नीतीश कुमार रेड्डी बिना खाता खोले आउट हो गए, जबकि ट्रेविस हेड ने 12 गेंदों में 22 रन बनाए। इसके बाद युवा खिलाड़ी अनिकेत वर्मा और हेनरिच क्लासेन ने मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने मिलकर टीम के स्कोर को 100 के पार पहुंचाया। हैदराबाद का पांचवां विकेट क्लासेन के रूप में गिरा। उन्होंने 19 गेंदों में 32 रन बनाए। यहां से सनराइजर्स की बल्लेबाजी फिर लड़खड़ा गई और लगातार अंतराल पर विकेट गिरते रहे। दूसरे छोर से अनिकेत जरूर पारी को आगे बढ़ाते रहे लेकिन वह भी 74 रनों की बेहतरीन पारी खेलकर पवेलियन लौट गए। उन्होंने अपनी पारी में 41 गेंदों का सामना किया और 5 चौके और 6 छक्के लगाए। अनिकेत की पारी का अंत होने के बाद टीम पूरे ओवर भी नहीं खेल पाई और 18.4 ओवर में 163 रन पर सिमट गई।

पैट कमिंस 2 रन, अभिनव मनोहर 4 रन, हर्षल पटेल 5 रन, वियान मुल्डर ने 9 रन बनाए। दिल्ली के लिए तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 विकेट झटके, जबकि कुलदीप यादव को 3 और मोहित शर्मा को एक विकेट मिला।

हिना खान

की रिवीलिंग ड्रेस पर उमड़ा फैंस का गुस्सा, भड़के यूजर्स ने लगी दी क्लास

फिल्म और टीवी इंडस्ट्री की फेमस एक्ट्रेस हिना खान इन दिनों अपनी हेल्थ को लेकर कठिन दौर से निकल रही हैं। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझते हुए भी उन्होंने हार नहीं मानी। वह कई इवेंट्स में सक्रिय रहती हैं और अपनी प्रोफेशनल लाइफ पर भी पूरा ध्यान दे रही हैं। हाल ही में हिना खान एक अवॉर्ड शो में शामिल हुईं, जहां उनके लुक को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हो गई।

हिना खान का ग्लैमरस अंदाज

अवॉर्ड शो में हिना खान ने रेड कलर का डीप नेक गाउन पहना था, जिसमें वह बहुत खूबसूरत और आत्मविश्वास से भरी नजर आ रही थीं। उनका लुक और ग्रेस सबका ध्यान आकर्षित कर रहे थे। हिना ने कई पोज दिए, जिन्हें पैपराजी ने कैमरे में कैद किए। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं और फैंस ने उनके लुक की तारीफ की, उन्हें फाइटर गर्ल करार दिया।

ट्रोल्स के निशाने पर हिना खान

जहां एक ओर हिना खान के फैन्स उनकी साहसिकता और सुंदरता की सराहना कर रहे थे, वहीं कुछ ट्रोलर्स ने उनके लुक और आउटफिट को लेकर नकारात्मक टिप्पणियां की। कुछ यूजर्स ने उनकी बीमारी को लेकर भी सवाल उठाए और कहा कि वह झूठ बोल रही हैं। एक यूजर ने लिखा, अब उमराह करके आई हैं और अब ऐसी ड्रेस पहनी है। कुछ ट्रोलर्स ने उनके कैंसर से जुड़ी टिप्पणियां भी कीं और इसे झूठा करार दिया।

पहले भी हो चुकी हैं ट्रोलिंग का शिकार

हिना खान के लिए यह पहला मौका नहीं है जब उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा है। इससे पहले भी कई बार उनके लुक और ड्रेसिंग सेंस पर सोशल मीडिया पर बहस हो चुकी है। हालांकि, हिना हमेशा ट्रोल्स को नजरअंदाज करती रही हैं और अपनी जिंदगी को अपने तरीके से जीने का विश्वास रखती हैं।

फैंस ने किया समर्थन

ट्रोलिंग के बावजूद हिना खान के फैन्स पूरी तरह उनके समर्थन में खड़े हो गए हैं। कई यूजर्स ने ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया और कहा कि हिना खान एक मजबूत महिला हैं, जो मुश्किल वक्त में भी खुद को संभाल रही हैं। एक फैन ने लिखा, हिना एक प्रेरणा हैं, वह जिस हिम्मत से अपनी बीमारी से लड़ रही हैं, वह बहुत काबिल–ए–तारीफ है।

हिना खान का वर्क फ्रंट

अगर हम हिना खान के वर्क फ्रंट की बात करें तो, वह हाल ही में %गृहलक्ष्मी% शो में नजर आई थीं, जिसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। अपनी बीमारी के बावजूद वह अपने काम में पूरी तरह एक्टिव हैं और अपने मजबूत इरादों से सभी को प्रेरित कर रही हैं।

उस आदमी ने हमें गालियां दी, धमकी दी...अमृता अरोड़ा का दावा- उसने सैफ पर हमला किया

सैफ अली खान के साल 2012 के होटल विवाद में मलाइका अरोड़ा की बहन एक्ट्रेस अमृता अरोड़ा ने कोर्ट में गवाही दी है. शनिवार को अमृता मामले में गवाह के तौर पर कोर्ट में पेश हुईं. इस केस में सैफ अली खान एनआरआई बिजनेसमैन और उनके ससुर पर एक फाइव स्टार होटल में हमला करने के आरोपी हैं. कोर्ट में अमृता ने कहा है कि उन्होंने अपनी आंखों से देखा था बिजनेसमैन सैफ पर हमला कर रहा था.साल 2012 की बात है. सैफ अली खान अपने कुछ दोस्तों के साथ 22 फरवरी 2012 को मुंबई के एक होटल में डिनर करने के लिए गए थे. सैफ के साथ वहां अमृता अरोड़ा भी थीं. उसी दौरान वहां बड़ा विवाद हुआ और दोनों तरफ से मारपीट के आरोप लगाए गए थे. तब से मामले में केस चल रहा है.

कोर्ट में अमृता अरोड़ा की गवाही

इस केस में अमृता ने शनिवार को गवाही दी. उन्होंने कहा कि होटल ने उनके ग्रुप को एक सेपरेट जगह मुहैया कराई थी और वो लोग वहां क्वालिटी टाइम बिता रहे थे और खाना खा रहे थे तभी अचानक शिकायतकर्ता वहां आ पहुंचा और चिल्लाने लगा और गालियां देना शुरू कर दिया. उन्होंने कहा, हमने देखा कि कोई हमारी जगह में घुस आया है, बहुत तेज़ और गुस्से से भरी आवाज में हमसे उसने कहा कि चुप हो जाओ, शांत रहो. हम सब हैरान रह गए कि हुआ क्या है.

अमृता का कहना था कि जब सैफ अली खान वॉशरूम गए तो उन्होंने तेज़ आवाजें सुनीं, एक आवाज सैफ की थी और दूसरी उस एनआरआई बिजनेसमैन की. फिर उन्होंने देखा कि वो शख्स वहां आ पहुंचा जहां वो सभी बैठे थे और फिर सैफ पर हमला करने लगा. उन्होंने कहा, फिर सभी ने बीच बचाव किया और दोनों को अलग कर दिया. फिर उस आदमी ने हमें गालियां देनी शुरू कर दी और हमें भयंकर परिणाम भुगतने की धमकी देने लगा.

वहां कौन–कौन थे ?

अमृता ने बताया कि जब एनआरआई बिजनेसमैन इकबाल शर्मा के साथ ये सारा विवाद हुआ उस वक्त वहां डिनर के लिए सैफ अली खान, करीना कपूर, करिश्मा कपूर, मलाइका अरोड़ा और कुछ पुरुष दोस्त मौजूद थे. इस मामले में बिजनेसमैन ने भी आरोप लगाया है कि सैफ और उनके दोस्तों ने उनके ससुर रमन पटेल के साथ मारपीट की थी. इस मामले में सैफ के अलावा उनके दो दोस्त शकील लड़क और बिलाल अमरोही पर आईपीसी की धारा 325 के तहत चार्जशीट दाखिल किया गया है.

5500 स्क्रीन्स और 22 हजार से ज्यादा शोज, 'सिकंदर' ने रिलीज के साथ ही बना दिया ये रिकॉर्ड

सुपरस्टार सलमान खान और रश्मिका मंदाना की मोस्ट अवेटेड एक्शन ड्रामा 'सिकंदर' 30 मार्च यानी रविवार को बड़े पर्दे पर रिलीज हो चुकी है. एआर मुरुगादॉस के डायरेक्शन में बनी 'सिकंदर' ईद के मौके पर रिलीज की गई है. 'टाइगर 3' के बाद सलमान खान ने एक साल से ज्यादा समय का ब्रेक ले लिया था. 'सिकंदर' उनकी कमबैक फिल्म भी है. हालांकि उन्हें 'बेबी जॉन' और 'सिंघम 'अगेन' जैसी फिल्मों में देखा गया, लेकिन वहां बस उनकी छोटी सी झलक नजर आई थी. अब 'सिकंदर' बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने आ गई है. फिल्म ने रिलीज के साथ ही एक बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, साजिद नाडियाडवाला का प्रोडक्शन भारत में 'सिकंदर' को बॉलीवुड की सबसे बड़ी रिलीज़ बनाने जा रहा है. ऐसा कहा जा रहा है कि 'सिकंदर' को देशभर में 5500 से ज़्यादा स्क्रीन पर रिलीज़ किया गया है और इसे 22,000 से ज़्यादा शो मिले हैं, जो किसी भी बॉलीवुड टाइटल के लिए अब तक का सबसे ज़्यादा नंबर हैं. फ़िलहाल, ऑनलाइन 19 हज़ार से ज़्यादा शो लिस्ट किए गए हैं और उन थिएटरों में करीब 3 हज़ार और शो जोड़े जाएंगे जहां ऑनलाइन बुकिंग मौजूद नहीं है.

'छावा' से होगी 'सिकंदर' की टक्कर

'सिकंदर' ने एडवांस बुकिंग के मामले में भी अच्छा–खासा कारोबार कर लिया है. हालांकि एडवांस बुकिंग ने 29 मार्च की शाम को तेज रफ्तार पकड़ी. 29 मार्च को रात 8 बजे तक, फिल्म ने लगभग 9 करोड़ रुपये (ब्लॉक सीटों के बिना) की कुल 300ग टिकटें बेची हैं. हालांकि विकी कौशल की 'छावा' से कम बताए जा रहे हैं. एडवांस बुकिंग के मुताबिक 'छावा' के बाद 'सिकंदर' इस साल की दूसरी बड़ी फिल्म साबित हो सकती है.

रविवार के दिन रिलीज हुई 'सिकंदर'

आमतौर पर फिल्मों को शुक्रवार को रिलीज किया जाता है, लेकिन सलमान खान ने 'सिकंदर' को रविवार को रिलीज किया है. इसके पीछे की वजह ईद और वीक डेज हैं, जिन्हें लेकर मेकर्स चाहते हैं कि फिल्म पूरे हफ्ते अच्छी कमाई करे. 'सिकंदर' से उम्मीद की जा रही है कि ये फिल्म सलमान खान के करियर के लिए बेहतर साबित होगी.

4 महीने बाद जुड़वा बच्चों संग

श्रद्धा आर्या

ने शेयर की तस्वीरें,मिनटों में हुई वायरल

%कुंडली भाग्य% फेम एक्ट्रेस श्रद्धा आर्या इस समय मदरहुड लाइफ को एंजॉय कर रही हैं। साल 2024 29 नवंबर को श्रद्धा के घर एक नहीं बल्कि 2 नन्हें मुन्नों की किलाकारियां गूंजी। श्रद्धा ने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया। हसीना ने पति राहुल नागल से एक बेटी और...

कुंडली भाग्य फेम एक्ट्रेस श्रद्धा आर्या इस समय मदरहुड लाइफ को एंजॉय कर रही हैं। साल 2024 29 नवंबर को श्रद्धा के घर एक नहीं बल्कि 2 नन्हें मुन्नों की किलाकारियां गूंजी। श्रद्धा ने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया।

हसीना ने पति राहुल नागल से एक बेटी और बेटे का स्वागत किया।

वहीं आज 29 मार्च को श्रद्धा के जुड़वा बच्चे 4 महीने के हो गए हैं। ऐसे में एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर अपने जुड़वा बच्चों की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जो चंद मिनटों में ही वायरल हो गई हैं। फैंस उनकी पोस्ट पर जमकर कमेंट भी कर रहे हैं।

इस तस्वीर में श्रद्धा दोनों बच्चों को गोद में लिए पोज दे रही हैं। जहां उनकी लाडली पिंक आउटफिट में प्यारी लग रही हैं। वहीं एक्ट्रेस के नन्हा शहजादा ब्लू आउटफिट में क्यूट लग रहा है। एक तस्वीर में श्रद्धा के दोनों बच्चे रेड आउटफिट में नजर आ रहे हैं।